सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 338, नई दिल्ली । शुक्रवार, 14 फ़रवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 भाजपा ने वक्फ बोर्ड पर बनी जेपीसी की रिपोर्ट को कूड़ेदान में डालकर....
06 उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ, भू -राजनीतिक गठबंधन विकसित
08 पर्यावरण पाठशाला: एसडीजी मॉडल के तहत, क्या करना चाहिए? : अंकुर शरण

दिल्ली परिवहन विभाग की कार्यशैली पर सवाल ?

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग का जनता में भरोसा बना रहे इसके लिए परिवहन विभाग की संचालन एवम् आई.टी. शाखा का मुख्य दायित्व है पर पिछले कुछ वर्षों से इन्हीं दो शाखाओं की कार्यशैली पर सवाल उठाए जा रहे हैं और दिल्ली सरकार और आला अधिकारी परिवहन विभाग कोई कार्यवाही नहीं कर रहे। **दिल्ली परिवहन विभाग की संचालन और आई.टी. शाखा के कारण दिल्ली में**

1. ई रिक्शा चालक को ड्राइविंग ट्रैनिंग सर्टिफिकेट की पूर्ण जांच और ऑनलाइन अपलोड करवाए बिना ही चालक ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया जा रहा है, **इससे दिल्ली की जनता की सुरक्षा खतरे में**

2. दिल्ली में पंजीकृत वाहन मालिकों का सुरक्षित डाटा जिसे परिवहन विभाग जबरदस्ती वाहन मालिकों से वाहन पंजीकृत करने से पहले प्राप्त करता है वह डाटा अनजान व्यक्तियों को उपलब्ध, इससे दिल्ली की जनता की सुरक्षा खतरे में,

3. कई तरह के व्यवसायिक वाहन श्रेणियों के वाहन हस्तांतरण में अलग अलग तरह की कंडीशन लगाकर हस्तांतरण में 2 साल से 5 साल तक की पाबंदी लगाई हुई है जिससे वाहन के असली मालिक का पता चलना असंभव इससे दिल्ली की जनता की सुरक्षा खतरे में

4. दिल्ली में पंजीकृत हो रहे वाहन दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा ही जारी स्टेट अप्रूवल के अनुसार है या नहीं इसकी जांच के बिना ही वाहनों को पंजीकृत किया जा रहा है इससे दिल्ली की जनता की सुरक्षा खतरे में

5. दिल्ली के प्रदूषण पर नियंत्रण लगाने के नाम पर समय सीमा समाप्त वाहनों को जबरदस्ती उठवाना पर दिल्ली में परिवहन विभाग के द्वारा जारी स्टेट अप्रूवल के अनुसार उपलब्ध इलेक्ट्रिक वाहनों को जान बुझकर पंजीकृत नहीं होने देना, इससे दिल्ली की जनता की सुरक्षा खतरे में,

6. प्रवर्तन शाखा दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा अनधिकृत चल रहे वाहनों पर कार्यवाही नहीं करना, इससे दिल्ली की जनता की सुरक्षा खतरे में और

7. परिवहन विभाग द्वारा स्टेज कैरेज वाहन परमिट पर चालित वाहनो की जगह कॉन्ट्रेक्ट कैरेज एवम् आल इंडिया परमिट चालित वाहनो को दिल्ली के अंतर राजकीय वाहन टर्मिनलो से स्टेज कैरेज वाहन की तरह सवारियां उठाने की इजाजत देना इससे जनता की सुरक्षा खतरे में

आखिर क्या चाहते हैं दिल्ली परिवहन आयुक्त दिल्ली की जनता से और क्यों सब कुछ देखते हुए भी दिल्ली सरकार, और उपराज्यपाल है चुप ???

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

भुवनेश्वर मे फ्लाईओवर पर चलेगी मेट्रो

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: राज्य सरकार ने भुवनेश्वर में उत्पन्न यातायात समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाए हैं। शहर के चारों ओर तीन रिंग रोड और दो एलिवेटेड कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इसके अलावा, एजी स्ट्रीट पर एक भूमिगत सड़क का निर्माण किया जाएगा। इन परियोजनाओं का निर्माण लगभग 7,000 करोड़ रुपये की लागत से किया जाना है तथा इन्हें अगले 3 से 4 वर्षों में पूरा करने की योजना है।शहर की बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए अगले 50 वर्षों के लिए एक अनुमान तैयार किया गया है। जयदेव बिहार से नंदनकानन रोड तक एक एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा, जो भुवनेश्वर को कटक से जोड़ेगा। मेट्रो ट्रैक इस तीन लेन वाली सड़क के शीर्ष पर होगा। वाहनों के आवागमन के लिए इसके नीचे एक फ्लाईओवर बनाया जाएगा। और फ्लाईओवर के नीचे एक सड़क भी होगी। जयदेव विहार से नंदनकानन तक की सड़क के लिए भी ऐसी ही योजना बनाई गई है, जो मेट्रो परियोजना के अंतर्गत है। नए डिजाइन के अनुसार, फ्लाईओवर सड़क से लगभग 8 मीटर (26.24 फीट) ऊपर होगा। इस पर मेट्रो ट्रैक बनाए जाएंगे। इसका मतलब यह है कि मेट्रो ट्रैक जमीन से 14 मीटर और ऊंचाई 46 फीट होगी। फ्लाईओवर चार की बजाय छह लेन का होगा। परिणामस्वरूप, जितने अधिक वाहन नीचे चलेंगे, उतने ही अधिक वे ऊपर चलेंगे। जहां भी कोई बड़ा चौराहा होगा, वहां एक बचने का रास्ता होगा। ऊपर से यात्रा करने वालों को नीचे उतरने में कोई परेशानी नहीं होगी। शहरी विकास और कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि 2027-28 तक इस परियोजना के पूरा होने के साथ, यह भुवनेश्वर की जीवन रेखा बन जाएगी।मंत्री श्री हरिचंदन ने आगे कहा कि अगर अब जयदेव विहार-नंदनकानन निचली सड़क का विस्तार किया जाता है तो कई लोगों को सड़क किनारे से हटाना पड़ेगा। सड़क किनारे लगे हजारों पेड़ों को भी काटना पड़ेगा। इसलिए इस गलियारे की योजना बनाई गई है। कल की बैठक में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस परियोजना को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। वर्तमान में भुवनेश्वर से कटक, खोरधा और पुरी जाते समय यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। यदि हमारे पास प्रवेश और निकास के लिए कई रास्ते होंगे तो यातायात जाम की स्थिति नहीं होगी। सड़क से दबाव कम हो जाएगा। इसी प्रकार, राजमहल चौक, सांपला चौक और म्यूजियम चौक को जोड़ते हुए एक और एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसके अलावा, एजी स्ट्रीट पर भूमिगत सड़क बनाने

ट्रैफिक पुलिस का अभद्र व्यवहार; जुर्माना न भर पाने पर कुनी बेटी को कार में बंद कर दिया

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : राजधानी में ट्रैफिक पुलिस के अनियंत्रित व्यवहार को लेकर चर्चा रही। ऐसी खबरें आई हैं कि कैसे एक छोटी बेटी को लंबे समय तक कार में बंद रखा गया। मंगलवार से राजधानी में सख्त यातायात जांच की जा रही है। चेकिंग के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने एजी चौराहे पर एक कार को यू-टर्न लेते हुए पकड़ लिया।यातायात पुलिस ने जुर्माना मांगा। लेकिन कार चालक भुगतान नहीं कर सका क्योंकि उसके पास नकदी नहीं थी। पुलिस अधिकारी ने चालक को चेतावनी दी कि जब तक वे नकद जुर्माना अदा नहीं करेंगे, वे वाहन नहीं छोड़ेंगे। यह बताए जाने के बावजूद कि वाहन में एक छोटी लड़की है, यातायात पुलिस अधिकारी ने कुछ भी नहीं सुना। हालांकि, खबर मिलते ही लड़की की मां पुलिस थाने पहुंची और 500 रुपये की नकद रसीद सौंपी। इसके बाद पुलिस ने छोटी लड़की को वाहन सहित अकेला छोड़ दिया। लड़की के अभिभावक ने पुलिस के व्यवहार पर असंतोष व्यक्त किया और घटना की जानकारी सीएमओ को दी।

दिल्ली पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी, घर से निकलने से पहले देख लें रूट

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली पुलिस ने शब-ए-बारात के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। गुरुवार शाम 5 बजे से मध्य दिल्ली में ट्रैफिक प्रतिबंध और बदलाव लागू रहेंगे। नेताजी सुभाष मार्ग एसपीएम मार्ग चर्च मिशन रोड खारी बावली रोड कुतुब रोड महाराजा अग्रसेन मार्ग सुभाष पार्क टी-प्वाइंट शांति वन चौक और छत्ता रेल चौक पर ट्रैफिक की आवाजाही प्रतिबंधित/डायवर्ट की जा सकती है।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शब-ए-बारात के मद्देनजर गुरुवार शाम से ट्रैफिक में बदलाव किए जाने के संबंध में एक एडवाइजरी जारी की। एडवाइजरी में कहा गया है कि गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात को शब-ए-बारात के मद्देनजर कार्यक्रम के समापन तक मध्य दिल्ली में शाम 5 बजे से यातायात प्रतिबंध और इसमें बदलाव लागू रहेंगे।

एडवाइजरी में कहा गया है कि नेताजी सुभाष मार्ग, एसपीएम मार्ग, चर्च मिशन रोड, खारी बावली रोड, कुतुब रोड, महाराजा अग्रसेन मार्ग, सुभाष पार्क टी-प्वाइंट, शांति वन चौक और छत्ता रेल चौक पर ट्रैफिक की आवाजाही प्रतिबंधित/डायवर्ट की जा सकती है।

राजघाट और आसपास के हिस्सों में वाहन होंगे प्रतिबंधित

एडवाइजरी के अनुसार, फतेहपुरी टी-प्वाइंट, बीएच राव रोड, रानी झांसी रोड, सदर थाना रोड, बीएसजेड मार्ग, बोरा टूटी चौक, रानी झांसी रोड, दिल्ली गेट, राजघाट और आसपास के हिस्सों पर भी वाहनों को प्रतिबंधित/डायवर्ट किया जा सकता है।

यात्रियों से पर्याप्त समय लेकर घर से निकलने को कहा

इसमें यात्रियों से उन क्षेत्रों से बचने को भी कहा गया, जहां शब-ए-बारात का जुलूस निकलेगा। एडवाइजरी में कहा गया है कि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, आईएसबीटी, लाल किला, चांदनी चौक और तीस हजारी कोर्ट जाने वाले यात्रियों को देरी से बचने के लिए पर्याप्त समय के साथ अपनी यात्रा की योजना बनानी चाहिए।

बताई गई जगहों पर पार्किंग करने की सलाह

इसने यात्रियों से सड़क की भीड़ को कम करने और सड़क के किनारे पार्किंग से बचने और केवल बताए गए पार्किंग स्थल पर ही वाहन पार्क करने के लिए सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देने के लिए कहा है। एडवाइजरी में कहा गया है कि किसी भी संदिग्ध/अज्ञात वस्तु या व्यक्ति की सूचना निकटतम पुलिस कर्मी या पीसीआर को दें।

हिण्डन एयरपोर्ट से प्रयागराज के लिए जल्द शुरू होगी उड़ान, सामने आया ये बड़ा अपडेट

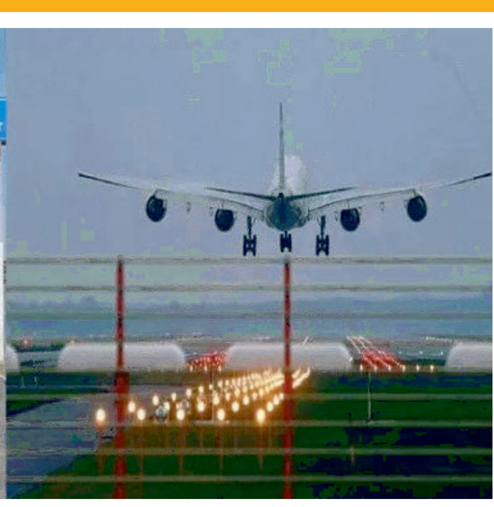

परिवहन विशेष न्यूज

हिंडन एयरपोर्ट से जल्द ही प्रयागराज वाराणसी और अयोध्या के लिए उड़ानें शुरू होने जा रही हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने सांसद अतुल गर्ग को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी है। इसके अलावा हिंडन से कोलकाता गोवा बेंगलुरु चेन्नई और जम्मू के लिए भी जल्द ही उड़ानें शुरू होने वाली हैं। आगे विस्तार से पढ़िए आखिर और क्या-क्या अपडेट है।

गाजियाबाद। सांसद अतुल गर्ग के पत्र के जवाब में एयरपोर्ट अथोरिटी ने पत्र लिखकर जानकारी दी है कि हिंडन हवाई अड्डे से प्रयागराज, वाराणसी और अयोध्या के लिए उड़ान शुरू करने के लिए विमान कंपनियों को पत्र लिखकर आमंत्रित किया गया है।

इन शहरों के लिए शुरू होंगी उड़ान

हिंडन से प्रयागराज समेत अन्य जगहों के लिए जल्द उड़ान शुरू होने की उम्मीद है। इसके अलावा जल्द ही हिंडन एयरपोर्ट से कोलकाता, गोवा, बेंगलुरू, चेन्नई, जम्मू जैसे शहरों के लिए उड़ान शुरू होने वाली है।

अनुरोध पर यह पत्र लिखा गया

एयरपोर्ट अथोरिटी के सदस्य आपरेशन डा. शरद कुमार ने सांसद अतुल कुमार गर्ग को पत्र भेजा है। कुंभ में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उनके अनुरोध पर यह पत्र लिखा गया है। इससे पहले हिंडन एयरपोर्ट के निदेशक भी एयरलाइंस कंपनियों को ऐसा ही पत्र लिख चुकी हैं।

हिंडन बैराज के पास बनेगा एक और पुल

लाइनपार क्षेत्र को ट्रांस हिंडन से जोड़ने के लिए जल्द कवायद शुरू होने की उम्मीद है। इसके लिए हिंडन पर 600 मीटर के एक और पुल को बनाने की मांग की गई है। सदर विधायक संजीव शर्मा के पत्र पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए हैं।

लाइनपार क्षेत्र के लोग भी काफी समय से पुल निर्माण को लेकर मांग कर रहे थे। विधायक संजीव शर्मा ने बताया कि लाइनपार क्षेत्र वेलफेयर एसोसिएशन ने हिंडन बैराज के पास हिंडन नदी पर एक और पुल बनाने की मांग की थी। हिंडन बैराज पुल की चौड़ाई काफी कम 12 से 14 फुट है।

इस बैराज से प्रतिदिन लाखों लोगों को आवागमन में परेशानी रहती है और ज्यादातर समय जाम लगा रहता है। यह रास्ता लाइनपार क्षेत्र को ट्रांस हिंडन से जोड़ता है।

बैराज के नजदीक सिद्धार्थ विहार योजना में गंगा जमुना अपार्टमेंट के पास सड़क से 600 मीटर के दूसरे पुल के निर्माण की मांग की गई है, जो सीधा वसुंधरा सेक्टर 1 और 3 से जाकर जुड़ेगा।

विशाखा नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वभाव, कैरियर, रोग और उपाय:

ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश पौराणिक(इंजी .)

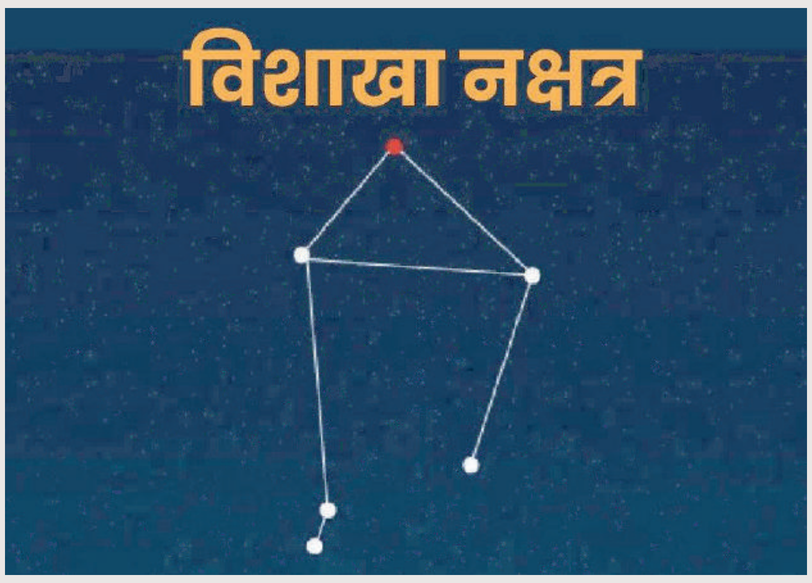

विशाखा नक्षत्र चार तारों के एक समूह जो कि आयताकार मेज की तरह प्रतीत होता है। विशाखा शब्द को संस्कृत में विशाखः कहा गया है जिसका अर्थ है 'कार्तिकेय' कुछ विद्वान कृष्ण प्रिय राधा जी को भी इस शब्द से जोड़ते है। वैदिक साहित्य में विशाखा को देव स्थान अर्थात स्वर्ग माना गया है। इस नक्षत्र के नक्षत्रपति देवगुरु बृहस्पति तथा देवता इंद्र हैं।

स्वभाव: विशाखा नक्षत्र में जन्मे जातक दृढ़ निश्चय, लक्ष्य के प्रति उत्साही, बुद्धिमान, सुंदर, आकर्षित शरीर धारी, दूसरों के प्रति समर्पित तथा दयालु होता है। आचार्य वराहमिहिर के अनुसार इस नक्षत्र में जन्मा जातक लोभी, झगड़ालू, ईर्ष्यालु, चतुर, बुद्धिमान तथा ज्ञानी होता है। तथा इनकी आंखो में अलग ही आकर्षण देखने को मिलता है।

कैरियर: विशाखा नक्षत्र में जन्मे लोग धर्म गुरु, पुलिस, सेना, मंच कलाकार, सुरक्षाकर्मी, अंगरक्षक, दूरदर्शन कलाकार, क्रांतिकारी,

खिलाड़ी, कोरियोग्राफर, शराब उधोग आदि में सफलता प्राप्त करते हैं। लेकिन कुछ जातक बुरे क्षेत्रों जैसे आतंकवाद, देह व्यापार, दो नंबर के सारे कामों में रत देखे जा सकते हैं।

रोग: इस नक्षत्र में जन्मे जातक देह पीड़ा, फोड़े फुंसी, सर दर्द, पेट में जलन, दिल से संबंधित रोग आदि से ग्रसित हो सकते हैं।

उपाय: ॐ रामाय नमः मंत्र का जाप 1 माला जाप करना तथा राम रक्षा स्त्रोत का पाठ करना इस नक्षत्र में जन्मे लोगो को अत्यंत लाभ दायक सिद्ध होता है। इसके अलावा राधा रानी जी की पूजा इन्हे निर्मल भक्ति प्रदान करती है। लाल, नीला, सुनहरा पीला रंग का प्रयोग भाग्यवर्धक इनके लिए होता है।

कमर दर्द की घरेलु चिकित्सा

1. एरण्ड पाक 10 ग्राम, सुबह-शाम गरम दूध या जल के साथ लेने से कटिशूल (कमर दर्द) के साथ, समस्त वात संबंधी रोग नष्ट हो जाते है ।
2. एरण्ड के बीज 5 ग्राम को, 200 ग्राम दूध में उबालकर, सुबह-शाम सेवन करने से, कटिवात व कटिशूल में , आशानुसार लाभ होता है ।
3. योगराज गुग्गुल 2 गोली, त्रयोदशांग गुग्गुल 2 गोली , सुबह-शाम गुनगुने पानी के साथ लेने से, कमर दर्द में , तुरंत लाभ होता है ।
4. सुरंजन सीरी, असगंध, सौंठ को समान भाग लेकर चूर्ण बना लें। 3 - 3 ग्राम, सुबह-शाम, गर्म जल से, सेवन करने से, कमर दर्द शांत होता है ।
5. विधारा चूर्ण 6 ग्राम, गुनगुने दूध के साथ देनें से, कमर दर्द में लाभ होता है ।
6. कैशोर गुग्गुल 2 गोली, गोक्षुरादि गुग्गुल 2 गोली सुबह-शाम, गुनगुने जल से, लेने से , कमर दर्द में , लाभ होता है ।
7. नारायण तैल, महाविषगर्भ तैल या पंचगुण तैल में से, किसी एक तैल की कमर में मालिस करने से, कमर दर्द ठीक होता है ।

विशेष :- जिस स्त्री को, श्वेत या रक्त प्रदर के कारण, कमर दर्द में दर्द होता है तो, उसकी श्वेत प्रदर नाशक या रक्त प्रदर नाशक चिकित्सा के साथ, वात के प्रभाव को नष्ट करने वाली चिकित्सा से या तेल मालिस आदि करने से, लाभ होता है ।

आयुर्वेद अपनाएं स्वस्थ जीवन पाएं

भवन निर्माण में राहु मुख का विचार अवश्य करें

हम भवन निर्माण का विचार कर रहें है तो सबसे पहले इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि शल्यशोधन एंव नींव के निमित्त भूमि खनन किस दिशा से प्रारम्भ किया जाये, इस निर्णय के लिए हमें राहु का मुख, पेट व पूछ की स्थिति का ज्ञान करना होगा, क्योंकि सर्पाकार राहु प्रत्येक भूखण्ड में अपना शरीर फैलाये हुये लेटा रहता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार भूखनन प्रारम्भ करते समय राहु के शरीर के किसी भाग पर प्रहार हुआ तो गृहस्वामी का अनिष्ट होना लगभग तय होता है। अतः भूखनन का प्रारम्भ वहीं से किया जाये जहा राहु के शरीर का कोई भी अवयव न पड़े।

भूखण्ड में राहु की स्थिति कैसे जानें राहु की स्थिति सूर्य के राशि परिवर्तन के हिसाब से बदलती रहती है। जैसे-सूर्य जब वृष, मिथुन व कर्क राशि में होता है तो राहु का मुख भूमि के आग्नेय कोण में होता है। सिंह, कन्या व तुला राशि में सूर्य होने पर राहु का मुख ईशान कोण में, वृश्चिक, धनु व मकर राशि में सूर्य के रहने पर राहु का मुख वायव्य कोण में और कुम्भ, मीन व मेष राशि में सूर्य राशि के होने से राहु का मुख नैऋत्य कोण में होता है। राहु का मुख जिस दिशा में होता है उसके पिछले दो कोणों में क्रमशः पेट

व पूंछ होती है।

किस दिशा से प्रारम्भ करें नींव की खुदाई-

1. यदि सूर्य वृष, मिथुन, कर्क राशि में हो तो गृहभूमि का खनन प्रारम्भ नैऋत्य कोण में करना चाहिए।

2. यदि सूर्य सिंह, कन्या व तुला राशि में हो तो गृहभमि की खुदाई का आरम्भ आग्नेय कोण से करना चाहिए।

3. अगर सूर्य वृश्चिक, धनु व मकर राशि में रहें तो गृहभूमि का खनन ईशान कोण में करना लाभकारी रहता है।

4. सूर्य कुम्भ, मीन व मेष राशि में हो तो भवन निर्माण के लिए नींव खोदना वायव्य कोण से प्रारम्भ करना चाहिए।

मुंह की लार, सलाइवा या लालारस का महत्व??

हमारे मुख में लार को बनाने वाली एक लाख ग्रन्थियां हैं जो 24 घण्टे लार बनाने का कार्य करती हैं। दिन भर हम उस लार को निगलते रहते हैं लेकिन रात को हम लार को निगल नही पाते और वह मुख में इधर उधर जम जाती है। सुबह उठते ही वाश बेसिन में उसे थूक देते हैं लेकिन क्या आपको पता है कि ये लार/ लालारस/ स्लाइवा/ सलाइवा हमारे लिए कितनी कीमती है।

जानिये इसके गुण

(1)- सुबह की बासी लार को निरन्तर आँखों में डालने से रोशनी बरकरार रहती है। जिसको चश्मा लगा है वह भी उत्तर जायेगा।

(2)- आँखों के नीचे काले घेरों पर सुबह लार की मालिश कीजिए निशान नहीं रहेंगे।

(3)- पानी घूट घूट करके पीने से ज्यादा लार पानी के साथ हमारे पेट में जाती है जो पेट में बन रहे हाईड्रोक्लोरिक एसिड को कम करती है।

(4)- मुख पर कोई दाग धब्बा हो बस लार मालिश कीजिए।

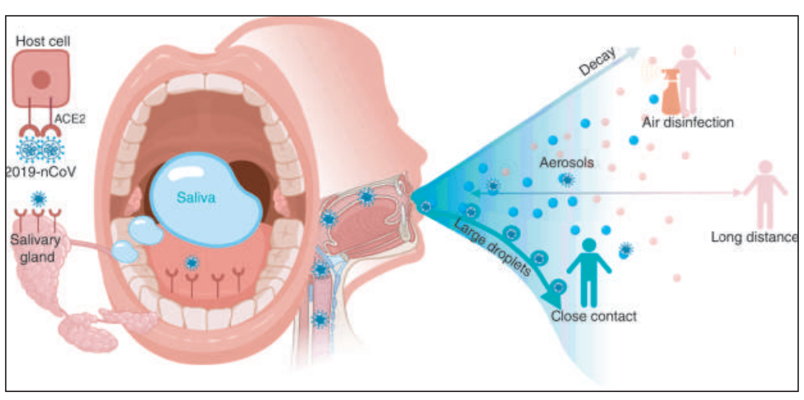

(5)- जले हुए पर मालिश कर सकते हैं।

(6)- चोट पर लगाने से चोट जल्दी ठीक हो जाती है। आपने कुत्ते को देखा होगा। चाटचाट कर ही ठीक कर लेता है। उसको किसने बताया।

(7)- चिड़िया पानी को घूट घूट पीती है उसको किसी ने नही बताया पानी घूट घूट पीना।

सभी जानवर पानी घूट घूट ही पीते हैं।

मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जो बार बार समझाने पर भी लार से नफरत करता है। अतः मूर्ख न बनें इस कीमती लार का उपयोग करें।

विजयसार की लकड़ी 95% शुगर रोग ठीक कर देगी

खराब लाइफस्टाइल के चलते डायबिटीज की समस्या आम हो गई है। पहले तो डायबिटीज 50 साल से ज्यादा उम्र के लागों को होती थी, लेकिन जेनेटिक होने के कारण अब कम उम्र के लोग भी इसका शिकार हो रहे हैं। समय रहते इसे कंट्रोल कर लिया जाए, तो इसके बढ़ने की संभावना को कम किया जा सकता है। वैसे तो डायबिटीज को नियंत्रण में रखने के लिए लोग लौकी, गिलोय जैसे घरेलू नुस्खे अपनाते हैं, मधुमेह और घुटनो के दर्द का रामबाण इलाज है विजयसार नाम की एक लकड़ी। यह हमारे भारत में मध्य प्रदेश से लेकर पूरे दक्षिण भारत मे पाया जाता है। इसकी लकड़ी के टुकड़े हर जड़ी बूटी बेचने वाले या पन्सारी की दुकान से आसानी से मिल जाते है। इसकी लकड़ी का रंग हल्का लाल रंग से गहरे लाल रंग का होता है। यह दवा नये मधुमेह रोगियों के लिये प्रभावी है ही, साथ में उन रोगियों जिन्हें मधुमेह रोधी दवा खाने से कोई लाभ नहीं होता, उनके लिये भी अचूक है। इसकी उपयोगिता को देखते हुए कई कम्पनिया और कई क्षेत्रों में इसके ग्लास भी बनाकर बेचते हैं। पर वो बहुत महंगे पड़ते है और कुछ देर बाद उस ग्लास की उपयोगिता समाप्त हो जाती है। मधुमेह, प्रमेह (धातु रोग), अस्थियों की मजबूती के लिए यह जाना जाता है और किसी भी तरह का साइड-एफेक्ट नहीं पाया।

औषधीय गुण

1. मधुमेह को नियन्त्रित करने में सहायता करता है।
2. उच्च रक्त-चाप को नियन्त्रित करने में सहायता करता है।
3. अम्ल-पित्त में भी लाभ देता है।
4. जोडों के दर्द में लाभ देता है। विजयसार घुटनो के दर्द का रामबाण इलाज है।
5. हाथ-पैरों के कम्पन में भी बहुत लाभदायक है।
6. शरीर में बधी हुई चर्बी को कम करके, वजन और मोटापे को भी कम करने में सहायक है।
7. त्वचा के कई रोगों, जैसे खाज-खुजली, बार-2 फोडे-फिंसी होते हों, उनमें भी लाभ देता है।

8. प्रमेह (धातु रोग) में भी अचूक है।
9. इसके नियमित सेवन से जोड़ों की कड़-कड़ बंद होती है ।अस्थियाँ मजबूत होती है।

विजयसार की लकड़ी के टुकड़े बाजार से ले आए, जिसमे घुन ना लगा हो। इसे सूखे कपड़े से साफ कर ले। अगर टुकड़े बड़े है तो उन्हे तोड़ कर छोटे- छोटे- 1/4 -1/2 सेंटीमीटर या और भी छोटे टुकड़े बना ले ।फिर आप एक मिट्टी का बर्तन ले। मिट्टी का बर्तन अगर अच्छी तरह से पक्की हुई मिट्टी का हो तब उसे अच्छी तरह सॉफ करके ही प्रयोग करें। वर्ना आप शीशे या चीनी मिट्टी का बर्तन प्रयोग में ला सकते हैं।

और इस लकड़ी के छोटे छोटे टुकड़े लगभग पच्चीस ग्राम रात को दो कप या एक गिलास पानी में डाल दे । सुबह तक पानी का रंग लाल गहरा हो जाएगा। यह पानी आप खाली पेट छानकर पी ले और दुबारा आप उसी लकड़ी को उतने ही पानी में डाल दे शाम को इस पानी को उबाल कर छान ले। फिर इसे ठंडा होने पर पी ले। इसकी मात्रा रोग के अनुसार घटा या बढ़ा भी सकते है अगर आप अग्रेजी दवा का प्रयोग कर रहे है तो एक दम न बंद करे बस धीरे -धीरे कम करते जाए अगर आप इंस्युलीन के इंजेक्शन प्रयोग करते है वह 1 सप्ताह बाद इंजेक्शन की मात्रा कम कर दे।

हर सप्ताह मे इंस्युलीन की मात्रा 2-3 यूनिट कम कर दे।

विजयसार की लकड़ी में पाये जाने वाले तत्व रक्त में इन्सुलिन के स्राव को बढ़ाने में सहायता करते हैं।

यदि आप एलोपेथिक दवा भी ले रहे हैं, तो रक्त में शर्करा की मात्रा नियमित रूप से चेक करते रहें। यह बात केवल विजयसार पर लागू नहीं होती है ।आप कोई और भी आयुर्वेदिक / एलोपेथिक दवा एक साथ में लेते हैं तो यह ध्यान रखना आवश्यक है।

नोट बढ़ी हुई शुगर या शर्करा की मात्रा हानि पहुंचने में कुछ सप्ताह या मास ले सकती है, जबकि अगर यह एकदम कम हो जाये, तो चंद मिनटों में ही घातक हो सकती है। इसलिए हमारा सुझाव है की मधुमेह के रोगी को जेब मे कुछ टाफिया या मीठे बिस्कुट हमेशा रखने चाहिए। यदि चक्कर आए तो 1-2 टॉफी या बिस्कुट तत्काल खा ले।

अनगिनत देशों में जो संरक्षित हे वह भारत की गौ माता हे भारतीय गाय ने ब्राजील में तोड़े दुनिया के सारे रिकॉर्ड, 40 करोड़ रुपये में बिकी

भारतीय नस्ल की गाय ने एक नीलामी में दुनिया की सबसे महंगी गाय होने का नया रेकॉर्ड बनाकर सभी को हैरान कर दिया है। ब्राजील के मिनास गैरेस में हुई नीलामी में इस गाय को 40 करोड़ रुपये की चौंका देने वाली कीमत में खरीदा गया।

* गुजरात के एक सांड़ ने ब्राजील में दुग्ध उत्पादन की पूरी तस्वीर ही बदल दी है।

* ब्राजील को एक तोहफे में दिए गए सांड़ के कारण अब वहां की गिर गायों को खास दर्जा प्राप्त है।

* ब्राजील के किसान सेल्सो गार्सिया सिद और भावनगर के महाराज कृष्णकुमार सिंहजी के बीच गहरी दोस्ती थी। करीब 60 के दशक में उन्होंने ब्राजील के एक किसान को कृष्णा नाम के एक सांड़ को तोहफे में दिया था।

* ब्राजील के मेनास रिसर्च इंस्टिट्यूट में जेनेटिक तरीक़े से गायों की ब्रीडिंग कराई जाती है।

* विट्रो फर्टिलाइजेशन के जरिए वैज्ञानिक गिर की गायों के भ्रूण को विकसित करते है जिससे पैदा हुई गाय कई लीटर दूध दे सकती हैं।

* गिर की गायों की खासियत है कि ये कम बीमार होती हैं। इनमें से कुछ ऐसी हैं जो 20 सालों तक दूध देती हैं। इनकी मदद से ब्राजील में दूध का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है।

* गुजराती गायों की ब्राजील समेत कई देशों में पूजा की जा रही है। जो ब्राजील की अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी करने के साथ लोगों को सेहतमंद भी बना रही हैं।

नेल्लोर नस्ल की इस गाय का नाम वियाटिना-19 है। इस गाय का वजन 1101 किलोग्राम है, जो अपनी ही नस्ल की दूसरी गायों के औसत वजन से दोगुना है। इस गाय को 4.8 मिलियन डॉलर (लगभग 40 करोड़ रुपये) में खरीदा गया और इस तरह यह अब तक बेची गई दुनिया की सबसे महंगी गाय बन गई है।

■ वियाटिना-19 कोई साधारण गाय नहीं है। अपने असाधारण आनुवंशिकी (जेनेटिक्स) और शरीर की खासियत के चलते इसने एक वैश्विक पहचान हासिल की है।

■ प्रतिष्ठित चैंपियंस ऑफ द वर्ल्ड प्रतियोगिता में इस गाय को मिस साउथ अमेरिका का खिताब भी मिल चुका है। इसकी खासियत के चलते उसकी भारी मांग है। उसके भ्रूण दुनिया भर में मवेशी प्रजनन कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए दुनिया भर में निर्यात किए जाते हैं।

■ नेल्लोर नस्ल की इस गाय को भारत में

ओंगोल नस्ल के नाम से भी जाना जाता है। यह अपनी अनुकूलनशीलता के लिए मशहूर है। भारत के आंध्र प्रदेश के ओंगोल क्षेत्र में पैदा होने वाली ये गायें अत्यधिक गर्मी को झेलने की अपनी असाधारण क्षमता के लिए जानी जाती हैं। इस खासियत के साथ ही उनकी मजबूत प्रतिरक्षा और रोग प्रतिरोधक क्षमता उन्हें अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में विशेष रूप से बेशकीमती बनाती हैं।

■ कम से कम देखभाल के साथ कठिन से कठिन वातावरण में जीवित रहने की इस नस्ल की क्षमता इसे खास बनाती है। इस गाय की शारीरिक बनावट इसे और आकर्षक बनाती है। आकर्षक सफेद फर, कंधों पर उभरा हुआ कूबड़ और ढीली त्वचा के साथ यह न सिर्फ खूबसूरत दिखती है बल्कि गर्मी का मुकाबला करने के लिए भी सुसज्जित होती है। ढीली त्वजा गर्मी को दूर करने में मदद करती है, जबकि कूबड़ वसा को जमा करता है, जिससे यह गाय भोजन की कमी के समय खुद को पोषण देने में सक्षम होती है।

वियाटिना-19 की बिक्री नेल्लोर नस्ल की बढ़ती मांग को दिखाती है। इस नस्ल को पहली बार साल 1800 के दशक में ब्राजील में पेश किया गया था। अपनी प्रभावशाली मांसपेशियों वाली बनावट और उच्च प्रजनन क्षमता के साथ, इस गाय ने ब्राज़ील में पशुधन की उत्पादकता को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अब बच्चों को मिलेगा भरपूर पोषण, जब घर में बनाएंगे उनके लिए टेस्टी न्यूट्रिएंट रिच ड्राई फ्रूट पाउडर

बच्चों को हेल्दी रखने के लिए हेल्दी खाना खिलाना बेहद जरूरी है। हालांकि बच्चे अक्सर पोषण से भरपूर खाना खाने में आनाकानी करते हैं। ऐसे में जरूरी है कि उनके शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी को दूर किया जाए। इसके लिए आप घर ड्राई फ्रूट पाउडर तैयार कर सकते हैं। आइए जानते हैं ड्राई फ्रूट पाउडर बनाने की विधि और फायदे।

नट्स और ड्राई फ्रूट्स में भरपूर मात्रा में माइक्रोन्यूट्रिएंट पाए जाते हैं, जो बच्चे के सरी विकास में मदद करते हैं। जब बच्चे पोषण युक्त खाना खाने में आनाकानी करते हैं, तो इसका सीधा सरल रास्ता यही निकाला जा सकता है कि उनके ड्रिंक को ऐसे हेल्दी और टेस्टी बनाएं, जिससे आसानी से वह बिना किसी नखरे के इसे फटाफट खत्म कर दें और उनके शरीर को पोषण भी मिल जाए। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे बच्चों के लिए हेल्दी और टेस्टी ड्राई फ्रूट पाउडक बनाने की आसान रेसिपी। आइए बनाते हैं पोषण की खान ड्राई फ्रूट पाउडर से बच्चे के दूध के ग्लास को और भी दिलचस्प-

ड्राई फ्रूट पाउडर की विधि-

10 बादाम, 10 पिस्ता, 10 काजू, 100 ग्राम अखरोट और 75 ग्राम मखाना, आधा टेबलस्पून इलायची पाउडर, आधा टेबलस्पून जायफल पाउडर और केसर लें।

पिस्ता, बादाम, काजू और अखरोट को घी में रोस्ट करें।

पैन से निकाल कर ठंडा होने के लिए छोड़ दें।

उसी पैन में केसर डाल कर हल्का गर्म करें।

सभी सामग्री को एकसाथ मिक्सर में डाल कर ब्लेंड करें और बारीक पाउडर बनाएं।

इस पाउडर को एयरटाइट कंटेनर में लगभग 1 महीने तक स्टोर कर सकते हैं।

इस ड्राई फ्रूट पाउडर को केक या खीर आदि में भी मिलाया जा सकता है। इस रोजाना दूध में मिला कर पिलाने से बच्चे का सही विकास

होगा।

ड्राई फ्रूट पाउडर के फायदे

एनर्जी से भरपूर

विटामिन, मिनरल, मैग्नीशियम, जिंक, आयरन, कैल्शियम, विटामिन ई से भरपूर होने के कारण ड्राई फ्रूट पाउडर इंस्टेंट एनर्जी देता है और बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाता है।

कब्ज से राहत

फाइबर से भरपूर होने के कारण ये ड्राई फ्रूट पाउडर कब्ज से भी राहत दिलाता है। जिन बच्चे का सही तरीके से पेट साफ नहीं हो पाता है उनके लिए ये पाउडर एक फायदेमंद विकल्प है।

पाचन तंत्र में सुधार

ड्राई फ्रूट पाउडर गट हेल्थ और पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करता है।

प्रोटीन का बेहतरीन स्त्रोत

बच्चों के अंदरुनी विकास के लिए प्रोटीन बेहद जरूरी है। ये ड्राई फ्रूट पाउडर को दूध में डाल कर बच्चे को देने से ये उनके विकसित हो रहे पाचन तंत्र के लिए एक प्रोटीन रिच शेक का काम करता है।

वेट गेन में सहायक

ड्राई फ्रूट्स में पानी की कम मात्रा पाई जाती है। ये हाई कैलोरी फूड है जिससे बच्चे के शरीर के लिए जरूरी सभी एसेंशियल और गुड फैट मिलते हैं।

ब्रेन डेवलेपमेंट में सहायक

ओमेगा थ्री फैटी एसिड से भरपूर ये ड्राई फ्रूट पाउडर बच्चे के ब्रेन हेल्थ और उसके डेवलेपमेंट के लिए बेहद जरूरी है।

दिल्ली की नई सरकार कहां लेगी शपथ? इन तीन जगहों की हो रही चर्चा

परिवहन विशेष न्यूज़

दिल्ली में लगभग 27 साल बाद भाजपा की सरकार बनने जा रही है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि दिल्ली की नई सरकार कहां पर शपथ लेगी? नई सरकार के गठन की तैयारी भी पूरी कर ली गई है। चर्चा है तीन संभावित जगहों की हो रही है। इन तीनों जगहों की खासियत और क्षमता के बारे में जानें।

नई दिल्ली। दिल्ली में लगभग 27 सालों बाद भाजपा को सत्ता मिली है। विधानसभा की 70 सीटों में से 48 सीटों पर जीत दर्ज की। जबकि आम आदमी पार्टी को सिर्फ 22 सीटें ही मिली हैं। वहीं पर कांग्रेस का लगातार तीसरी बार खाता नहीं खुला।

इस नई सरकार में मुख्यमंत्री कौन होगा? मंत्रिमंडल में कौन-कौन से चेहरे शामिल होंगे यह तो एक बड़ा सवाल है ही। इसके अलावा सबसे बड़ा सवाल यह है कि भाजपा की नई सरकार शपथग्रहण का कार्यक्रम कहां पर रखेगी?

कहा जा रहा है कि दिल्ली की नई सरकार का शपथग्रहण समारोह 17 या 18 फरवरी को हो सकता है। जबकि 16 फरवरी को विधायक दल की बैठक हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी के आने के बाद मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगेगी। नई सरकार का रूपरेखा तैयार कर लिया गया है।

इसको लेकर जो सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है। उसके मुताबिक दिल्ली में तीन स्थान हो सकते हैं जहां पर भाजपा की नई नवेली सरकार अपना ओथ सेरेमनी रखेगी।

जिनमें पहला नाम रामलीला ग्राउंड हो सकता है। दूसरी जगह की बात करें तो जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम को प्राथमिकता दी जा सकती है। वहीं तीसरे स्थान की बात करें तो भारत मंडपम हो सकता है।

रामलीला मैदान

रामलीला मैदान नई दिल्ली का एक विशाल मैदान है, जिसमें परम्परागत रूप से रामलीला का आयोजन होता आया है। यह मैदान धार्मिक त्योहारों, प्रमुख राजनैतिक रैलियों/बैठकों, तथा मनोरंजन के कार्यक्रमों के लिये भी उपयोग में लाया जाता है।

यह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और दिल्ली गेट के पास स्थित है। यहां पर भारी संख्या में लोग आते हैं। इसकी क्षमता 1 लाख तक है।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम

भाजपा के शपथग्रहण के दूसरे स्थान की बात करें तो दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम हो सकता है। बता दें इस स्टेडियम में खेल की प्रतिस्पर्धा के दौरान एक साथ 60,000 दर्शक बैठ सकते हैं।

संगीत कार्यक्रम के दौरान इसकी क्षमता 1,00,000 हो जाती है। यह स्टेडियम भारत का तीसरा और दुनिया का 51वां सबसे बड़ा स्टेडियम है। यह स्टेडियम मुख्य रूप से फुटबॉल और एथलेटिक्स के लिए बना है।

भारत मंडपम

दिल्ली की नई सरकार भारत मंडपम को भी अपने शपथग्रहण के लिए चुन सकती है। यह स्थान अब राजधानी दिल्ली के प्रमुख पर्यटन स्थानों में शामिल हो गया है। इसके सामने स्थापित विशालकाय नटराज की मूर्ति की खूब चर्चा हो रही है। इसका उद्घाटन साल 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर सिंधी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर सिंधी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका यह जानकारी सिंधु समाज दिल्ली (पंजीकृत) के महासचिव नरेश कुमार बेलानी ने सिंधु भवन, राजेंद्र नगर में आयोजित प्रेसवार्ता में पत्रकारों से कही उन्होंने आगे कहा सिंधु समाज दिल्ली (पंजीकृत), सिंधी कौंसिल ऑफ़ इंडिया सहित सिंधी समाज की अन्य प्रमुख संस्थाओं ने मिलकर सिंधी समाज से अपील किया था इस बार सिंधु समाज दिल्ली (पंजीकृत), सिंधी कौंसिल ऑफ़ इंडिया सिंधी समाज राजनितिक पार्टियों को अपनी एकजुटता दिखाने के लिए अपनी राजनीतिक मतभेद को छोड़कर जो भी बड़ी राजनितिक पार्टी सिंधी समाज को राजनितिक महत्व देगा सिंधी समाज उसी को अपना वोट देगा। दिल्ली विधानसभा 2025 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर कोई कोई भी राजनितिक पार्टी सिंधी समाज के किसी भी प्रमुख नेता से सम्पर्क नहीं किया। जब भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता सिंधु समाज दिल्ली (पंजीकृत), सिंधी कौंसिल ऑफ़ इंडिया के प्रमुख नेताओं से सम्पर्क कर सिंधी समाज की समस्याओं और राजनीति में भागीदारी का आश्वाशन दिया इसी परिणाम स्वरूप सिंधी समाज ने एकजुटता का परिचय देते हुए दिल्ली विधानसभा 2025 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को वोट देकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसलिए अब सिंधी समाज भारतीय जनता पार्टी से आने वाले समय में सिंधी समाज की समस्याओं और राजनीति में भागीदारी का आश्वाशन जो दिया था उसको अब जल्द से जल्द पूरा करे। और साथ ही 30 मार्च को चेटीचंड के अवतार दिवस के रूप में मनाने के लिए अपील किया और कहा इस दिन दिल्ली में सरकारी छुट्टी घोषित करे। इस अवसर पर सिंधु समाज दिल्ली (पंजीकृत) के अध्यक्ष जगदीश नागरानी ने सिंधी समाज को अपनी एकजुटता का परिचय देते हुए भारतीय जनता पार्टी को वोट देने पर सिंधी समाज को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सिंधु समाज दिल्ली (पंजीकृत) के पूर्व अध्यक्ष मनोहर करना और सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया (उत्तर भारत) के अध्यक्ष अशोक लालवानी उपस्थित थे।

भाजपा ने वक्फ बोर्ड पर बनी जेपीसी की रिपोर्ट को कूड़ेदान में डालकर बनाया इसका मजाक : संजय सिंह

मुख्य संवाददाता/ सुषमा रानी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने वक्फ संशोधन विधेयक में विपक्ष की आपत्तियों को शामिल नहीं करने पर भाजपा की कड़ी आलोचना करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया है। ₹आप₹ के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा में पेश हुए वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने वक्फ बोर्ड पर बनी जेपीसी की रिपोर्ट को कूड़ेदान में डालकर इसका मजाक बनाया है। मैं जेपीसी का सदस्य था। लोकतंत्र में सभी पार्टियों को अपनी राय देने का हक है। हमने रिपोर्ट में अपना विरोध जताया था, लेकिन उसे शामिल नहीं किया गया। आज ये वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा कर रहे हैं। कल को गुरुद्वारे, मंदिरों और चर्चों की जमीनें कब्जा करने के लिए बिल लाएंगे और जमीनें अपने दोस्तों को दे देंगे।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि मैं वक्फ बोर्ड को लेकर बनी जेपीसी का सदस्य था। बड़े अफसोस बात है कि विपक्ष के सदस्यों ने जो अपना डिसेंट नोट दिया, उन्होंने जो अपना विरोध दर्ज कराया, उनका विरोध भी शामिल नहीं किया गया। इन्होंने जेपीसी रिपोर्ट को मजाक बना रखा है। लोकतंत्र के अंदर अलग-अलग पार्टियों को अपनी राय देने का हक है। ये हमारी राय से सहमत और असहमत हो सकते हैं लेकिन उसे कूड़ेदान में कैसे डाल सकते हैं? याद रखना, इतिहास हमें माफ नहीं करेगा। ये आज शुरुआत है। ये आगे गुरुद्वारे, मंदिरों और चर्चों की जमीनें कब्जा करने का बिल लाएंगे और सारी जमीन कब्जा करके अपने दोस्त अडानी और चंद पूंजीपतियों को दे देंगे।

इससे पहले, संजय सिंह ने राज्यसभा में कहा कि मैं इस पूरी रिपोर्ट में जेपीसी का सदस्य हूं। हमने अपना पक्ष रखा। ये हमारे पक्ष सहमत हो सकते हैं या असहमत हो सकते हैं लेकिन उसे कूड़ेदान में कैसे डाल सकते हैं? विविधता में एकता भारत की विशेषता है। अलग-अलग धर्म के लोगों को अपनी धार्मिक मान्यताओं के हिसाब से पूजा- अर्चना और उपासना करने की छूट है। आज ये वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा कर रहे हैं। कल गुरुद्वारे की जमीन पर कब्जा करेंगे। फिर मंदिर की जमीन पर कब्जा करेंगे और फिर चर्च की जमीन पर कब्जा करेंगे।

क्या बीजेपी की सरकार बनते ही दिल्ली मेट्रो का बढ़ गया किराया? DMRC ने बताई सच्चाई

सुषमा रानी

सोशल मीडिया पर दिल्ली मेट्रो के किराए में 50% की बढ़ोतरी की अफवाहें फैल रही हैं। DMRC ने इन अफवाहों का खंडन किया है। DMRC ने कहा है कि मेट्रो के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। किराए में बदलाव का फैसला किराया निर्धारण समिति करती है जिसका गठन सरकार करती है। अभी तक सरकार की ओर से ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर कुछ लोग मेट्रो का किराया बढ़ने की अफवाह फैला रहे हैं। इस तरह के लोग सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कह रहे हैं कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी को जीत मिलने के बाद मेट्रो के किराये में 50 प्रतिशत वृद्धि कर दी गई है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने इसका खंडन किया है।

डीएमआरसी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा- कुछ लोग सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मेट्रा का किराया बढ़ने का झूठ फैला रहे हैं। मेट्रो के किराये में संशोधन किराया निर्धारण समिति करती है। इस समिति का गठन सरकार करती है। सरकार का इस तरह का कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

बेंगलुरु मेट्रो ने किराए में बढ़ोतरी का किया एलान

बता दें, बेंगलुरु मेट्रो ने किराए में बढ़ोतरी का एलान किया है। बेंगलुरू की नम्मा मेट्रो करीब आठ साल में पहली बार किराया बढ़ाने जा रही है, जिसके तहत टिकट की कीमतों में 40-45 प्रतिशत की बढ़ोतरी की संभावना है। बताया जा रहा है कि बेस किराया 15 रुपये और अधिकतम किराया 85 रुपये हो जाएगा, जो कि मौजूदा 60 रुपये है। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला सरकार द्वारा नियुक्त किराया निर्धारण समिति की सिफारिशों के बाद लिया गया है।

सोशल मीडिया पर असमंजस की थी स्थिति

बेंगलुरु मेट्रो में किराए वृद्धि के फैसले को सोशल मीडिया पर कुछ लोग दिल्ली मेट्रो से जोड़कर पोस्ट कर रहे हैं। इससे यूजर्स के बीच असमंजस की स्थिति बन गई है। कई यूजर्स इस चीज को लेकर डीएमआरसी को टैग कर किराए बढ़ोतरी के बारे में पूछ रहे हैं। ऐसे में डीएमआरसी ने अब एक्स पर पोस्ट कर इसे स्पष्ट कर दिया है।

दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ा, कई इलाकों में हवा हुई जहरीली; इस मामलों में आई राहत की खबर

दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ा है। सीएसई के अध्ययन के अनुसार राजधानी के 37 में से 29 निगरानी केंद्रों पर 2023 के मुकाबले 2024 में अक्टूबर से दिसंबर के बीच प्रदूषण बढ़ा है। सिर्फ आठ निगरानी केंद्रों पर प्रदूषण के स्तर में पहले की तुलना में गिरावट दर्ज की गई है। इस बार सर्दियों में अधिकांश इलाकों में प्रदूषण का स्तर पहले की तुलना में बढ़ा रहा है।

परिवहन विशेष न्यूज़

नई दिल्ली। प्रदूषण की रोकथाम को लेकर आप सरकार के तमाम दावों के बावजूद इस बार सर्दियों में राजधानी के अधिकांश इलाकों में प्रदूषण का स्तर पहले की तुलना में बढ़ा रहा। साइंस एंड एन्वायरमेंट (सीएसई) के अध्ययन के मुताबिक राजधानी के 37 में से 29 निगरानी केंद्रों पर 2023 के बनिस्पत 2024 में अक्टूबर से दिसंबर के बीच प्रदूषण बढ़ा रहा। सिर्फ आठ निगरानी केंद्रों पर प्रदूषण के स्तर में पहले की तुलना में गिरावट दर्ज की गई है।

राजधानी में हर साल ही सर्दियों के दिनों में प्रदूषण का स्तर सामान्य से ज्यादा रहता है। इसलिए खासतौर पर अक्टूबर लेकर से फरवरी तक प्रदूषण की रोकथाम के लिए तमाम कदम उठाए जाते हैं। इसमें पंजाब और हरियाणा के खेतों में पराली जलाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के साथ साथ दिल्ली में कूड़ा-कचरा जलाने और वाहनों से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम तक शामिल है। हालांकि, इन तमाम उपायों का बहुत ज्यादा असर देखने नहीं मिल रहा है।

पराली जलाने की घटनाओं में आई कमी

सीएसई की रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर से दिसंबर 2024 में पराली जलाने के मामलों में पिछले साल की तुलना में 71 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। लेकिन दिल्ली के विभिन्न इलाकों में प्रदूषण के स्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले तीन सालों में प्रदूषक कण पीएम 2.5 के स्तर के औसत के आधार पर तैयार रिपोर्ट के मुताबिक इस जाड़े में सीआरआरआई मथुरा रोड निगरानी केंद्र में पहले की तुलना में प्रदूषण के स्तर में 22 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। आयानगर में यह वृद्धि 17 प्रतिशत और अशोक विहार व विवेक विहार में 15-15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

आठ निगरानी केंद्रों में हुआ सुधार

रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के 37 में से आठ निगरानी केंद्रों में प्रदूषण के स्तर में सुधार भी दर्ज किया गया है। सबसे ज्यादा सुधार डीटीयू स्थित निगरानी केंद्र में दर्ज किया गया है। यहां पर प्रदूषण के स्तर में 26 प्रतिशत का सुधार हुआ है। एनएसआइटी द्वारका में 22 प्रतिशत का सुधार हुआ है। जबकि, नार्थ कैंपस, ओखला फेस-2 और जहांगीर पुरी जैसे निगरानी केंद्रों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है।

प्रभावी उपायों पर दिया जाना चाहिए जोर

दिल्ली में प्रदूषण की रोकथाम के लिए तात्कालिक उपायों के साथ ही दीर्घकालिक प्रभावी उपायों को लागू किए जाने की जरूरत पर विशेषज्ञ जोर देते हैं। सीएसई में कार्यकारी निदेशक (शोध व परामर्श) अनुमिता रायचौधरी कहती हैं, ऐसा लगता है कि वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए पहले उठाए गए कदमों से मिले फायदे भी दिल्ली खोती जा रही है। वाहनों और उद्यमों से होने वाले प्रदूषण, कूड़ा-कचरा जलाने, ठोस ईंधन का उपयोग करने, निर्माण स्थलों से उठने वाली धूल आदि को लेकर स्थानीय के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में ही प्रभावी उपाय किए जाने चाहिए।

कहां कितना बढ़ा या कम हुआ प्रदूषण

1. सीआरआरआई मथुरा रोड - 22 प्रतिशत बढ़ा
2. आयानगर - 17 प्रतिशत बढ़ा
3. अशोक विहार - 15 प्रतिशत बढ़ा
4. विवेक विहार - 15 प्रतिशत बढ़ा
5. पूसा (आइएमडी) - 14 प्रतिशत बढ़ा
6. मंदिर मार्ग - 13 प्रतिशत बढ़ा
7. नजफगढ़ - 13 प्रतिशत बढ़ा
8. वजीरपुर - 12 प्रतिशत बढ़ा
9. अलीपुर - 11 प्रतिशत बढ़ा
10. सीरीफोर्ट - 11 प्रतिशत बढ़ा
11. शादीपुर - 11 प्रतिशत बढ़ा
12. आरके पुरम - 11 प्रतिशत बढ़ा
13. आइजीआइ एयरपोर्ट - 11 प्रतिशत बढ़ा
14. बुराड़ी क्रासिंग - 11 प्रतिशत बढ़ा
15. आनंद विहार - 10 प्रतिशत बढ़ा
16. बवाना - 10 प्रतिशत बढ़ा
17. रोहिणी - 07 प्रतिशत बढ़ा
18. सोनिया विहार - 07 प्रतिशत बढ़ा
19. शूटिंग रेंज - 06 प्रतिशत बढ़ा
20. द्वारका सेक्टर-8 - 05 प्रतिशत बढ़ा
21. नेशनल स्टेडियम - 04 प्रतिशत बढ़ा
22. पंजाबी बाग - 04 प्रतिशत बढ़ा
23. पटपड़गंज - 02 प्रतिशत बढ़ा
24. मुंडका - 02 प्रतिशत बढ़ा
25. नेहरू नगर - 02 प्रतिशत बढ़ा
26. लोधी रोड - 02 प्रतिशत बढ़ा
27. नार्थ कैंपस - कोई बदलाव नहीं
28. ओखला फेस-2 - कोई बदलाव नहीं
29. जहांगीरपुरी - कोई बदलाव नहीं
30. नरेला - 02 प्रतिशत की कमी
31. आइटीओ - 03 प्रतिशत की कमी
32. पूसा (डीपीसीसी) - 05 प्रतिशत की कमी
33. इहबास - 09 प्रतिशत की कमी
34. जेएलएन स्टेडियम - 09 प्रतिशत की कमी
35. अरबिंदो मार्ग - 12 प्रतिशत की कमी
36. एनएसआइटी द्वारका - 22 प्रतिशत की कमी

केजरीवाल से मुलाकात कर आदित्य ठाकरे ने कहा - "दिल्ली चुनाव में भाजपा को था चुनाव आयोग का आशीर्वाद"

सुषमा रानी

नई दिल्ली, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे और शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता आदित्य ठाकरे ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव में भाजपा को चुनाव आयोग का आशीर्वाद था। भाजपा को चुनाव आयोग का आभारी होना चाहिए। पिछले 10 सालों में अरविंद केजरीवाल ने बहुत शानदार काम किए हैं और यह बात दिल्ली की जनता बखूबी जानती है। चुनाव आयोग ने दिल्ली में कई जगहों पर बहुत सारे वोट काटकर लोगों से उनके वोट का अधिकार छीना है। आज देश में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं हो रहे हैं। इसलिए इंडिया गठबंधन के लिए अपने अगले कदम के बारे में सोचना जरूरी हो गया है। इस अवसर पर ₹आप₹ सांसद संजय सिंह, शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत, प्रियंका चतुर्वेदी, अरविंद सावंत और संजय दीना पाटिल भी मौजूद रहे।

शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि आज हमारी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात हुई। शिवसेना उद्धव बाला साहेब पार्टी के दिल में यह बात साफ है कि सरकार आती-जाती रहती है, लेकिन हमारा रिश्ता ऐसे ही चलता रहेगा। हम यही कहने आए थे। अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी ने पिछले 10 साल में दिल्ली के लिए जो काम किया है, उसे दिल्ली सारी जनता जानती है। इस चुनाव में चुनाव आयोग का बहुत बड़ा हाथ था। भाजपा के ऊपर चुनाव आयोग का आशीर्वाद था। भाजपा को चुनाव आयोग का आभार मानना चाहिए।

आदित्य ठाकरे ने बताया कि बुधवार को मेरी कांग्रेस नेता राहुल गांधी से बात हुई और आज अरविंद केजरीवाल से बात हुई कि इंडिया गठबंधन और सभी पार्टियों को मिलकर अब अपने अगले कदम के बारे में सोचना चाहिए क्योंकि हमारा चुनाव अब स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं रह गए हैं। हम देश हित में लड़ते रहेंगे। हम जनता की आवाज उठाते रहेंगे। देश के भले के लिए अगर सड़क पर उतर कर भी लड़ना पड़े तो लड़ते रहेंगे।

आदित्य ठाकरे ने कहा कि दिल्ली चुनाव पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस अपनी-अपनी समीक्षा करेंगी लेकिन इंडिया गठबंधन में हमारी दोस्ती बनी रहेगी। साथ ही कई जगहों पर जिस तरह से वोट काटे गए थे, उस पर विचार करना भी जरूरी है क्योंकि चुनाव आयोग ने उन लोगों से उनके वोट का अधिकार छीना है। इस पर विचार-विमर्श होना भी जरूरी है।

आदित्य ठाकरे ने कहा कि हम कई सवाल उठा रहे हैं। महाराष्ट्र चुनाव में अचानक 47 लाख वोटर्स कैसे बढ़े? आखिरी समय के बाद 76 लाख वोट किसने डाले हैं? क्या इसकी कोई वीडियो फुटेज या टोकन है? चुनाव आयोग इस पर बात करने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं है। हरियाणा, मध्य प्रदेश, ओडिशा, दिल्ली और महाराष्ट्र समेत सभी चुनाव में यही पैटर्न दिख रहा है। हमारे देश में अब स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं होते, यह इसका सबूत है।

आदित्य ठाकरे ने कहा कि यह देशहित की बात है। इसलिए हम सब साथ मिलकर लड़ेंगे। कोई भी चुनाव हार या जीत सकता है, लेकिन स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होना जरूरी है। हम लड़ते रहेंगे और अपनी रणनीति सुधारते रहेंगे। ऐसा लग रहा है कि जैसे हम चुनाव आयोग के साथ कोई शतरंज का खेल खेल रहे हों। अगर वह कोई तरीका अपना रहे हैं तो हमें उसका जवाब देना पड़ेगा। यह चलता रहेगा।

इस दौरान ₹आप₹ के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आदित्य ठाकरे, संजय राउत, प्रियंका चतुर्वेदी, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष अरविंद सावंत और उद्धव बाला साहेब ठाकरे शिवसेना गुट के सभी सांसद, प्रदेश अध्यक्ष मंगत राम मोंडे का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि चुनाव परिणाम की चिंता किए बिना हमारे रिश्ते की बुनियाद मजबूत रहेगी। इस रिश्ते की मजबूती के साथ हम लोग आगे बढ़ेंगे। देश के लिए काम करेंगे। जनता ने जो फैसला दिया है और चुनाव में जो गड़बड़ियां हुईं, उसके आधार पर आगे की रणनीति बना रहे हैं।

दिल्ली-मेरठ हाइवे पर ताबड़तोड़ एक्शन, वाहनों पर 7.5 करोड़ का जुर्माना; सामने आई कार्रवाई की वजह

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार से वाहन चलाने पर एनएचएआई ने बड़ी कार्रवाई की है। 33447 वाहनों को स्पीड लिमिट क्रॉस करते हुए पकड़ा गया है और उन पर 7.5 करोड़ रुपये से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा विपरीत दिशा में वाहन चलाने और यातायात नियमों का पालन न करने पर भी चालान किए गए हैं। आगे विस्तार से जानिए पढ़िए पूरी खबर।

डीएमई की एक साल की रिपोर्ट

श्रेणी राशि	वाहनों के चालान	राशि	लंबित चालान
स्पीड लिमिट क्रास 148000	37445	75048000	74
आदेशों की अवहेलना 232000	3391	6792000	116
अवैध पार्किंग 1500	454	238000	3

गाजियाबाद। गड्डी जांदी ऐ छलांगा मार दी। जी हां यह गीत की पंक्तियां केवल मनोरजंन को दर्शाती है, लेकिन इन दिनों राष्ट्रीय राजमार्गों पर लोग तेज रफ्तार के साथ वाहन चला रहे हैं। गाजियाबाद में एनएचएआई के कंट्रोल रूम से जारी की गई डीएमई की रिपोर्ट में पता चला है कि 33447 वाहनों को स्पीड लिमिट क्रास करते हुए सीसीटीवी में कैद किया गया है।

इन वाहन चालकों पर एनएचएआई द्वारा चालान करते हुए कुल साढ़े सात करोड़ रुपये जुर्माना लगाया है। अधिकांश जुर्माने की रकम वसूल ली गई है। तेज गति से वाहन चलाने में डीएमई और ईपीई पर एक साल में 12 से अधिक बड़े हादसों में 20 से अधिक लोगों की मौत हुई है।

इसके अलावा विपरीत दिशा में वाहन चलाने और यातायात नियमों का पालन न करने पर 3391 और अवैध पार्किंग करने पर 454 वाहनों का चालान किया गया है।

8.20 करोड़ का लगाया गया जुर्माना

कुल 41290 वाहनों का चालान करते हुए 8.20 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। इनमें से 193 चालान के सापेक्ष 3.81 लाख की जुर्माना राशि लंबित है। शेष संबंधित वाहन चालकों से वसूल ली गई है। यह रिपोर्ट दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर चलने वाले वाहनों की है। वाहनों की निगरानी को डासना के पास कंट्रोल रूम बनाया गया है।

एनएचएआई के परियोजना निदेशक अरविंद कुमार का कहना है कि गति सीमा कम करके सुरक्षित सफर बनाया जा सकता है। इसके लिए वाहन चालक को सजग और सतर्क रहना जरूरी है।

तीन बड़े हादसों का विवरण

11 जुलाई 2023 को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर विपरीत दिशा में जा रही स्कूल बस ने कार में टक्कर मार दी थी। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी। बस कई किमी तक विपरीत दिशा में तेज गति से दौड़ी थी।

15 जून 2024 को ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर कैंटर में ट्रक ने टक्कर मार दी। कैंटर में हरियाणा से हरदोई जा रहे ईट भट्ठों के कामगार सवार थे। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई थी जबकि 15 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। कैंटर के साथ ट्रक की गति अधिक थी।

31 मार्च 2024 को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर एबीईएस कालेज के सामने एक डंपर से स्कूली बच्चों से भरी अर्टिगा कार की टक्कर हो गई थी। इस हादसे में ड्राइवर और दो बच्चों की मौत हो गई थी। वहीं, नौ बच्चे घायल हो गए थे। दोनों वाहनों की गति अधिक थी।

डीएमई की एक साल की रिपोर्ट

डीएमई व ईपीई पर प्रतिदिन दो लाख से अधिक वाहनों का आवागमन रहता है कंट्रोल रूम से सीसीटीवी के माध्यम से एक-एक वाहन की निगरानी होती है

निर्धारित स्पीड से वाहन चलाने और स्पीड कम करने को लेकर डिजीटल डिस्पले बोर्ड लगाये गये हैं

वर्तमान में, हल्के वाहन ईपीई पर 120 और भारी वाहन 80 किमी प्रति घंटे तथा डीएमई पर क्रमशः 100 और 75 किमी प्रति घंटे की गति से यात्रा कर सकते हैं।

यमुना एक्सप्रेसवे पर एक माह में चार हजार वाहनों ने तोड़ी अधिकतम गति की सीमा

यमुना एक्सप्रेसवे पर 15 फरवरी से वाहनों के लिए गति सीमा 100 किमी प्रतिघंटा होगी। मौसम में बदलाव व कोहरे का प्रभाव लगभग समाप्त है। ऐसे में वाहनों की गति सीमा को पहले की तरह 100 किमी प्रतिघंटा कर दी जाएगी। वहीं, गति सीमा में कमी का वाहन चालकों पर कोई खास असर नहीं हुआ।

गति सीमा को तोड़ एक्सप्रेसवे पर भरा फर्राटा

चालकों ने गति सीमा को तोड़ एक्सप्रेसवे पर फर्राटा भरा। पिछले एक माह में एक्सप्रेसवे पर अधिकतम गति सीमा का उल्लंघन करने पर चार हजार से अधिक वाहनों का चालान हुआ व 86 लाख से अधिक का जुर्माना लगा। यमुना प्राधिकरण ने यमुना एक्सप्रेसवे पर सर्दियों में कोहरे से होने वाले हादसे रोकने को गति सीमा में बदलाव किया था।

एक्सप्रेसवे पर 15 दिसंबर से दो माह के लिए वाहनों की अधिकतम गति सीमा 100 किमी प्रतिघंटा से घटाकर 75 किमी प्रतिघंटा कर दी गई थी। 15 फरवरी से एक्सप्रेसवे पर एक बार फिर अधिकतम गति सीमा 100 किमी प्रतिघंटा होगी। इससे अधिक रफ्तार पर वाहन चलाने वालों का चालान होगा।

86.64 लाख रुपये जुर्माना किया

वहीं, वाहन चालकों ने अधिकतम गति सीमा की जमकर धज्जियां उड़ाईं। 15 जनवरी से 10 फरवरी के बीच करीब चार हजार वाहन चालकों ने एक्सप्रेसवे पर अधिकतम गति सीमा 75 किमी प्रतिघंटा से अधिक रफ्तार से वाहन दौड़ाए। यातायात पुलिस ने उनके खिलाफ चालान की कार्रवाई की। साथ ही 86.64 लाख रुपये जुर्माना किया।

यमुना एक्सप्रेसवे के प्रबंधक जेके शर्मा का कहना है कि 15 दिसंबर से 15 फरवरी के लिए एक्सप्रेसवे पर अधिकतम गति सीमा में परिवर्तन किया गया था। मौसम साफ होने से दृश्यता की अब कोई समस्या नहीं है। इसलिए 15 फरवरी से वाहनों की अधिकतम गति सीमा पूर्व की भांति हल्के वाहन के लिए 100 किमी प्रतिघंटा व भारी वाहनों के लिए 80 किमी प्रतिघंटा लागू होगी।

नोएडा एक्सप्रेसवे पर नया नियम लागू, अब गाड़ी खराब हुई तो जेब होगी ढीली; 7 दिन में वाहनों पर हुआ ताबड़तोड़ एक्शन

नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर अब पुलिस ने नया नियम लागू किया है। इस नए नियम से एक्सप्रेसवे पर लगने वाले जाम को रोकने में मदद मिलेगी। अब अगर एक्सप्रेस पर आपकी गाड़ी खराब होगी तो पुलिस चालान की कार्रवाई करेगी। पिछले सात दिनों में तीन दर्जन से ज्यादा वाहनों पर कार्रवाई की गई है। वहीं लापरवाही बरतने पर कई वाहनों को सीज भी किया गया है।

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे (Noida-Greater Noida Expressway) पर वाहन खराब होने पर लापरवाही सामने आती है तो यातायात पुलिस की ओर से कार्रवाई होना तय है। पुलिस जुर्माना लगाने और वाहन सीज करने जैसी कार्रवाई करेगी।

बीते सात दिनों में एक्सप्रेसवे पर 39 वाहन सीज किए जा चुके हैं। उधर, शुरुआत में यह पहल एक्सप्रेसवे पर हो रही है और बाद में यातायात पुलिस जिले में अधिक दबाव वाले प्रमुख यातायात मार्गों पर भी लागू करेगी।

चंद मिनटों में लग जाता है किलोमीटर लंबा जाम

गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट यातायात पुलिस एक्सप्रेसवे पर लगने वाले जाम को रोकने की दिशा में काम कर रही है ताकि लोगों को सुगम यातायात की सुविधा मिल सके। एक्सप्रेसवे हर दिन वाहन खराब होने से यातायात प्रभावित होता है और चंद मिनटों में ही किलोमीटर लंबा जाम लग जाता है।

ट्रैफिक पुलिस ने बनया ये प्लान?

लोगों को समय और ईधन के रूप में खामियाजा भुगतना पड़ता है। इससे निपटने के लिए यातायात पुलिस ने योजना बनाई कि अनफिट, ओवरलोड वाहन एक्सप्रेसवे पर खराब होता है। वाहन के खराब होने में चालक और सहचालक की लापरवाही मिलती है तो ऐसे वाहनों पर जुर्माना लगाया जाएगा और वाहनों को सीज भी किया जाएगा।

पिछले आठ दिनों में इस तरह की लापरवाही बरतते हुए चलने वाले वाहनों को यातायात पुलिस की ओर से सीज भी किया गया है। अन्य खामियां मिलने पर चालान भी किए गए हैं। यातायात पुलिस की माने तो हर दिन पांच से छह वाहन सीज और 200-300 वाहनों के चालान एक्सप्रेसवे पर होते हैं। इनमें कमर्शियल वाहन ज्यादा हैं।

केस नंबर एक

यातायात पुलिस के मुताबिक सोमवार को महमाया फ्लाईओवर के पास ओवरलोड कमर्शियल वाहन का अगला पहिया टूटकर अलग हो गया था। इससे वाहन को हटाने के लिए हाइड्रा को मंगाया गया था। काफी मशक्कत के बाद खराब वाहन को हटाया जा सका था। इस बीच यातायात भी प्रभावित हुआ था। पुलिस ने वाहन को सीज किया था।

केस नंबर दो

मंगलवार को फिल्म सिटी के पास डबल डेकर बस हीट होने से उसके पहिए जाम हो गए थे। इसके चलते बस एक्सप्रेसवे पर ही खड़ी हो गई। बस के चलते यातायात धीमी गति से गुजरा। बस को बड़ी क्रेन की मदद से हटवाया गया। बस चालक की लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की गई।

इन कारणों पर होगी कार्रवाई

ड्राइवर व सहचालक की लापरवाही

रखरखाव में खामी, फिटनेस नहीं होना

वाहन के आवेरलोडिंग होने पर

जानबूझकर वाहन को छोड़ जाने

वाहन बंद होने पर बिना सूचना दिए भाग जाने

सही कारण पर नहीं होगी कार्रवाई

गौतमबुद्ध नगर पुलिस उपायुक्त यातायात लखन सिंह यादव ने बताया कि यातायात पुलिस की ओर से जिले को सुगम यातायात सुविधा देने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अगर किसी चालक व सहचालक की लापरवाही, रखरखाव व ओवरलोड होने से वाहन एक्सप्रेसवे पर खराब होता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। उधर, वाहन खराब होने में चालक की लापरवाही नहीं मिलती है तो उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

पिछले आठ दिनों में एक्सप्रेसवे पर कार्रवाई

दिनांक	सीज वाहन	चालान
5 फरवरी	04	283
6 फरवरी	03	2587
7 फरवरी	05	227
8 फरवरी	04	250
9 फरवरी	06	270
10 फरवरी	04	236
11 फरवरी	07	210
12 फरवरी	06	260

नोट: चालान की कार्रवाई में ओवरलोड, ओवरस्पीड, अनफिट समेत सभी लापरवाही शामिल हैं।

बच्चे भारत का भविष्य - आजीवन स्वस्थय उत्पादकता और कल्याण की नींव बचपन में ही रखी जा सकती

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर हम मनीषी जीव के अनेक रूप देखते हैं, कोई सड़क पर भीख मांग रहा है तो कोई विश्व का सबसे अमीर है ! कोई स्वास्थ्यता से डैमेज होकर दिव्यांग है तो कोई विश्व कासबसे स्वस्थ व्यक्ति !कोई बच्चा फुटपाथ पर जीवन जी रहा है तो कोई महलों में है। हालांकि इस स्थिति को किस्मत का खेल भी हम मानते हैं परंतु इस बात से हम इनकार नहीं कर सकते कि अगर एक माली या किसान जमीन में कोई बीज बोकर उसका सतर्कता से ध्यान रखना है, अंकुरित होकर पौधा होने तक उसका पूरा ध्यान रखना है तो अधिकतम संभावना उसके फलदार वृक्ष बनकर आजीवन स्वस्थ उत्पादकता बनी रहती है, जिसकी नीव उसे अंकुरित बीज की देखभाल करने से पड़ी ! ठीक उसी तरह अगर हम अपने बच्चों क़े स्वास्थय, जीवन शैली, स्वस्थ्य विकास,गुणवत्ता सुधार पर उनके बचपन से ही गंभीरता व सतर्कता से ध्यान देंगे तो उनमें गुण ही अंकुरित होते जाएंगे उनके स्वास्थ्य व स्वस्थ्य विकास के फल उनके जीवन पर्यंत मिलेंगे, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आओ बच्चों में स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्ता सुधार स्वस्थ्य विकास रूपी बीज बोकर उन्हें जीवन पर्यंत स्वस्थ व फलदार वृक्ष रूपी गुणवान बनाएं।

साथियों बात अगर हमt हम बच्चों के स्वास्थ्य की करें तो ,परिवार और उनकी मदद करने के लिए कड़ी मेहनत करने वालों के प्रति अपना समर्थन दिखाते हैं परिवार की आय बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक प्रमुख कारक है। उन्नीसवीं सदी के मध्य तक बच्चों के उपचार के लिए कोई समर्पित सुविधा नहीं थी। उनका इलाज घर पर ही किया जाता था और अगर परिवारों के लिए यह विकल्प नहीहोता था , उस समय बच्चों के स्वास्थ्य की समझ को परिभाषित नहीं किया गया था और अक्सर परित्यक्त और अनाथ बच्चों को शिशु आश्रय गृहों में छोड़ दिया जाता था। अब समय के विकास के साथ बच्चों के स्वास्थ्य और गुणवत्ता पर ध्यान देने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

साथियों बात अगर हम विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वैश्विक बाल स्वास्थ्य एजेंडे की करें तो,पिछले दशकों में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का जीवित रहना वैश्विक बाल स्वास्थ्य एजेंडे का मुख्य केंद्र रहा है। परिणाम स्वरूप, 1990 और 2019 के बीच वैश्विक बाल मृत्यु दर में 60 प्रतिशत की कमी आई। 2020 में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में होने वाली 5.2 मिलियन मौतों में से कई मौतें कमज़ोर आबादी में केंद्रित थीं, विशेष रूप से उप सहारा अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में !इस बात के प्रमाण के आधार पर कि आजीवन स्वास्थ्य, उत्पादकता और कल्याण की नींव बचपन में ही रखी जाती है, स्वास्थ्य क्षेत्र की यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है कि बच्चे न केवल जीवित रहें,बल्कि फलते- फूलते रहें। सतत विकास लक्ष्यों में छोटे बच्चों के विकास को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट लक्ष्य शामिल हैं,जो मानव पूंजी उत्पन्न करता है जो हर बच्चे का अधिकार है, और न्यायसंगत और सतत प्रगति के लिए आवश्यक है। एक सुरक्षित, स्वस्थ और सुरक्षात्मक वातावरण यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि सभी बच्चे अपनी पूरी क्षमता तक बढ़ सकें और विकसित हो सकें। बता दें 12-14 नवंबर 2024 को मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य और पोषण के लिए रणनीतिक और तकनीकी सलाहकार समूह के विशेषज्ञों की 10 वीं बैठक का एजेंडा विश्व बैंक द्वारा तैयार कर लिया गया है। बचपन की बीमारियों का प्रबंधन गुणवत्तापूर्ण, बाल-केंद्रित प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के कार्यान्वयन का समर्थन करके, डब्लू एचओ देशों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में काम करने में मदद करता है ।उसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी बच्चे अपना 10 वां जन्मदिन अच्छे स्वास्थ्य में मना सकें ।स्वास्थ्य सुविधाओं में लाए गए बच्चे अक्सर एक समय में एक से अधिक स्थितियों से पीड़ित होते हैं, और पर्याप्त देखभाल प्रदान करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। कम संसाधन वाले देशों में प्रथम स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं में, रेडियोलॉजी और प्रयोगशाला सेवाओं जैसे नैदानिक समर्थन न्यूनतम या न के बराबर होते हैं, और दवाएँ और उपकरण अक्सर दुर्लभ होते हैं ।इन सीमाओं के बावजूद उच्च-गुणवत्ता वाली देखभाल सुनिश्चित करने के लिए, डब्लूएचओ बचपन की बीमारी के एकीकृत प्रबंधन के निरंतर कार्यान्वयन को बढ़ावा देता है। निमोनिया, दस्त, मलेरिया खसरा और कुपोषण। इसके तीन घटक हैं: स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के केस प्रबंधन कौशल में सुधार, समग्र स्वास्थ्य प्रणालियों में सुधार, और परिवार और सामुदायिक प्रथाओं में सुधार ।प्रसार वाले क्षेत्रों के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। इसे 10 वर्ष तक के बच्चों तक विस्तारित करने के लिए चर्चा चल रही है।

साथियों बात अगर हम बच्चों के पालन पोषण की करें तो जिस तरह से माता, पिता और अन्य देखभालकर्ता शुरुआती वर्षों में बच्चों का पालन-पोषण और समर्थन करते हैं, वह स्वस्थ विकास और वृद्धि के लिए सबसे निर्णायक कारकों में से एक है जिसमें स्वास्थ्य, उत्पादकता और सामाजिक सामंजस्य के लिए आजीवन और अंतर-पीढ़ीगत लाभ हैं ।बेहतर तरीके से बढ़ने और विकसित होने के लिए, बच्चों को पोषण संबंधी देखभाल प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। इसका मतलब है कि वे पर्याप्त पोषण और अच्छेस्वास्थ्य का आनंद लें, सुरक्षित और संरक्षित महसूस करें, और जन्म से ही सीखने के अवसर प्राप्त करें। बीमारी के दौरान विशेष स्तनपान, टीकाकरण और समय पर देखभाल सभी बच्चे के स्वस्थ विकास और वृद्धि में योगदान करते हैं। स्वच्छ हवा, पानी और स्वच्छता, और खेलने और मनोरंजन के लिए सुरक्षित स्थान भी छोटे बच्चों के लिए तलाशने और सीखने के लिए महत्वपूर्ण हैं ।जब देखभाल करने वालों को उनके देखभाल के तरीकों, परिवार, समुदाय और स्वास्थ्य सेवाओं में समर्थन मिलता है, तो उन्हें लाभ होता है। दूसरों की देखभाल करने के लिए उन्हें खुद को अच्छा महसूस करने की आवश्यकता होती है और इसलिए, देखभाल करने वाले के मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करना उन सेवाओं का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो बच्चों के स्वस्थ विकास और विकास का समर्थन करती हैं।

साथियों बात अगर हम भारत मैं प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की करें तो बच्चों सहित युवाओं का शरीर स्वस्थ तभी होगा जब उसे जरूरी मात्रा में पौष्टिक तत्व मिलते रहेंगे, लेकिन आज के दौर में लगभग सभी उम्र के लोगों में अनहेल्दी फूड हैबिट्स काफी ज्यादा बढ़ गई है ।शरीर के लिए पोषण की जरूरत के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा हर साल राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है ।जिस तरह इंजन को चलने के लिए पेट्रोल की जरूरत होती है, वैसे ही हमारे शरीर को कार्य करने के लिए आहार की जरूरत होती है,लेकिन शरीर स्वस्थ व निरोगी रहे, हर आयु में उसका विकास सतत रहे तथा शरीर के सभी तंत्र व प्रणालियां सही तरह से कार्य करें, इसके लिए बहुत जरूरी है शरीर को जरूरी मात्रा में पोषण मिलता रहे ।लेकिन अलग-अलग कारणों से बहुत बड़ी संख्या में लोग विशेषकर बच्चे जरूरी मात्रा में पोषण ग्रहण नहीं कर पाते हैं और कुपोषण का शिकार हो जाते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आजीवन स्वस्थय, उत्पादकता और कल्याण की नींव बचपन में ही रखी जा सकती है ।आओ बच्चों में स्वास्थ्य देखभाल गुणवत्ता सुधार, स्वस्थ्य विकास रूपी बीज़ बोकर उन्हें जीवन पर्यंत फलदार वृक्ष रुपी स्वस्थय व गुणवान बनाएं। माता- पिता व परिवार द्वारा बच्चों को स्वस्थ जीवन शैली जीने में सतर्कता से ध्यान देने पर उनका पूरा जीवन सफ़लता से जीने की संभावना बढ़ती है।

2025 होंडा शाइन 125 हुई लॉन्च, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, चार्जिंग पोर्ट जैसे फीचर्स हुए ऑफर, जान लें कितनी है कीमत

परिवहन विशेष न्यूज

2025 होंडा शाइन 125 लॉन्च जापानी दो पहिया निर्माता Honda Motorcycle And Scooter India (HMSI) की ओर से कई सेगमेंट में स्कूटर और बाइक्स की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से हाल में ही होंडा शाइन 125 के 2025 वर्जन को लॉन्च किया गया है। इस बाइक में किन नए फीचर्स को ऑफर किया गया है। किस कीमत पर इसे खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। जापानी दो पहिया निर्माता Honda की ओर से भारतीय बाजार में 125 सीसी सेगमेंट में Honda Shine को लाया जाता है। कंपनी की ओर से फरवरी 2025 में इसके नए वर्जन को लॉन्च कर दिया है। 2025 Honda Shine 125 में किस तरह के बदलाव किए गए हैं। किन नए फीचर्स को इसमें जोड़ा गया है। कितना दमदार इंजन मिलता है। किस कीमत पर इसे खरीदा जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

लॉन्च हुई 2025 Honda Shine 125

होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया की ओर से भारतीय बाजार में 125 सीसी सेगमेंट में 2025 Honda Shine को लॉन्च कर दिया गया है। कंपनी की ओर से 2025 वर्जन में कुछ नए फीचर्स को भी जोड़ा है।

कैसे हैं फीचर्स

2025 Honda Shine 125 में कंपनी की ओर से फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर (Digital Instrument Cluster and Charging Port in 2025 Honda Shine) को दिया गया है। जिसमें रियल टाइम माइलेज, रेंज, डिस्टेंस टू एंपटी, सर्विस ड्यू इंडीकेटर, गियर पोजिशन इंडीकेटर, ईको इंडीकेटर की जानकारी मिलेगी। इसके साथ ही इसमें टाइप सी यूएसबी चार्जिंग पोर्ट (Honda Shine 2025 Features) को भी दिया गया है।

कितना दमदार इंजन

2025 Honda Shine 125 में कंपनी की ओर से 123.94 सीसी की क्षमता का सिंगल सिलेंडर पीजीएम-एफआई इंजन को दिया गया है। जिससे इसे 7.93 किलोवाट की पावर और 11 न्यूटन मीटर का टॉर्क (Performance and Mileage of the New Honda Shine 2025) मिलता है। बाइक में आइडल स्टॉप सिस्टम को भी दिया गया है जिससे माइलेज बढ़ाने में मदद मिलती है।

अधिकारियों ने कही यह बात

होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया में सेल्स और मार्केटिंग के डायरेक्टर योगेश माथुर ने कहा कि हमें नई शाइन 125 लॉन्च करते हुए बेहद खुशी हो रही है, यह एक ऐसी मोटरसाइकिल है जो 125cc कम्यूटर सेगमेंट में नए मानक स्थापित करती रहेगी। नवीनतम OBD2B अनुपालक इंजन और पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, आइडलिंग स्टॉप सिस्टम और USB C-टाइप चार्जिंग पोर्ट जैसी कई नई सुविधाओं के साथ, नई शाइन 125 भारतीय ग्राहकों के लिए सुविधा और व्यावहारिकता को बढ़ाती है। हमें पूरा विश्वास है कि नए इंडिया की अमेजिंग शाइन निश्चित रूप से खरीदारों को आकर्षित करेगी और बाजार में अपनी विरासत को और मजबूत करेगी।

कितनी है कीमत

2025 Honda Shine 125 को दो वेरिएंट्स में लाया गया है। इसके बेस वेरिएंट में ड्रम ब्रेक दिए गए हैं जिसकी एक्स शोरूम कीमत 84493 रुपये रखी गई है। डिस्क ब्रेक के साथ इसकी एक्स शोरूम कीमत 89245 रुपये (Honda Shine 2025 Price) है।

किनसे है मुकाबला

होंडा की ओर से शाइन 125 को 125 सीसी सेगमेंट में लाया जाता है। इस सेगमेंट में इसका सीधा मुकाबला बजाज, हीरो मोटोकॉर्प, टीवीएस जैसी कंपनियों की बाइक्स के साथ होता है।

किआ कर रही सभी सेगमेंट में इलेक्ट्रिक एसयूवी लाने की तैयारी, सोशल मीडिया पर शेयर किया पहला टीजर, इस तारीख को होंगी अनवील

परिवहन विशेष न्यूज

दुनियाभर में Electric SUVs की मांग बढ़ रही है। जिसे देखते हुए निर्माताओं की ओर से बेहतरीन फीचर्स और रेंज के साथ नई कारों को पेश और लॉन्च किया जा रहा है। साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Kia की ओर से भी कई सेगमेंट में नई EV लाने की तैयारी की जा रही है। नई कारों पर Kia Global ने क्या जानकारी दी है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Kia एक से ज्यादा Electric SUVs को लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी की ओर से सोशल मीडिया पर पहला वीडियो टीजर जारी किया गया है। जिसमें यह जानकारी दी गई है। टीजर से किन कारों की जानकारी मिल रही है। कब तक इनको पेश किया (Kia Electric SUV) जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Kia कर रही नई Electric SUVs लाने की तैयारी

किआ की ओर से जल्द ही तीन नई Electric SUVs को लाने की तैयारी की जा रही है। कंपनी की ओर से हाल में ही सोशल मीडिया पर इनसे जुड़ा पहला वीडियो टीजर (Kia EV Teaser) जारी किया गया है। जिसमें तीनों एसयूवी की जानकारी मिल रही है।

क्या मिली जानकारी

सोशल मीडिया पर किआ ग्लोबल की ओर से पहला वीडियो टीजर जारी किया गया है। करीब 36 सेकेंड के वीडियो टीजर में तीनों एसयूवी की टेल लाइट्स, फ्रंट लुक, साइड प्रोफाइल, अलॉय व्हील्स की झलक को दिखाया गया है। EVs के इंटीरियर की जानकारी इस टीजर में नहीं दी गई है। लेकिन इनको प्लेटफॉर्म बियान्ड व्हीकल (PBV) पर डेवलप किया जा रहा है। जिसे अमेरिका के लास वेगस में हुए CES 2024 में शोकेस किया गया था। इसी दौरान कंपनी ने अपनी EV2 के Concept को भी शोकेस किया था।

किन नामों के साथ आ सकती हैं नई EVs

कंपनी की ओर से ग्लोबल स्तर पर जारी किए गए वीडियो टीजर में इनके नामों की जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन सबसे छोटी एसयूवी को EV2 के नाम से लाया जा सकता है, जिसके कॉन्सेप्ट वर्जन को पहले भी शोकेस किया जा चुका है। इसके बाद EV4 और PV5 नाम से नई इलेक्ट्रिक एसयूवी को पेश किया जाएगा।

कैसा होगा डिजाइन

किआ ग्लोबल की ओर से जारी किए गए पहले वीडियो टीजर में तीनों एसयूवी की सिर्फ झलक दिखाई गई है। लेकिन कंपनी इनके प्रोडक्शन वर्जन को Kia 2.0 की तरह डिजाइन करेगी। इसी तर्ज पर कंपनी ने सबसे पहले Kia EV9 को लॉन्च किया था। इसके बाद Kia Syros को भी उसी तरह के डिजाइन के साथ लॉन्च किया गया है।

कब होंगी पेश

किआ की ओर से टीजर में ही इनको पेश करने की जानकारी को भी दिया गया है। वीडियो के मुताबिक इन तीनों Electric SUVs को 27 फरवरी 2025 को ग्लोबल स्तर पर पेश किया जाएगा। भारतीय समय के मुताबिक इन एसयूवी को 27 फरवरी को दोपहर करीब एक से दो बजे के बीच पेश किया जा सकता है। इनको पेश करने के कुछ समय बाद तीनों एसयूवी को कई देशों में लॉन्च किया जा सकता है। फिलहाल भारतीय बाजार में इन एसयूवी को लाने को लेकर किसी भी तरह की जानकारी नहीं दी गई है।

कर्नाटक 5,000 से ज्यादा सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों वाला एकमात्र राज्य, महाराष्ट्र दूसरे नंबर पर

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारत में कुल 26,367 सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन हैं। कर्नाटक इस सूची में सबसे आगे है, जहां सबसे अधिक चार्जिंग पॉइंट्स हैं। यह जानकारी सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा लोकसभा में गुरुवार को साझा की गई।

कर्नाटक सबसे आगे, महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर

कर्नाटक में कुल 5,879 सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन हैं, इसके बाद महाराष्ट्र में 3,842 स्टेशन हैं। उत्तर प्रदेश 2,113 चार्जिंग पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर है। ये तीनों राज्य ऐसे हैं, जहां 2,000 से अधिक सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन मौजूद हैं। खास बात यह है कि 5,000 से अधिक चार्जिंग स्टेशनों वाले राज्यों में कर्नाटक अकेला है।

1,000 से अधिक चार्जिंग स्टेशनों वाले राज्य

सिर्फ आठ राज्यों में 1,000 से अधिक सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन हैं:

दिल्ली (1,951)
तमिलनाडु (1,495)
केरल (1,288)
राजस्थान (1,285)
गुजरात (1,008)

जहां चार्जिंग स्टेशन की संख्या सबसे कम

लद्दाख और लक्षद्वीप में सिर्फ 1-1 सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन हैं। इनके अलावा, कुल 11 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं जहां 50 से भी कम चार्जिंग पॉइंट्स हैं:

अरुणाचल प्रदेश (44)
मेघालय (43)
पुडुचेरी (42)
नागालैंड (36)
चंडीगढ़ (14)
मिजोरम (13)
सिक्किम (11)
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव (6)
अंडमान और निकोबार (4)

FAME-II योजना के तहत बढ़ावा

मार्च 2023 में FAME-II योजना के तहत तीन तेल विपणन कंपनियों (OMCs) - इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) को 7,432 सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए 800 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी गई।

अब तक की प्रगति

मंत्रालय ने कहा, ₹1 जनवरी 2025 तक तेल विपणन कंपनियों ने FAME योजना के तहत अपने रिटेल आउटलेट्स पर 4,523 इलेक्ट्रिक वाहन स्थापित किए हैं। जिनमें से 251 इलेक्ट्रिक वाहन स्टेशन पहले ही चालू हो चुके हैं। इसके अलावा, भारी उद्योग मंत्रालय (MHI) ने मार्च 2024 में 980 सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए अतिरिक्त 73.50 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों में 400 चार्जिंग स्टेशन भी स्वीकृत किए गए हैं।₹

राष्ट्रीय राजमार्गों पर चार्जिंग सुविधाएं

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने यह भी बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) (एनएचएआई) के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक्स प्रबंधन लिमिटेड (NHLML) (एनएचएलएमएल) द्वारा हर 40-60 किमी के अंतराल पर सुविधाजनक स्थल (वेसाइड सुविधाएं) (WSA) विकसित करने की योजना बनाई गई है।

मंत्रालय ने बताया कि इन सुविधाओं में ईवी चार्जिंग स्टेशन अनिवार्य रूप से शामिल किए गए हैं। अब तक, 50 वेसाइड सुविधाएं ईवी चार्जिंग के साथ चालू हो चुकी हैं। सरकार का लक्ष्य 700 वेसाइड सुविधाएं प्रदान करना है, जिनमें से 458 पहले ही आवंटित की जा चुकी हैं। इनमें से 90 सुविधाएं पूरी तरह से चालू हैं।

किआ की 7 सीटों वाली एमपीवी के बढ़े दाम, कैरेंस को खरीदना कितना हुआ महंगा, जानें क्या है नई कीमत

परिवहन विशेष न्यूज

किआ कैरेंस की कीमत में बढ़ोतरी साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Kia की ओर से भारतीय बाजार में एमपीवी और एसयूवी सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से February 2025 के दोरान बजट MPV Kia Carens की कीमतों को बढ़ा दिया है। किस वेरिएंट की कीमत में कितनी बढ़ोतरी हुई है। किस कीमत पर इसे खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में SUV and MPV सेगमेंट में कई वाहनों को ऑफर करने वाली साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Kia मोटर्स की ओर से अपनी कारों की कीमतों को अपडेट किया जा रहा है। इसी क्रम में कंपनी ने Kia Carnes MPV की कीमतों में बढ़ोतरी (Kia Carens Price Hike) कर दी है। बजट एमपीवी के तौर पर ऑफर की जाने वाली कैरेंस की कीमतों में कितनी बढ़ोतरी की गई है। किस कीमत पर अब इसे खरीदा जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Kia Carens को खरीदना हुआ महंगा

किआ की ओर से बजट एमपीवी के तौर पर कैरेंस को लाया जाता है। कंपनी की ओर से इस एसयूवी की कीमत में बढ़ोतरी कर दी है। एमपीवी के सभी वेरिएंट्स की कीमत में बढ़ोतरी की गई है। लेकिन एक समान कीमत बढ़ाने की जगह अलग अलग वेरिएंट की कीमत में अलग अलग बढ़ोतरी हुई है।

कितनी हुई बढ़ोतरी

जानकारी के मुताबिक कंपनी की ओर से कैरेंस की कीमत में 10 हजार रुपये तक बढ़ाए हैं। इसके कुल आठ वेरिएंट्स को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है, जिसमें से ग्रेविटी वेरिएंट (Kia Carens Gravity Variant) की कीमत में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है।

कितनी है कीमत (Kia Carens Variants wise Pricing)

कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक Kia Carens की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत अब 10.60 लाख रुपये से शुरू होगी। ग्रेविटी वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 12.30 लाख रुपये, Prestige वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 14.26 लाख रुपये, Prestige Plus 15.20 लाख रुपये, Prestige Plus (O) की कीमत 16.40 लाख रुपये, लग्जरी प्लस वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 19 लाख रुपये हो गई है। इसके X-Line वेरिएंट को 19.50 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है।

कितना दमदार इंजन

किआ की ओर से कैरेंस को 1.5 लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन के विकल्प के साथ लाया जाता है। जिसके साथ मैनुअल, आईएमटी, डीसीटी ट्रांसमिशन के विकल्प दिए जाते हैं। यह विकल्प पेट्रोल इंजन के साथ दिए जाते हैं जबकि डीजल इंजन के साथ मैनुअल के अलावा टॉर्क कनवर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प मिलता है।

किनसे है मुकाबला

Kia Carens को बजट MPV सेगमेंट में लाया जाता है। इस सेगमेंट में एसयूवी का सीधा मुकाबला Maruti Ertiga, Renault Triber और Toyota Rumion जैसी एमपीवी के साथ होता है। इसके साथ ही इसे कई एसयूवी से भी चुनौती मिलती है।

मारुति कर रही सेफ्टी पर काम, इन 5 कारें और एसयूवी में दिए जा रहे हैं 6 एयरबैग, कीमत 5.64 लाख रुपये से शुरू

परिवहन विशेष न्यूज

मारुति सुजुकी की ओर से भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में कारों को ऑफर किया जाता है। जिनमें कई बेहतरीन फीचर्स को दिया जाता है। कंपनी की ओर से कुछ कारों को स्टैंडर्ड तौर पर 6 Airbag जैसे सेफ्टी फीचर के साथ लाया जा रहा है। मारुति की ओर से किन कारों के सभी वेरिएंट्स में 6 Airbag को दिया जा रहा है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में हर साल हजारों की संख्या में सड़क हादसे होते हैं। जिनमें ज्यादातर लोग इसलिए घायल होते हैं क्योंकि कार में कम Safety Features मिलते हैं। लेकिन देश की प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल Maruti Suzuki सेफ्टी को लेकर काम कर रही है और अपनी कारों को पहले से ज्यादा सुरक्षित बना रही है। कंपनी की ओर से किन कारों के सभी वेरिएंट्स में 6 Airbag को दिया जा रहा है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Maruti दे रही 6 Airbag का सेफ्टी फीचर

भारत की प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल Maruti Suzuki की ओर से अपनी कारों को ज्यादा सुरक्षित बनाने पर काम (Maruti safety update) किया जा रहा है। इसी क्रम में कंपनी अपनी कई कारों को 6 Airbag के साथ ऑफर कर रही है।

सबसे कम कीमत वाली इस गाड़ी में मिलता है सेफ्टी फीचर

मारुति की ओर से छह एयरबैग जैसे सेफ्टी फीचर के साथ सबसे कम कीमत में Maruti Celerio को ऑफर किया गया है। इस गाड़ी को फरवरी 2025 में ही अपडेट किया गया है, जिसके बाद इसके सभी वेरिएंट्स में स्टैंडर्ड तौर पर 6 Airbag को दिया जा रहा है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 5.64 लाख रुपये से शुरू होती है।

Maruti Swift में मिलेंगे 6 Airbag

मारुति की हैचबैक कार स्विफ्ट को भी छह एयरबैग के साथ मई 2024 में लॉन्च किया गया था। इस गाड़ी की नई जेनरेशन में इस सेफ्टी फीचर को स्टैंडर्ड तौर पर ऑफर किया गया था। इसकी एक्स शोरूम कीमत 6.49 लाख रुपये से हो जाती है।

Maruti Dzire भी 6 एयरबैग के साथ आती है

मारुति ने नवंबर 2024 में अपनी कॉम्पैक्ट सेडान कार डिजायर को भी अपडेट किया था। इसकी नई जेनरशन को भी स्टैंडर्ड तौर पर छह एयरबैग के साथ लाया गया था। Maruti Dzire को 6.84 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है।

Maruti Jimny में भी मिलता है फीचर

मारुति की ओर से ऑफ रोडिंग एसयूवी के तौर पर Jimny को लाया जाता है। कंपनी अपनी इस एसयूवी को भी स्टैंडर्ड तौर पर छह एयरबैग के साथ लाती है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 12.75 लाख रुपये से शुरू होती है।

Maruti Invicto में भी मिलते हैं एयरबैग

मारुति की ओर से प्रीमियम MPV के तौर पर Maruti Invicto को लाया जाता है। कंपनी की इस गाड़ी को भी स्टैंडर्ड तौर पर छह एयरबैग के साथ लाया जाता है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 25.51 लाख रुपये से शुरू हो जाती है।

जेएसडब्ल्यू एमजी विंडसर ईवी के सामने फीकी पड़ी टाटा पंच और नेक्सन ईवी, बीते चार महीनों में किसकी कितनी हुई बिक्री

परिवहन विशेष न्यूज

ईवी कारों की बिक्री ब्रिटिश वाहन निर्माता JSW MG मोटर्स की ओर से भारतीय बाजार में Windsor EV को साल 2024 में लॉन्च किया गया था। लॉन्च के बाद से ही इस गाड़ी को लोग काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। बिक्री के मामले में बीते चार महीनों के दौरान Tata Punch और Nexon EV के मुकाबले विंडसर की कितनी यूनिट्स की बिक्री हुई है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में Electric SUVs की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जिसे देखते हुए बेहतरीन फीचर्स, डिजाइन और रेंज के साथ कई कंपनियां अपने उत्पाद लॉन्च कर रही हैं। बाजार में पहले से EV सेगमेंट में Punch और Nexon ऑफर करने वाली निर्माता Tata Motors को JSW MG मोटर्स से कड़ी चुनौती मिल रही है। MG की Windsor EV की बीते चार महीनों के दौरान कितनी यूनिट्स की बिक्री देशभर में हुई है। एमजी के मुकाबले में टाटा की दोनों ईवी की कितनी मांग रही है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

JSW MG Windsor EV की कितनी मांग

एमजी की ओर से Electric CUV सेगमेंट में Windsor EV को लाया जाता है। लॉन्च के बाद से ही इस गाड़ी को भारत में काफी पसंद किया जा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक साल 2024 की आखिरी तिमाही और जनवरी 2025 में इस गाड़ी 13 हजार से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री (JSW MG Windsor EV sales) हो चुकी है। कंपनी ने अक्टूबर 2024 के दौरान 3116 यूनिट्स, नवंबर 2024 में 3144 यूनिट्स, दिसंबर 2024 में 3785 यूनिट्स और जनवरी 2025 में 3450 यूनिट्स की बिक्री की है।

Tata Punch EV की कितनी बिक्री

टाटा मोटर्स की ओर से एंट्री लेवल इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर Tata Punch EV को लाया जाता है। आंकड़ों के मुताबिक Tata Punch EV की अक्टूबर 2024 में 915 यूनिट्स, नवंबर 2024 में 926 यूनिट्स, दिसंबर 2024 में 1653 यूनिट्स, जनवरी 2025 में 1189 यूनिट्स की बिक्री (Tata Punch EV performance) हुई है।

कितनी रही Tata Nexon EV की मांग

सब फोर मीटर इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में टाटा की पंच को लाया जाता है। इस गाड़ी की अक्टूबर 2024 में 1593 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। नवंबर 2024 में 1899 यूनिट्स, दिसंबर 2024 में 1603 यूनिट्स और जनवरी 2025 में इसे 1289 लोगों ने खरीदा है।

कितनी है कीमत

JSW MG Windsor EV को भारतीय बाजार में दो तरह से ऑफर किया जा रहा है। कंपनी की ओर से BaaS के साथ इस गाड़ी को 9.99 लाख रुपये में ऑफर किया जा रहा है। इसके अलावा अगर बैटरी के साथ गाड़ी को खरीदा जाता है तो इसकी एक्स शोरूम कीमत 14 लाख से लेकर 16 लाख रुपये के बीच है।

वहीं Tata Punch EV की एक्स शोरूम कीमत 9.99 लाख रुपये से शुरू होती है और इसके टॉप वेरिएंट को 14.44 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर घर लाया जा सकता है। वहीं Tata Nexon EV के लिए 12.49 लाख रुपये से लेकर 16.99 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है।

लैपटॉप और मोबाइल से कौन सी रोशनी निकलती हैं कितनी है खतरनाक, समझें इसके पीछे का साइंस

विजय गर्ग

आज के डिजिटल युग में हम लगातार स्क्रीन से घिरे रहते हैं जिसकी रोशनी हमारी आंखों के साथ स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है. इनसे निकलने वाली रोशनी उम्र बढ़ने, सूजन और टिशू को नुकसान पहुंचाने का भी कारण बनती है. आइए जानते हैं इस बारे में क्या कहता है साइंस. हम हमेशा से सुनते आए हैं कि हमें टीवी स्क्रीन, मोबाइल फोन और लैपटॉप के सामने ज्यादा समय नहीं बिताना चाहिए. अक्सर हमें घर में अपने माता-पिता से इस बात के लिए डांट भी पड़ती है कि इससे हमारी आंखें खराब हो जाएंगी. हालांकि, हम हमेशा उनकी बातों को अनसुना कर देते हैं और कहते हैं कि कुछ नहीं होने वाला है. हालांकि, विज्ञान की दृष्टि से यह सच है कि लंबे समय तक स्क्रीन से घिरे रहने से इनसे निकलने वाली नीली रोशनी के कारण आंखों के साथ-साथ हमारे स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है. आज के डिजिटल युग में हम लगातार ऐसी स्क्रीन से घिरे रहते हैं जिनसे नीली रोशनी निकलती है जो कई तरह से हानिकारक हो सकती है. इस लेख में आगे जानते हैं कि आखिर क्या है यह नीली रोशनी, हमारे स्वास्थ्य को यह किस तरह प्रभावित करती है.

नीली रोशनी यानी हाई इंटेंसिटी विजिबल लाइट

डिजिटल डिवाइस यानी मोबाइल फोन, लैपटॉप और टीवी स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी को हाई इंटेंसिटी विजिबल लाइट (HEV) कहते हैं. हिंदी में इसका मतलब है हाई-एनर्जी विजिबल लाइट. नीली रोशनी की वेवलेंथ कम होती है जो विजिबल लाइट स्पेक्ट्रम का हिस्सा होती है. यह एक ऐसा हल्का रंग है जिसे हम अपनी नंगी आंखों से भी देख सकते हैं. लैपटॉप समेत कई डिजिटल डिवाइस से यह निकलती है. नीली रोशनी के कुछ फायदे हो सकते हैं, लेकिन लंबे समय तक इसके संपर्क में रहना आंखों के लिए नुकसानदायक हो सकता . नीली रोशनी सूर्य के प्रकाश में भी मौजूद होती है.

अमेरिका की एक सरकारी संस्था नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के शोध के मुताबिक नीली रोशनी की वेवलेंथ 400-500 एनएम होती है और यह विजिबल लाइट का करीब एक तिहाई होती है. इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और आर्टिफिशियल इनडोर लाइटिंग से भी नीली रोशनी निकलती है. अध्ययनों से पता चला है कि इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से निकलने वाली रोशनी के संपर्क में आने से, चाहे वह 1 घंटे के लिए ही क्यों न हो, रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज, एपोप्टोसिस और नेक्रोसिस बढ़ सकता है. और इसके कारण आंखों में कई तरह की परेशानी हो सकती है.

आंखों में तनाव, सिरदर्द और उम्र का खतरा

रिसर्च में बताया गया है कि नीली रोशनी के लंबे समय तक संपर्क में रहने से हमारी आंखों के स्वास्थ्य पर कई प्रभाव पड़ सकते हैं. सबसे आम मुद्दों में से एक कंप्यूटर विजन सिंड्रोम का विकास है. सीवीएस का मतलब है आंखों और दृष्टि से जुड़ी समस्याओं का एक समूह जो लंबे समय तक स्क्रीन पर रहने के कारण होता है. इसके लक्षणों में आंखों में तनाव, धुंधली दृष्टि, सूखी आंखें, सिरदर्द और गर्दन और कंधे में दर्द शामिल हैं. नीली रोशनी

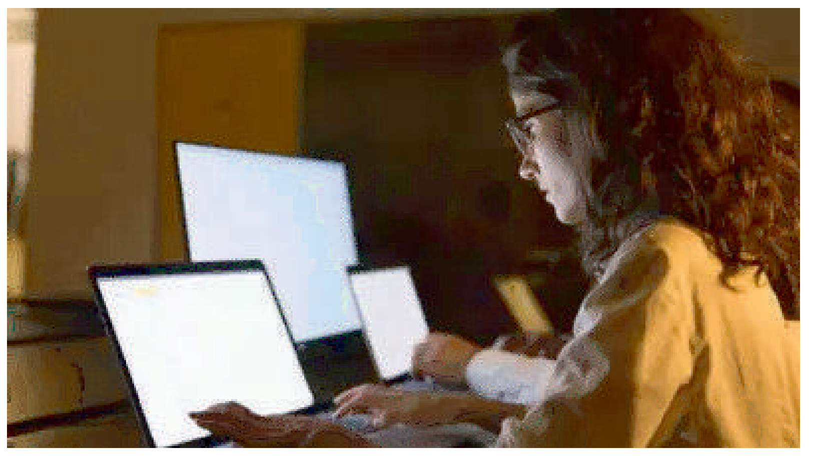

आंखों की थकान का भी कारण बन सकती है जिससे यह कंट्रास्ट को कम कर देती है. इसके बाद आंखों के लिए ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है.

वहीं, कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि नीली रोशनी के लंबे समय तक संपर्क में रहने से समय के साथ रेटिना को नुकसान हो सकता है. साथ कहा जाता है कि इससे मैकुलर डिजनरेशन का भी जोखिम बढ़ जाता है. माना जाता है कि नीली रोशनी के लगातार संपर्क में रहने से उम्र से संबंधित मैकुलर डिजनरेशन का जोखिम बढ़ सकता है, जो उम्रदराज लोगों में दृष्टि हानि का एक प्रमुख कारण है. रिसर्च में पाया गया है कि नीली रोशनी के संपर्क में आने से उम्र बढ़ने, सूजन और टिशू क्षति से जुड़े प्रोटीन बायोमार्कर में काफी बढ़ोतरी होती है. नीली रोशनी के प्रभावों से बचने के उपाय नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन द्वारा किए गए शोध से पता चला है कि लगातार नीली रोशनी के संपर्क में रहने से त्वचा की उम्र बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है. यह त्वचा में शामिल बायोलॉजिकल रूट्स को बदलकर त्वचा को नुकसान पहुंचाता है. लगातार 5 दिनों तक 6 घंटे तक नीली रोशनी के संपर्क में रहने से सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव मार्गों को नियंत्रित करने वाले जीन का प्रदर्शन बढ़ जाता है. यह त्वचा की बाधा और टिशू को समान्य बनाए रखने वाले जीन के प्रदर्शन को भी कम करता है.

नीली रोशनी के नकारात्मक प्रभावों से बचने के लिए, घर में एलईडी और फ्लोरोसेंट लाइटिंग को कम करने की सलाह दी जा सकती है. विशेष रूप से, स्क्रीन देखने में बिताए जाने वाले समय को सीमित करें. इससे बचने के लिए, पीले लेंस वाले कंप्यूटर चश्मे का भी उपयोग किया जाता है. ये चश्मे कंट्रास्ट बढ़ाते हैं और नीली रोशनी को रोकते हैं. हालांकि, यह पूरी तरह से शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन पर आधारित है और उनके सुझाव के अनुसार है. यदि आपको आंखों में खिंचाव या इससे संबंधित कोई समस्या महसूस होती है, तो व्यक्तिगत मार्गदर्शन के लिए अपने ऑप्टोमेट्रिस्ट से परामर्श करना उचित है।

कहानी : स्वाभिमान

विजय गर्ग

कालिज पहुंचते ही तनु ने आज सब से पहले स्टाफ क्वार्टर के लिए आवेदन किया. इतने साल हो गए उसे कालिज में पढ़ाते हुए, चाहती तो कभी का क्वार्टर ले सकती थी पर इतना बड़ा बंगला छोड़ कर यों स्टाफ क्वार्टर में रहने की उस ने कभी कल्पना भी नहीं की थी. फिर प्रणव को भी तनु के घर आ कर रहना पसंद नहीं था. उन का अभिमान आहत होता था. उन्हें लगता कि वहां वह 'मिस्टर तनुश्री राय' बन कर ही रह जाएंगे. और यह बात उन्हें कतई मंजूर न थी.

आज सुबह ही प्रणव ने उसे अपने घर से निकल जाने को कह दिया जबकि तनु को इस घर में ३० साल गुजर चुके हैं. कहने को तो प्रणव ने उसे सबकुछ दिया है, बढ़िया सा घर, २ बच्चे, जमाने की हर सुखसुविधा लेकिन नहीं दिया तो बस, आत्मसम्मान से जीने का हक. हर अच्छी बात का श्रेय खुद लेना, तनु के हर काम में मीनमेख निकालना और बातबात पर उस को 'मिडिल क्लास मानसिकता' का ताना देना, यही तो किया है प्रणव ने शुरू से अब तक. पलंग पर लेटेलेटे तनु अपने ही जीवन से जुड़ी घटनाओं का तानाबाना बुनने लगी.

इतने वर्षों से तनु को लगने लगा था कि उसे यह सब सहने की आदत सी हो गई है पर आज सुबह उस का धैर्य जवाब दे गया. जैसेजैसे उम्र बढ़ रही थी प्रणव का कहनासुनना बढ़ता जा रहा था और तनु की सहनशीलता खत्म होती जा रही थी.

तनु जानती है कि अमेरिका में रह रहे बेटे के विवाह कर लेने की खबर प्रणव बरदाश्त नहीं कर पा रहे हैं, बल्कि उन के अहम को चोट पहुंची है. अब तक हर बात का फैसला लेने का एकाधिकार उस से छिन जो गया था. प्रणव की नजरों में इस के लिए तनु ही दोषी है. बच्चों को अच्छे संस्कार जो नहीं दे पाई है यही तो कहते हैं प्रणव बच्चों की हर गलती या जिद पर.

जबकि वह अच्छी तरह जानते हैं कि बच्चों के बारे में किसी भी तरह का निर्णय लेने का कोई अधिकार उन्होंने तनु को नहीं दिया. यहां तक कि उस के गर्भ के दौरान किस डाक्टर से चैकअप कराना है, क्या खाना है, कितना खाना है आदि बातों में भी अपनी ही मर्जी चलाता. शुरू में तो तनु को यह बात अच्छी लगी थी कि कितना केयरिंग हसबैंड मिला है लेकिन धीरेधीरे पता चला यह केयर नहीं, अपितु स्टेटस का सवाल था. कितना चाहा था तनु ने कि बेटी कला के क्षेत्र में नाम कमाए पर उसे डाक्टर बनाना पड़ा, क्योंकि प्रणव यही चाहते थे. बेटे को आई.ए.एस. बनाने की चाह भी तनु के मन में धरी की धरी रह गई और वह प्रणव के आदेशानुसार वैज्ञानिक ही बना, जो आजकल नासा में कार्यरत है.

ऐसा नहीं कि बच्चों की सफलता से तनु खुश नहीं है या बच्चे अपने प्राप्यों से संतुष्ट नहीं हैं लेकिन यह भी सत्य है कि प्रणव इस सब से इसलिए संतुष्ट हैं कि बच्चों को इन क्षेत्रों में भेजने से वह और तनु आज सोसाइटी में सब से अलग नजर आ रहे हैं.

पूरी जिंदगी सबकुछ अपनी इच्छा और पसंद को ही सर्वश्रेष्ठ मानने की आदत होने के कारण बेटे की शादी प्रणव को अपनी हार प्रतीत हो रही है. यही हार गुस्से के रूप में पिछले एक सप्ताह से किसी न किसी कारण तनु पर निकल रही है. प्रणव को वैसे भी गुस्सा करने का कोई न कोई कारण सदा से मिलता ही रहा है.

प्रणव यह क्यों नहीं समझते कि बेटे के इस तरह विवाह कर लेने से तनु को भी तो दुख हुआ होगा. पर उन्हें उस की खुशी या दुख से कब सरोकार रहा है. जब बेटे का फोन आया था तो तनु ने कहा भी था, 'खुशी है कि तुम्हारी शादी होगी, लेकिन तुम अगर हमें अपनी पसंद बताते तो हम यहीं बुला कर तुम्हारी शादी करवा देते. सभी लोगों को दावत देते वहां बहू को कैसा लगेगा, जब घर पर नई बहू का स्वागत करने वाला कोई भी नहीं होगा.'

'क्या मौम आप भी, कोई कैसे नहीं होगा, दीदी और जीजाजी आ रहे हैं न. आप को तो पता है कि अपनी पसंद बताने पर पापा कभी नहीं होने देते यह शादी. दीदी की बार का याद नहीं है आप को. डा. सोमेश को तो दीदी ने उस तरह पसंद भी नहीं किया था. बस, पापा ने उन्हें रेस्तरां में साथ बैठे ही तो देखा था. घर में कितने दिनों तक हंगामा रहा था. दीदी ने कितना कहा था कि डा. सोमेश केवल उन के कुलीग हैं पर कभी पापा ने सुनी? उन्होंने आननफानन में कैसे अपने दोस्त के डा. बेटे के साथ शादी करवा दी. यह ठीक है कि जीजाजी भी एकदम परफेक्ट हैं.

'सौरी मौम, मेरी शादी के कारण आप को पापा के गुस्से का सामना करना पड़ेगा. रीयली मौम, आज मैं महसूस करता हूं कि आप कैसे उन के साथ इतने वर्षों से निभा रही हैं. यू आर ग्रेट मौम आई सेल्यूट यू ओ.के., फोन रखता हूं. शादी की फोटो ईमेल कर दूंगा.'

तनु बेटे की इन बातों से सोच में पड़ गई. सच ही तो कहा था उस ने. लेकिन वह गुस्सा एक बार में खत्म नहीं हुआ था. पिछले एक सप्ताह से रोज ही उसे इस स्थिति से दोचार होना पड़ रहा है. सुबह यही तो हुआ था जब प्रणव ने पूछा था, 'सुना, कल तुम निमिषा के यहां गई थीं.

'हां.'

'मुझे बताया क्यों नहीं.'

'कल रात आप बहुत लेट आए तो ध्यान नहीं रहा.'

''ध्यान नहीं रहा' का क्या मतलब है, फोन कर के बता सकती थीं. कोई काम था वहां?'

'निमिषा बहुत दिनों से बुला रही थी. कालिज में कल शाम की क्लास थी नहीं, सोचा उस से मिलती चलूं.'

'तुम्हें मौका मिल गया न मुझे नीचा दिखाने का. तुम्हें शर्म नहीं आई कि बेटे ने ऐसी करतूत की और तुम रिश्तेदारी निभाती फिर रही हो.'

'निमिषा आप की बहन होने के साथसाथ कालिज के जमाने की मेरी सहेली भी है और रही बात बेटे की, तो उस ने शादी ही तो की है, गुनाह तो नहीं.'

'पता है मुझे, तुम्हारी ही शह से बिगड़ा है वह. जब मां बिना पूछे काम करती है तो बेटे को कैसे रोक सकती है. भूल जाती हो तुम कि अभी मैं जिंदा हूं, इस- घर का मालिक हूं.'

'मैं ने क्या काम किया है आप से बिना पूछे. इस घर में कोई सांस तो ले नहीं सकता बिना आप की अनुमति के हवा भी आप से इजाजत ले कर यहां प्रवेश करती है जिंदगी की छोटीछोटी खुशियों को भी जीने नहीं दिया यह तो मैं ही हूं कि जो यह सब सहन करती रही .'

'क्या सहन कर रही हो तुम, जरा मैं भी तो सुनूं. ऐसा स्टेटस, ऐसी शान, सोसाइटी में एक पहचान है तुम्हारी और कौन सी खुशियां चाहिए?'

तनु तंग आ गई इन बातों से. हार कर उस ने कह दिया, 'देखो प्रणव, यह रोज की खिचखिच बंद करो. अब इस उम्र में मुझ से और सहन नहीं होता. मुझे यह सब अच्छा नहीं लगता.'

'नहीं सहन होता तो चली जाओ यहां से, जहां अच्छा लगता है वहां चली जाओ. क्यों रह रही हो फिर यहां.'

'चली जाऊं, छोड़ दूं, उम्र के इस पड़ाव पर, आप को बेशक यह कहते शर्म नहीं आई हो, पर मुझे सुनने में जरूर आई है. इस उम्र में चली जाऊं, शादी के ३० साल तक सब झेलती रही, अब कहते हो चली जाओ. जाना होता तो कब की सबकुछ छोड़ कर चली गई होती.'

तनु तड़प उठी थी. जिंदगी का सुख प्रणव ने केवल भौतिक सुखसुविधा ही जाना था. पूरी जिंदगी अपनेआप को मार कर जीना ही अपनी तकदीर मान जिस के साथ निष्ठा से बिता दी, उसी ने आज कितनी आसानी से उसे घर से चले जाने को कह दिया.

'हां, आज मुझे यह घर छोड़ ही देना चाहिए. अब तक पूरी जिंदगी प्रणव के हिसाब से ही जी है, यह भी सही.' सारी रात तनु ने इसी सोच के साथ बिता दी.

शादी के बाद कितने समय तक तो तनु प्रणव का व्यवहार समझ ही नहीं पाई थी. किस बात पर झगड़ा होगा और किस बात पर प्यार बरसाने लगेंगे, कहा नहीं जा सकता. कालिज से आने में देर हो गई तो क्यों हो गई, घरबार की चिंता नहीं है, और अगर जल्दी आ गई तो कालिज टाइम पास का बहाना है, बच्चों को पढ़ाना थोड़े ही है.

दुनिया की नजर में प्रणव से आदर्श पति और कोई हो ही नहीं सकता. मेरी हर सुखसुविधा का खयाल रखना, विदेशों में घुमाना, एक से एक महंगी साड़ियां खरीदवाना, जेवर, गाड़ी, बंगला, क्या नहीं दिया लेकिन वह यह नहीं समझ सके कि सुखसुविधा और खुशी में बहुत फर्क होता है.

तनु की विचारशृंखला टूटने का नाम ही नहीं ले रही थी मैं इन की बिना पसंद के एक रूमाल तक नहीं खरीद सकती, बिना इन की इच्छा के बालकनी में नहीं खड़ी हो सकती, इन की इच्छा के बिना घर में फर्नीचर इधर से उधर एक इंच भी सरका नहीं सकती, नया खरीदना तो दूर की बात क्योंकि इन की नजर में मुझे इन चीजों की, इन बातों की समझ नहीं है. बस, एक नौकरी ही है, जो मैं ने छोड़ी नहीं. प्रणव ने बहुत कहा कि सोसाइटी में सभी की बीवियां किसी न किसी सोशल काम से जुड़ी रहती हैं. तुम भी कुछ ऐसा ही करो. देखो, निमिषा भी तो यही कर रही है पर तुम्हें क्या पता पहले हमारे बीच खूब बहस होती थी, पर धीरेधीरे मैं ने ही बहस करना छोड़ दिया.

आज मैं थक गई थी ऐसी जिंदगी से. बच्चों ने तो अपना नीड़ अलग बना लिया, अब क्या इस उम्र में मैं हां शायद यही उचित होगा कम से कम जिंदगी की संध्या मैं बिना किसी मानसिक पीड़ा के बिताना चाहती हूं. प्रणव तो इतना सबकुछ होने के बाद भी सुबह की उड़ान से अपने काम के सिलसिले में एक सप्ताह के लिए फ्रैंकफर्ट चले गए. उन के जाने के बाद तनु ने रात में सोची गई अपनी विचारधारा पर अमल करना शुरू कर दिया. अभी तो रिटायरमेंट में 5-6 वर्ष बाकी हैं इसलिए अभी क्वार्टर लेना ही ठीक है, आगे की आगे देखी जाएगी.

तनु को क्वार्टर मिले आज कई दिन हो गए, लेकिन प्रणव को वह कैसे बताए, कई दिनों से इसी असमंजस में थी. दिन बीतते जा रहे थे. प्रोफेसर दीप्ति, जो तनु के ही विभाग में है और क्वार्टर भी तनु को उस के साथ वाला ही मिला है, कई बार उस से शिफ्ट करने के बारे में पूछ चुकी थी. तनु थी कि बस, आजकल करती टाल रही थी.

सच तो यह है कि तनु ने उस दिन आहत हो कर क्वार्टर के लिए आवेदन कर दिया था और ले भी लिया, पर इस उम्र में पति से अलग होने की हिम्मत वह जुटा नहीं पा रही थी. यह उस के मध्यवर्गीय संस्कार ही थे जिन का प्रणव ने हमेशा ही मजाक उड़ाया है.

ऐसे ही एक महीना बीत गया. इस बीच कई बार छोटीमोटी बातें हुईं पर तनु ने अब खुद को तटस्थ कर लिया, लेकिन वह भूल गई थी कि प्रणव के विस्फोट का एक बहाना उस ने स्वयं ही उसे थाली में परोस कर दे दिया है.

कालिज से मिलने वाली तनख्वाह बेशक प्रणव ने कभी उस से नहीं ली और न ही बैंक में जमा पैसे का कभी हिसाब मांगा पर तनु अपनी तनख्वाह का चेक हमेशा ही प्रणव के हाथ में रखती रही है. वह भी उसे बिना देखे लौटा देते हैं. इतने वर्षों से यही नियम चला आ रहा है.

तनु ने जब इस महीने भी चेक ला कर प्रणव को दिया तो उस पर एक नजर डाल कर वह पूछ बैठे, "इस बार चेक में अमाउंट कम क्यों है?"

पहली बार ऐसा सवाल सुन कर तनु चौंक गई. उस ने सोचा ही नहीं था कि प्रणव चेक को इतने गौर से देखते हैं. अब उसे बताना ही पड़ा, "अगले महीने से ठीक हो जाएगा. इस महीने शायद स्टाफ क्वार्टर के कट गए होंगे."

अभी उस का वाक्य पूरा भी नहीं हुआ था, "स्टाफ क्वार्टर के किस का तुम्हारा कब लिया क्यों लिया और मुझे बताया भी नहीं?"

तनु से जवाब देते नहीं बना. बहुत मुश्किल से टूटेफूटे शब्द निकले, "एकडेढ़ महीना हो गया मैं बताना चाह रही थी लेकिन मौका ही नहीं मिला वैसे भी अब मैं उसे वापस करने की सोच रही हूं "

"एक महीने से तुम्हें मौका नहीं मिला मैं मर गया था क्या? यों कहो कि तुम बताना नहीं चाहती थीं और जब लिया है तो वापस करने की क्या जरूरत है रहो उस में "

"नहीं नहीं, मैं ने रहने के लिए नहीं लिया "

"फिर किसलिए लिया है?"

"उस दिन आप ने ही तो मुझे घर से निकल जाने को कहा था."

"तो गईं क्यों नहीं अब तक मैं पूछता हूं अब तक यहां क्या कर रही हो?"

"आप की वजह से नहीं गई. समाज क्या कहेगा आप को कि इस उम्र में अपनी पत्नी को निकाल दिया आप क्या जवाब देंगे आप की जरूरतों का ध्यान कौन रखेगा?"

"मैं समाज से नहीं डरता किस में हिम्मत है जो मुझ से प्रश्न करेगा और मेरी जरूरतों के लिए तुम्हें परेशान होने की आवश्यकता नहीं है जिस के मुंह पर भी चार पैसे मारूंगा दौड़ कर मेरा काम करेगा मेरा खयाल कर के नहीं गई चार पैसे की नौकरी पर इतराती हो. अरे, मेरे बिना तुम हो क्या तुम्हें समाज में लोग मिसिज प्रणव राय के नाम से जानते हैं."

तनु का क्रोध आज फिर अपना चरम पार करने लगा, "चुप रहिए, मैं ने पहले ही कहा था कि अब मुझ से बरदाश्त नहीं होता. "

"कौन कहता है कि बरदाश्त करो अब तो तुम ने मकान भी ले लिया है. जाओ चली जाओ यहां से मैं भूल गया था कि तुम जैसी मिडिल क्लास को कोठीबंगले रास नहीं आते. तुम्हारे लिए तो वही २-३ कमरों का दड़बा ही ठीक है."

तनु इस अपमान को सह नहीं पाई और तुरंत ही अंदर जा कर अपना सूटकेस तैयार किया और वहां से निकल पड़ी. आंखों में आंसू लिए आज कोठी के फाटक को पार करते ही तनु को ऐसा लगा मानो कितने बरसों की घुटन के बाद उस ने खुली हवा में सांस ली है.

सारी रात आंखों में ही काट दी तनु ने अपने नए घर में सुबह ही झपकी लगी कि डोरबेल से आंख खुल गई. सोचा, शायद प्रणव होंगे पर प्रोफेसर दीप्ति थी.

"बाहर से ताला खुला देखा इसलिए बेल बजा दी. कब आईं आप?" शालीनता से पूछा था दीप्ति ने.

"रात ही में."

"ओह, अच्छा पता ही नहीं चला. और मिस्टर राय?"

"वह बाहर गए हैं तब तक दोचार दिन मैं यहां रह कर देखती हूं, फिर देखेंगे."

दीप्ति भेदभरी मुसकान से 'बाय' कह कर वहां से चल दी.

पूरा दिन निकल गया प्रतीक्षा में. तनु को बारबार लग रहा था प्रणव अब आए, तब आए. पर वह नहीं ही आए.

रात होतेहोते तनु ने अपने मन को समझा लिया था कि यह किस का इंतजार था मुझे? उस का जिस ने घर से निकाल दिया. अगर उन्हें आना ही होता तो मुझे निकालते ही क्यों सचमुच मैं उन की जिंदगी का अवांछनीय अध्याय हूं. लेकिन ऐसा तो नहीं कि मैं जबरदस्ती ही उन की जिंदगी में शामिल हुई थी

कालिज में मैं और निमिषा एक साथ पढ़ते थे. एक ही कक्षा और एक जैसी रुचियां होने के कारण हमारी शीघ्र ही दोस्ती हो गई. निमिषा और मुझ में कुछ अंतर था तो बस, यही कि वह अपनी कार से कालिज आती जिसे शोफर चलाता और बड़ी इज्जत के साथ कार का गेट खोल कर उसे उतारताबैठाता, और मैं डीटीसी की बस में सफर करती, जो सचमुच ही कभीकभी अंगरेजी भाषा का 'सफर' हो जाता था. मेरा मुख्य उद्देश्य था शिक्षा के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना और निमिषा का केवल ग्रेजुएशन की डिगरी लेना. इस के बावजूद वह पढ़ाई में बहुत बुद्धिमान थी और अभी भी है

ग्रेजुएशन करने तक मैं कभी निमिषा के घर नहीं गई अच्छी दोस्ती होने के बाद भी मुझे लगता कि मुझे उस से एक दूरी बनानी है कहां वह और कहां मैं लेकिन जब मैं ने एम.ए. का फार्म भरा तो मुझे देख उस ने भी भर दिया और इस तरह हम २ वर्ष तक और एकसाथ हो गए. इस दौरान मुझे दोचार बार उस के घर जाने का मौका मिला. घर क्या था, महल था.

मेरी हैरानी तब और बढ़ गई जब एम.फिल. के लिए मेरे साथसाथ उस ने भी आवेदन कर दिया. मेरे पूछने पर निमिषा ने कहा था, 'यार, मम्मीपापा शादी के लिए लड़का ढूंढ़ रहे हैं, जब तक नहीं मिलता, पढ़ लेते हैं. तेरे साथसाथ जब तक चला जाए ' बिना किसी लक्ष्य के निमिषा मेरे साथ कदम-दर-कदम मिलाती हुई बढ़ती जा रही थी और एक दिन हम दोनों को ही लेक्चरर के लिए नियुक्त कर लिया गया.

इस खुशी में उस के घर में एक भव्य पार्टी का आयोजन किया गया था. उसी पार्टी में पहली बार उस के भाई प्रणव से मेरी मुलाकात हुई. बाद में मुझे पता चला कि उस दिन पार्टी में मेरे रूपसौंदर्य से प्रभावित हो कर निमिषा के मम्मीपापा ने निमिषा की शादी के बाद मुझे अपनी बहू बनाने पर विचार किया, जिस पर अंतिम मोहर मेरे घर वालों को लगानी थी जो इस रिश्ते से मन में खुश भी थे और उन की शानोशौकत से भयभीत भी.

इस सब में लगभग एक साल का समय लगा. प्रणव कई बार मुझ से मिले, वह जानते थे कि मैं एक आम भारतीय समाज की उपज हूं शानोशौकत मेरे खून में नहीं लेकिन शादी के पहले मेरी यही बातें, मेरी सादगी, उन्हें अच्छी लगती थी, जो उन की सोसाइटी में पाई जाने वाली लड़कियों से मुझे अलग करती थी.

तनु को यहां रहते एक महीना हो चुका था. कुछ दिन तो दरवाजे की हर घंटी पर वह प्रणव की उम्मीद लगाती, लेकिन उम्मीदें होती ही टूटने के लिए हैं. इस अकेलेपन को तनु समझ ही नहीं पा रही थी. कभी तो अपने छोटे से घर में 55 वर्षीय प्रोफेसर डा. तनुश्री राय का मन कालिज गर्ल की तरह कुलाचें मार रहा होता कि यहां यह मिरर वर्क वाली वाल हैंगिंग सही लगेगी और यह स्टूल यहां नहीं इसे इस कोने में रख देती हूं.

घर में कपड़े.की वाल हैंगिंग लगाते समय तनु को याद आया जब वह जनपथ से यह खरीद कर लाई थी और उसे ड्राइंग रूम में लगाने लगी तो प्रणव ने कैसे डांट कर मना कर दिया था कि यह सौ रुपल्ली का घटिया सा कपड़े.का टुकड़ा यहां लगाओगी इस का पोंछा बना लो वही ठीक रहेगा नहीं तो अपने जैसी ही किसी को भेंट दे देना.

तनु अब अपनी इच्छा से हर चीज सजा रही थी. कोई मीनमेख निकालने वाला या उस का हाथ रोकने वाला नहीं था, लेकिन फिर भी जीवन को किसी रीतेपन ने अपने घेरे में घेर लिया था.

कालिज की फाइनल परीक्षाएं समाप्त हो चुकी थीं. सभी कहीं न कहीं जाने की तैयारियों में थे. प्रणव के साथ मैं भी हमेशा इन दिनों बाहर चली जाया करती थी सोच कर अचानक तनु को याद आया कि बेटा 'यश' के पास जाना चाहिए उस की शादी पर तो नहीं जा पाई थी फिर वहीं से बेटी के पास भी हो कर आऊंगी.

बस, तुरतफुरत बेटे को फोन किया और अपनी तैयारियों में लग गई. कितनी प्रसन्नता झलक रही थी यश की आवाज में. और ३ दिन बाद ही अमेरिका से हवाई जहाज का टिकट भी भेज दिया था.

फ्लाइट का समय हो रहा था ड्राइवर सामान नीचे ले जा चुका था, तनु हाथ में चाबी ले कर बाहर निकलने को ही थी कि दरवाजे पर दस्तक हुई, उफ, इस समय कौन होगा. देखा, दरवाजे पर प्रणव खड़े हैं.

क्षण भर को तो तनु किंकर्तव्य- विमूढ़ हो गई. उफ, २ महीनों में ही यह क्या हो गया प्रणव को. मानो बरसों के मरीज हों.

"कहीं जा रही हो क्या?" प्रणव ने उस की तंद्रा तोड़ते हुए पूछा.

"हां, यश के पास पर आप अंदर तो आओ."

"अंदर बैठा कर तनु प्रणव के लिए पानी लेने को मुड़ी ही थी कि उस ने तनु का हाथ पकड़ लिया, "तनु, मुझे माफ नहीं करोगी. इन २ महीनों में ही मुझे अपने झूठे अहम का एहसास हो गया. जिस प्यार और सम्मान की तुम अधिकारिणी थीं, तुम्हें वह नहीं दे पाया. अपने 'स्वाभिमान' के आवरण में घिरा हुआ मैं तुम्हारे अस्तित्व को पहचान ही नहीं पाया. मैं भूल गया कि तुम से ही मेरा अस्तित्व है. मैं तुम्हारे बिना अधूरा हूं यह सच है तनु, मैं तुम्हें बहुत प्यार करता हूं पहले भी करता था पर अपने अहम के कारण कहा नहीं, आज कहता हूं तनु, तुम्हारे बिना मैं मर जाऊंगा मुझे माफ कर दो और अपने घर चलो. बहू को पहली बार अपने घर बुलाने के लिए उस के स्वागत की तैयारी भी तो करनी है मुझे एक मौका दो अपनी गलती सुधारने का."

तनु बुढ़ापे में पहली बार अपने पति के प्यार से सराबोर खुशी के आंसू पोंछती हुई अपने बेटे को अपने न आ पाने की सूचना देने के लिए फोन करने लगा.

सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार गली कौर चंद एमएचआर मलोट

उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ, भू -राजनीतिक गठबंधन विकसित करना

विजय गर्ग

उन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक जहां दृश्यमान परिवर्तनों को जनवरी 2025 के बाद देखा जाएगा, यह संचार परिदृश्य भूवैज्ञानिक रूप से है। यह युग वैश्विक संचार के बहुत स्पीडवे को फिर से परिभाषित करने के लिए तैनात है, एक महत्वपूर्ण प्रश्न के साथः क्या हम संचार वितरण, सामग्री अभिविन्यास, आउटरीच तंत्र और उपकरणों में 360-डिग्री परिवर्तन के कगार पर हैं? भूवैधानिक रूप से, संचार पारिस्थितिकी तंत्र एक नई भाषा को गले लगाएगा-जो कि केंद्रित संदेश, परिणाम-चालित वितरण, और यथार्थवादी पैटर्न और वैश्विक प्रभावों की पहचान करने के लिए औसत दर्जे के परिणामों की प्राथमिकता है। जैसा कि दुनिया भू -राजनीतिक बदलाव के इस नए अध्याय में कदम रखती है, संचार रणनीतियाँ अधिक परिष्कृत, गतिशील और बहुआयामी होती जा रही हैं। घंटे की आवश्यकता यह है कि नए गठजोड़ को स्थानांतरित करने वाले राजनीतिक परिदृश्य और प्रमुख भू -राजनीतिक विकास में शामिल किया जाए। विकसित होने वाली राजनीतिक जलवायु पारंपरिक प्रतिमानों को चुनौती दे रही है, संचार विशेषज्ञों, राजनयिकों और नीति निर्माताओं को यह पुनर्विचार करने के लिए मजबूर करती है कि संदेश कैसे तैयार किए जाते हैं, वितरित किए जाते हैं, और एक वैश्विक मंच पर प्राप्त किए जाते हैं। ईआरए एक संचार ढांचे की मांग करता है जो न केवल सीमाओं को स्थानांतरित करता है, बल्कि पुल भी सटीक, रचनात्मकता और प्रामाणिकता के साथ विभाजित करता है।2025 में, ₹एक चित्र एक हजार शब्दों के लायक है₹ वाक्यांश अधिक अनुनाद पर ले जाता है। संदेश देने के लिए दृश्य संचार सबसे प्रभावशाली तरीका बन गया है।एक एकल, अच्छी तरह से तैयार की गई छवि में भावनाओं, विचारों और आख्यानों को व्यक्त करने की शक्ति होती है जो शब्दों को एनकैप्सुलेट करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। इस पर निर्माण, उदाहरण के लिए, शॉर्ट-फॉर्म वीडियो और 30-सेकंड रीलों का विस्फोट, परिदृश्य को और बदल दिया गया है। उनकी संक्षिप्तता और भावनात्मक गहराई उन्हें जनता की राय को आकार देने, समर्थन जुटाने और यहां तक कि तनाव को कम करने में अद्वितीय प्रभाव के उपकरण बनाती है। यह विकास भू -राजनीतिक क्षेत्र में संचारकों पर अपार जिम्मेदारी रखता है। कूटनीति, एक बार मुख्य रूप से बंद दरवाजों के पीछे आयोजित की जाती है, डिजिटल प्लेटफार्मों द्वारा प्रवर्धित क्यूरेटेड विजुअल, प्रतीकात्मक इशारों और रणनीतिक संदेश के माध्यम से सार्वजनिक डोमेन में तेजी से खेल रही है। विदेश नीति के लिए, चुनौती यह है कि संवेदनशीलता बनाए रखते हुए ट्रस्ट का निर्माण करने के लिए इन उपकरणों का उपयोग करते हुए, पारदर्शिता और रणनीति को संतुलित करना है। जैसा कि सोशल मीडिया ने अपनी तेजी से वृद्धि जारी रखी है, कई लोग पूछते हैं कि क्या पारंपरिक मीडिया अभी भी इस डिजिटल बाजीगरी के सामने अपनी जमीन पकड़ सकता है। सोशल मीडिया ने व्यक्तियों, सरकारों और संगठनों को अपने दर्शकों के लिए एक सीधा चैनल देते हुए, वैश्विक रूप से वैश्विक और लोकतांत्रिक संचार किया है। यह, सगाई और वायरल जाने की शक्ति पर पनपता है, जिससे यह भू -राजनीतिक संचार में एक आवश्यक उपकरण बन जाता है। हालांकि, पारंपरिक मीडिया अप्रचलित से दूर है। सूचना अधिभार के युग में, एक विश्वसनीय द्वारपाल के रूप में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। जबकि सोशल मीडिया इस समय का दूत है, पारंपरिक मीडिया गहराई, विश्लेषण और संदर्भ प्रदान करता है-ऐसे तत्व जो सूचित निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण हैं। संचार के लिए इस नए भू -राजनीतिक युग में प्रभावी होने के लिए, दो माध्यमों को एक -दूसरे को पूरक करना चाहिए, एक समग्र कथा का निर्माण करना चाहिए जो तत्काल और स्थायी दोनों है। आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस के उदय ने वैश्विक संचार में जटिलता की एक और परत को जोड़ा है। एआई-चालित एनालिटिक्स दर्शकों के व्यवहार, वरीयताओं और भावनाओं में अभूतपूर्व अंतर्दृष्टि को सक्षम करते हैं, इसके लिए अनुमति देते हैंहाइपर-पर्सनलाइज्ड मैसेजिंग। ये उपकरण राजनयिकों और विदेश नीति विशेषज्ञों के लिए अमूल्य हैं, जो अब अपार सटीकता के साथ संदेशों को शिल्प कर सकते हैं और अधिक सटीकता के साथ उनके प्रभाव की भविष्यवाणी कर सकते हैं। हालांकि, इन प्रगति के साथ नैतिक दुविधाएं आती हैं। रणनीतिक संचार और हेरफेर के बीच की रेखा आसानी से धुंधला हो सकती है, जवाबदेही और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत ढांचे की आवश्यकता होती है। जैसे -जैसे संचार परिदृश्य अधिक जटिल हो जाता है, कुशल विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है। ये पेशेवर केवल सूचना के लिए चैनल नहीं हैं, वे रणनीतिकार, विश्लेषक और रचनाकार हैं जो विविध और तेजी से बदलती दुनिया में संदेश की बारीकियों को समझते हैं। पारंपरिक मीडिया को डिजिटल नवाचारों और दर्शकों-केंद्रित दृष्टिकोणों को गले लगाने के लिए प्रासंगिक बने रहने के लिए विकसित होना चाहिए। इस बीच, सोशल मीडिया को गलत सूचना, ध्रुवीकरण और गूंज कक्षों के मुद्दों से जूझना चाहिए, एक मंच बनने का प्रयास करना चाहिए जो विभाजित होने के बजाय एकजुट हो। इस युग में, संचार अब केवल एक संदेश देने के बारे में नहीं है; यह धारणाओं को आकार देने, संबंधों के निर्माण और ड्राइविंग कार्रवाई के बारे में है। जैसे-जैसे दुनिया तेजी से परस्पर जुड़ती जाती है, प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता नव-सामूहिक रूप से राजनीतिक युग की जटिलताओं को नेविगेट करने में सबसे शक्तिशाली उपकरणों में से एक होगी। गठबंधनों को स्थानांतरित करने और वैश्विक प्राथमिकताओं को विकसित करने से चिह्नित युग में, बहुपक्षीय संस्थानों को चुनौतियों और अवसरों दोनों का सामना करना पड़ता है। प्रमुख देशों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ढांचे के लिए प्रतिबद्धताओं के पुनः काम ने वैश्विक सहमति की नाजुकता को नोटिस किया है, सार्वजनिक स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक असमानता जैसी साझा चुनौतियों को संबोधित करने में इन संस्थानों की भूमिका और प्रासंगिकता के बारे में सवाल उठाते हैं। यह स्थानांतरण परिदृश्य सामूहिक जिम्मेदारी पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने के साथ बहुपक्षीय स्थानों के भीतर कूटनीति के लिए अधिक बारीक दृष्टिकोण के लिए कहता है। इन संस्थानों के लिए एक जटिल भू -राजनीतिक जलवायु में पनपने के लिए, उन्हें पारदर्शिता को बढ़ावा देने, विविध हितधारकों को संलग्न करने और कार्रवाई को चलाने की उनकी क्षमता को बढ़ाने के लिए संचार प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाना चाहिए। चाहे एक कैमरे के लेंस के माध्यम से, एक ट्वीट की पहुंच, या एक खोजी रिपोर्ट की गहराई, हम जो कहानियां बताते हैं और हम उन्हें कैसे बताते हैं, वह दुनिया को उन तरीकों से आकार देगा जो हम केवल समझने लगे हैं।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट

कहानी : पत्नी की मुस्कान, सांसत में जान

विजय गर्ग

पत्नी जब मुस्कुराती है तो अच्छे-अच्छे पतियों को नानी याद आ जाती है। पति जानता है कि पत्नी वैसे ही खाली-पीली नहीं मुस्कुराती। उसकी मुस्कुराहट के पीछे कई राज़ होते हैं। पत्नी को मुस्कुराते देख कई पतियों का तो दिल बैठ जाता है। पत्नी जब मुस्कुराती है तो अक्सर दो बातों की संभावना होती है। या तो पति की जेब पर डाका पड़ने वाला है या पति का कोई राज़ पत्नी को मालूम चल गया है। दोनों ही स्थितियों में पति की शामत ही समझो। एक दुस्साहसी पति ने अपनी मुस्कुराती पत्नी से इसका कारण पूछा तो पत्नी बोली, 'अब क्या मैं मुस्कुरा भी नहीं सकती। आप तो जब-तब अट्टहास करते रहते हो। मेरे मुस्कुराने पर भी बैन लगाओगे?'

'अरे भई मैं तो सिर्फ मुस्कुराने का कारण पूछ रहा हूं। कोई तो वजह होगी या यूं ही...।'

'तो मैं यूं ही मुस्कुरा नहीं सकती? जरूरी है क्या मुस्कुराने के पीछे कोई वजह हो।' पत्नी के तेवर बदल चुके थे। वह मुस्कुराहट से सीधे डांट-डपट वाले भाव में आ गई थी। 'नाराज क्यों हो रही हो, मैंने तो वैसे ही पूछ लिया था।' पति डरते-सहमते बोला।

'जब मेरे मुस्कुराने पर तुम्हें आपत्ति है तो मेरे हंसने पर क्या करोगे। वैसे भी तुमसे शादी के बाद तो मैं हंसना-मुस्कुराना ही भूल गई हूं। मुझे याद है पिछली बार मायके गई थी, वहां हंसना-हंसाना हुआ था। हर समय रोनी सूरत बनाए रखते हो, तुम्हारे चढ़े हुए थोबड़े को देखकर भला कौन मुस्कुरा सकता है।' पत्नी के मुंह से दे-दनादन क्रांतिकारी शब्दों का उत्पादन होने लगा था। पति को महसूस हो गया था कि उसने पत्नी से उसकी मुस्कान के बारे में पूछकर बर्र के छत्ते में हाथ दे दिया है।

'चलो जाने दो...। यह बताओ आज खाने में क्या बनाया है।' पति ने विषय बदलते हुए कहा।

'बदल दी न बात। तुम से कुछ कहो तो झट बात बदल लेते हो। इसीलिए तो मेरी मुस्कान चली गई है। थोड़ी भी हंसने-मुस्कुराने की वजह आई नहीं कि पूछताछ करने लगते हो। अब इंसान क्या किसी वजह से ही हंसे-मुस्कुराए? बिना बात भी तो मुस्कुरा सकता है। तुम्हारा तो एक ही काम है। जब देखो तब यही पूछते रहते हो कि आज खाने में क्या बनाया है...। जो बन जाए खा लेना। मैं कौन से छप्पन भोग खाऊंगी, वही खाऊंगी जो तुम्हारे लिए बनेगा। जब भी हंसती-मुस्कुराती हूं, पूछने लगते हो खाने में क्या बनाया है। आदमी क्या खाने के लिए ही जी रहा है?' पति को काटो तो खून नहीं।

'मैंने तो बस तुम्हारे मुस्कुराने की वजह ही तो पूछी थी, कौन-सा गुनाह कर दिया।' पति अब झल्लाने लगा था।

'तो मैंने ऐसा क्या कह दिया, जो तुम इतना झींक रहे हो। बात ही तो कर रही हूं। अब कुछ कह-सुन भी नहीं सकती क्या...।' पत्नी टप-टप आंसू गिराने लगी थी। पति हतप्रभ था। क्या करता। पत्नी को मनाने में लग गया।

होम लोन हुआ सस्ता, 6 बैंकों ने घटाई ब्याज दर; क्या आपका बैंक भी है इनमें शामिल?

परिवहन विशेष न्यूज

होम लोन की ब्याज दर में कटौती आरबीआई के रेट कट के बाद कई बैंकों ने RLLR में कमी की है। इससे होम लोन लेने वाले ग्राहकों को राहत मिलेगी। नए होम लोन सस्ते होंगे और मौजूदा ग्राहकों की EMI में कमी आ सकती है। ग्राहक चाहें तो अपनी EMI कम कराने की जगह अपने लोन के टेन्योर को कम करा सकते हैं।

नई दिल्ली। पिछले दिनों आरबीआई ने रेपो रेट में कटौती की थी। अब देश के 6 बड़े बैंकों ने होम लोन पर ब्याज दर घटा दी है। इसमें केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (PNB), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे दिग्गज बैंक शामिल हैं। उन्होंने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (RLLR) में 0.25 फीसदी तक की कटौती की है।

RLLR क्या है ?

RLLR यानी रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट वह दर होती है, जिस पर बैंक ग्राहकों को लोन देते हैं। यह सीधे RBI के रेपो रेट से लिंक्ड होती है। जो ग्राहक RLLR लिंक्ड होम लोन का विकल्प चुनते हैं, उनकी ब्याज दर RBI की रेपो रेट में बदलाव के हिसाब से कम होती है या बढ़ती है। होम लोन में ज्यादातर ग्राहक फ्लोटिंग रेट की चुनते हैं, जो RLLR से जुड़े होते हैं। RLLR में कटौती के बाद बैंक ग्राहकों को EMI घटाने या फिर लोन की अवधि कम कराने का विकल्प देते हैं।

किन बैंकों ने लोन पर ब्याज दर घटाई?

RBI के रेपो रेट घटाने के बाद, देश के 6 प्रमुख बैंकों ने होम लोन की ब्याज दरें कम कर दी हैं। आइए जानते हैं कौन-कौन से बैंक इसमें शामिल हैं और उनके नए रेट क्या हैं:

केनरा बैंक

केनरा बैंक ने अपनी RLLR को 9.25 फीसदी से घटाकर 9.00 फीसदी कर दिया है। यह नई दर 12 फरवरी 2025 से लागू होगी। यह कटौती उन खातों पर लागू होगी, जो 12 फरवरी 2025 के बाद खोले गए हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (RLLR) को 8.90 फीसदी कर दिया है। यह नई दर 10 फरवरी 2025 से लागू होगी। बैंक के मौजूदा और नए ग्राहकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

बैंक ऑफ इंडिया

बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी RLLR को 9.35 फीसदी से घटाकर 9.10 फीसदी कर दिया है। यह नई ब्याज दर 7 फरवरी 2025 से लागू हो गई है। इससे नए और पुराने दोनों ग्राहकों की EMI कम होगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी RLLR को 9.25 फीसदी से घटाकर 9.00 फीसदी कर दिया है। यह नई दर 11 फरवरी 2025 से प्रभावी होगी। इससे नए होम लोन लेने वालों को ब्याज में राहत मिलेगी।

इंडियन ओवरसीज बैंक

इंडियन ओवरसीज बैंक (IOB) ने अपनी RLLR में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है, जिससे यह 9.35 फीसदी से घटकर 9.10 फीसदी हो गई है। यह बदलाव 11 फरवरी 2025 से लागू होगा।

6. पंजाब नेशनल बैंक (PNB)

PNB ने भी अपनी RLLR को 9.25 फीसदी से घटाकर 9.00 फीसदी कर दिया है। यह नई दर 10 फरवरी 2025 से प्रभावी होगी। इस फैसले से PNB ग्राहकों को सस्ता होम लोन मिलेगा।

होम लोन ग्राहकों को क्या फायदा होगा?

बैंकों के RLLR में कमी करने से होम लोन लेने वाले ग्राहकों को राहत मिलेगी। इससे नए होम लोन सस्ते होंगे और मौजूदा ग्राहकों की EMI में कमी आ सकती है। ग्राहक चाहें तो EMI कम कराने के बजाय लोन के टेन्योर को कम करा सकते हैं। इससे उन्हें ब्याज चुकाने वाली रकम को कम करने में मदद मिलेगी।

इनकम टैक्स में राहत से एक लाख करोड़ की होगी बचत, पढ़िए किन सेक्टर्स को मिल सकता है बड़ा फायदा

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त मंत्री निर्मल सीतारमण ने बजट 2025 पेश किया। इसमें 12 लाख तककी इनकम को टैक्स फ्री कर दिया। इनकम टैक्स में राहत से एक लाख करोड़ की बचत होने का अनुमान है। इनकम टैक्स में राहत से वाहन व प्रोसेस्ड फूड सेक्टर को बड़ा प्रोत्साहन मिल सकता है। पढ़िए किन सेक्टर्स को इस राहत से बड़ा फायदा मिल सकता है।

नई दिल्ली। आगामी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पेश बजट में सरकार ने इनकम टैक्स में एक लाख करोड़ की जो राहत दी है, उससे गैर खाद्य पदार्थ श्रेणी में वाहन तो खाद्य पदार्थों की श्रेणी में प्रोसेस्ड फूड व बेवरेज सेक्टर को बड़ा प्रोत्साहन मिलने जा रहा है। एसबीआई ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है।

एसबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक इस एक लाख करोड़ की जो बचत होगी और उसमें अगर 0.7 मार्जिनल प्रोपेन्सिटी खपत मान लेते हैं तो आने वाले वर्षों में अर्थव्यवस्था में 3.3 लाख करोड़ रुपए की खपत होने का अनुमान है, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बड़ा बूस्ट मिल सकता है।

जीएसटी कलेक्शन में होगा 40 हजार करोड़ का इजाफा

इस अतिरिक्त खपत से जीएसटी संग्रह में 40,000 करोड़ का इजाफा हो सकता है जिससे राज्यों को 28,000 करोड़ की अतिरिक्त आय होगी। एसबीआई का मानना है कि एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मनोरंजन, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट जैसे तमाम सेक्टर को खपत में होने वाली इस बढ़ोतरी का लाभ मिलने जा रहा है।

..इस तरह जीडीपी को 0.6 प्रतिशत बढ़ने में मिलेगी मदद

इससे इन सेक्टर की सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में एक प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है जिससे जीडीपी को 0.6 प्रतिशत तक बढ़ाने में मदद मिलेगी। खाने-पीने पर होने वाली खपत में बढ़ोतरी से खाद्य पदार्थों से जुड़े सेक्टर को भी लाभ मिलेगा।

इनकम टैक्स में राहत से होगी एक लाख करोड़ के टैक्स की बचत

रिपोर्ट के मुताबिक 3.3 लाख करोड़ में से 199056 करोड़ रुपए गैर खाद्य पदार्थों पर तो 130944 करोड़ खाद्य पदार्थों पर खर्च होंगे। खाद्य पदार्थों में सबसे अधिक 37257 करोड़ प्रोसेस्ड फूड व बेवरेज सेक्टर पर खर्च होने का अनुमान है। इनकम टैक्स में राहत से एक लाख करोड़ रुपए के टैक्स की बचत होगी और 8-12 लाख सालाना कमाने वाले वर्ग सबके अधिक लाभान्वित होंगे क्योंकि टैक्स देने वालों की संख्या में सबसे अधिक इस वर्ग के लोग है।

गैर खाद्य पदार्थ में किन सेक्टर पर कितने होंगे खर्च (करोड़ में)

वाहन -27918
ड्यूरेबल गुड्स -22671
कपड़े -15840
फुटवियर -2838
मेडिकल-12837
पान-गुटका -7821
फ्यूल व लाइट -18447
टायलट व अन्य घरेलू सामान -16995
शिक्षा -19701
उपभोक्ता वस्तु -18876
मनोरंजन -5841
किराया -21714

क्यों बदल रहा 64 साल पुराना टैक्स कानून; ग्रेच्युटी, पेंशन और VRS में क्या हुआ बदलाव?

नई दिल्ली। 64 साल पुराने आयकर कानून 1961 के सरलीकरण और इसमें चले आ रहे बेवजह के प्रविधानों को समाप्त करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोक सभा में इनकम टैक्स बिल 2025 को पेश किया। इस बिल में वर्तमान इनकम टैक्स कानून की तुलना में 24 अध्याय और 2,52,859 शब्दों को कम कर दिया गया है। 283 सेक्शन हटा दिए गए हैं तो 39 नए टेबल और 46 फॉर्मूला जोड़े गए हैं।

विपक्ष सदस्यों के एतराज के बीच ध्वनि मत से बिल पेश करने की मंजूरी दी गई। वित्तमंत्री ने आयकर कानून में संशोधन के लिए यह बहुप्रतीक्षित बिल लोकसभा में पेश कर दिया। हालांकि सरकार ने खुद ही बिल को संसदीय समीक्षा के लिए भेजने की पहल करते हुए स्पीकर ओम बिरला से विधेयक को संसद की प्रवर समिति (सेलेक्ट कमेटी) में भेजने का आग्रह किया। प्रवर समिति का गठन स्पीकर करेंगे और अगले मानसून सत्र के आखिर तक इसे अपनी रिपोर्ट संसद में पेश करनी होगी।

नया आयकर विधयेक 2025 इनकम टैक्स कानून 1961 का स्थान लेगा। वर्ष 2026 के अप्रैल से प्रस्तावित नए आयकर कानून को लागू किए जाने का प्रस्ताव है। नए बिल को तैयार करने के लिए औद्योगिक विशेषज्ञों एवं टैक्स प्रोफेशनल्स के साथ गहन विचार विमर्श करने के अलावा ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के टैक्स प्रारूप का भी अध्ययन किया गया।

प्रस्तावित इनकम टैक्स कानून में टैक्स दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। टैक्स की पुरानी व्यवस्था को भी कायम रखा गया है। प्रस्तावित कानून के मुताबिक इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने के दौरान इस्तेमाल होने वाले मूल्यांकन वर्ष की जगह टैक्स ईयर शब्दावली का प्रयोग किया जाएगा ताकि भ्रम जैसी कोई स्थिति न पैदा हो। टैक्स नीति में भी कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है। मुख्य रूप से इनकम टैक्स कानून के प्रारूप का सरलीकरण किया गया है।

इनकम टैक्स कानून 1961 को एक अप्रैल, 1962 से लागू किया गया था और तब से लेकर अब तक इस कानून में 65 बार संशोधन के जरिए 4000 बदलाव किए जा चुके हैं। इन सभी बदलावों को एक जगह आसान भाषा में प्रस्तावित कानून में प्रस्तुत किया गया है। पिछले कुछ सालों में टैक्स कानून में पारदर्शिता लाने के लिए फेसलेस अपील जैसे जो भी प्रविधान किए गए हैं, उन सभी को प्रस्तावित कानून में डाला गया है। इस बार फरवरी में पेश वित्तीय बिल को प्रस्तावित कानून में रखा गया है।

प्रस्तावित आयकर कानून में वेतनभोगियों के वेतन से जुड़े सभी प्रविधानों को एक जगह पर समाहित दिया गया है ताकि वेतन भोगी खुद भी उसे पढ़कर समझ सके और अपना रिटर्न भरने के लिए उन्हें अलग से किसी अध्याय का पन्ना नहीं पलटना पड़े। ग्रेच्युटी, छुट्टी के बदले नकदी, पेंशन की बिक्री, वीआरएस, क्षतिपूर्ति जैसी तमाम चीजों को वेतन अध्याय का पार्ट बना दिया गया है।

कमजोर नतीजों के बाद नैटको फार्मा के शेयर धड़ाम, निवेशकों में स्टॉक बेचने की होड़

परिवहन विशेष न्यूज

नैटको फार्मा के शेयरों में पिछले काफी समय से लगातार गिरावट देखी जा रही है। इसने पिछले 6 महीने में करीब 33 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न दिया है। हालांकि बीते एक साल में निवेशकों ने इससे 15 फीसदी का मुनाफा कमाया है। इसका मार्केट कैप घटकर 17 .7 हजार करोड़ रुपये आ गया है। इसका एक साल का हाई लेवल 1639 .00 रुपये है। वहीं एक साल का लो-लेवल 829 .60 रुपये है।

नई दिल्ली। नैटको फार्मा लिमिटेड के शेयरों में गुरुवार को 20 फीसदी की गिरावट आई, क्योंकि कंपनी ने दिसंबर तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ में 37.75 फीसदी की गिरावट दर्ज की। बीएसई पर शेयर 19.86 फीसदी गिरकर 975 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह 19.99 फीसदी गिरकर 975.05 रुपये पर आ गया। इससे माना जा रहा है कि फार्मा कंपनियों के लिए चुनौतियां बढ़ रही हैं।

नैटको फार्मा लिमिटेड ने बुधवार को अपने तिमाही नतीजे जारी करते हुए बताया कि दिसंबर तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ में 37.75 फीसदी की गिरावट आई और यह 132.4 करोड़ रुपये रहा। इसकी वजह फॉर्मूलेशन एक्सपोर्ट में गिरावट रही। नैटको फार्मा ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 212.7 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया था।

समीक्षाधीन तिमाही में ऑपरेशन से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू 474.8 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी अवधि में यह 758.6 करोड़ रुपये था। तीसरी तिमाही में फॉर्मूलेशन निर्यात पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 605.6 करोड़ रुपये की तुलना में कम होकर 285.8 करोड़ रुपये रहा। नैटको फार्मा ने कहा कि घरेलू बाजार में फॉर्मूलेशन की बिक्री 96.1 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 99.4 करोड़ रुपये थी।

नैटको फार्मा के शेयरों का हाल

नैटको फार्मा के शेयरों में पिछले काफी समय से लगातार गिरावट देखी जा रही है। इसने पिछले 6 महीने में करीब 33 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न दिया है। हालांकि, बीते एक साल में निवेशकों ने इससे 15 फीसदी का मुनाफा कमाया है। इसका मार्केट कैप घटकर 17.7 हजार करोड़ रुपये आ गया है। इसका एक साल का हाई लेवल 1,639.00 रुपये है। वहीं, एक साल का लो-लेवल 829.60 रुपये है।

कंपनी ने शेयर बाजारों को यह भी बताया है कि नैटको फार्मा के डायरेक्टर और एग्जिक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (टेक्निकल ऑपरेशंस) डॉ. नवन गणपति भट ने रिजाइन दे दिया है। यह इस्तीफा 12 फरवरी 2025 से प्रभावी होगा। भट ने कंपनी के बाहर नए अवसर तलाशने के लिए इस्तीफा दिया है।

क्या करती है नैटको फार्मा

नैटको फार्मा हैदराबाद हेडक्वॉर्टर वाली मल्टीनेशनल फार्मा कंपनी है। कंपनी तैयार खुराक फॉर्मूलेशन, एक्टिव फार्मास्युटिकल सामग्री और एग्रो केमिकल प्रोडक्ट बनाती है। यह ब्रांडेड ऑन्कोलॉजी दवाओं, कार्डियोलॉजी, डायबिटीज और अन्य फार्मा विशेष दवाओं की प्रमुख उत्पादक है।

आयकर अधिनियम 1961 से 2025 तक: सरलता की ओर बढ़ता कर कानून

संजय अग्रवाला, जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल

भारत में कराधान प्रणाली समय के साथ विकसित हुई है और इसका प्रमुख आधार आयकर अधिनियम, 1961 रहा है। यह अधिनियम दशकों से देश में प्रत्यक्ष कराधान का मुख्य ढांचा प्रदान करता आया है। हालाँकि, आर्थिक परिदृश्य, व्यापारिक जटिलताओं और तकनीकी प्रगति को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने ₹आयकर विधेयक, 2025₹ प्रस्तावित किया है, जो इस मौजूदा कानून को प्रतिस्थापित करने का प्रयास करेगा। इस प्रस्तावित विधेयक में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए हैं, जिनमें शब्दों की संख्या, अध्यायों, धाराओं, तालिकाओं और गणनाओं (फ़ॉर्मूलों) में व्यापक संशोधन शामिल हैं।

आयकर अधिनियम, 1961 में कुल 5,12,535 शब्द थे, जबकि आयकर विधेयक, 2025 में यह संख्या घटकर 2,59,676 रह गई है। इसका अर्थ है कि नए विधेयक में लगभग 2,52,859 शब्द कम कर दिए गए हैं। इस महत्वपूर्ण कटौती का मुख्य उद्देश्य अधिनियम की भाषा को सरल, संक्षिप्त और अधिक बोधगम्य बनाना है। वर्षों से, कर कानूनों को जटिल माना जाता रहा है, जिससे करदाताओं, कर पेशेवरों और यहाँ तक कि कर अधिकारियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। नई पहल का उद्देश्य इस जटिलता को कम करना और इसे अधिक सहज और पारदर्शी बनाना है। सरल भाषा और कम शब्दों का उपयोग यह सुनिश्चित करेगा कि करदाताओं को अपने दायित्वों को समझने में आसानी हो और वे कर अनुपालन को अधिक सहजता से अपना सकें। इसके अतिरिक्त, इससे कानूनी विवादों में भी कमी आ सकती है, क्योंकि अस्पष्ट शब्दावली की संभावनाएँ कम होंगी, जिससे कर कानूनों की व्याख्या में एकरूपता आएगी।

आयकर अधिनियम, 1961 में कुल 47 अध्याय थे, जबकि प्रस्तावित आयकर विधेयक, 2025 में यह संख्या घटकर मात्र 23 रह गई है। इसका अर्थ है कि 24 अध्यायों को या तो हटा दिया गया है या फिर उनका पुनर्गठन किया गया है। यह बदलाव भी कानून को सरल और व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अध्यायों की संख्या में कमी का अर्थ यह है कि कराधान से जुड़े विभिन्न पहलुओं को अधिक व्यापक श्रेणियों में समाहित किया गया है, जिससे करदाताओं को अपनी संबंधित आवश्यकताओं के अनुसार कानून को समझने में आसानी होगी। इससे अनुपालन लागत में कमी आएगी, क्योंकि कर सलाहकारों और वकीलों की सेवाएँ लेने की आवश्यकता पहले की तुलना में कम हो सकती है।

आयकर अधिनियम, 1961 में कुल 819 धाराएँ थीं, जबकि आयकर विधेयक, 2025 में इनकी संख्या घटकर 536 रह गई है। इसका अर्थ है कि 283 धाराएँ या तो हटा दी गई हैं या उन्हें पुनर्गठित किया गया है। यह उन अनुपयोगी या अप्रासंगिक प्रावधानों को हटाने का प्रयास है जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता खो चुके थे। वित्तीय प्रणाली में हो रहे परिवर्तनों, डिजिटल लेन-देन के बढ़ते प्रभाव और वैश्विक मानकों के अनुकूल कर प्रणाली को अपनाने की आवश्यकता को देखते हुए, कई धाराएँ अद्यतन की गई है। धाराओं की संख्या में कमी से कर अधिकारियों के लिए कानूनों को लागू करना भी आसान होगा, क्योंकि उन्हें कम लेकिन अधिक स्पष्ट प्रावधानों के आधार पर कार्य करना होगा।

जहाँ एक ओर शब्दों, अध्यायों और धाराओं में कमी आई है, वहीं तालिकाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आयकर अधिनियम, 1961 में केवल 18 तालिकाएँ थीं, जबकि नए विधेयक में इनकी संख्या बढ़कर 57 हो गई है। यह वृद्धि इस ओर संकेत करती है कि नए विधेयक में डेटा प्रस्तुति को अधिक महत्व दिया गया है। तालिकाओं के माध्यम से कर से संबंधित विवरणों को अधिक स्पष्ट और सुव्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, विभिन्न प्रकार की कर दरें, छूटों और कटौतियों की जानकारी, स्रोत पर कर कटौती (TDS) की दरें और विभिन्न श्रेणियों के करदाताओं के लिए अलग-अलग प्रावधानों को तालिकाओं के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। इससे करदाताओं और कर अधिकारियों के लिए सूचना को समझना और उसका अनुपालन करना अधिक सहज हो जाएगा।

आयकर अधिनियम, 1961 में केवल 6 गणनाएँ (फ़ॉर्मूले) थीं, जबकि नए विधेयक में इनकी संख्या बढ़कर 46 हो गई है। यह दर्शाता है कि कर गणनाओं को अधिक संरचित और सूत्रबद्ध किया गया है। गणनाओं में वृद्धि का उद्देश्य कर निर्धारण प्रक्रिया को अधिक स्वचालित और त्रुटिहीन बनाना है। उदाहरण के लिए, यदि किसी विशेष प्रकार की आय पर कर की गणना करने के लिए एक निश्चित सूत्र निर्धारित कर दिया जाए, तो इससे करदाताओं को सही कर राशि का आकलन करने में आसानी होगी। साथ ही, कर अधिकारियों के लिए भी ऑडिट और जांच प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष हो सकती है।

आयकर विधेयक, 2025 के ये बदलाव भारतीय कर प्रणाली में एक महत्वपूर्ण सुधार की ओर संकेत करते हैं। भाषा की जटिलता को कम करके और अनावश्यक प्रावधानों को हटाकर करदाताओं के लिए अनुपालन प्रक्रिया को अधिक सहज बनाया गया है। तालिकाओं और गणनाओं की संख्या में वृद्धि यह दर्शाती है कि सरकार कर निर्धारण और संग्रह प्रक्रिया को अधिक डेटा-संचालित और स्वचालित बनाना चाहती है। कानून की स्पष्टता बढ़ने से करदाताओं के लिए कर अनुपालन करना आसान होगा, जिससे स्वैच्छिक कर भुगतान को प्रोत्साहन मिलेगा और कर चोरी में कमी आ सकती है। स्पष्ट और संक्षिप्त प्रावधानों के चलते कर कानूनों की व्याख्या में कम असंगतता होगी, जिससे करदाताओं और कर अधिकारियों के बीच विवादों की संख्या में कमी आ सकती है।

कुल मिलाकर, आयकर विधेयक, 2025, भारतीय कर प्रणाली को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और करदाताओं के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम प्रतीत होता है। हालाँकि, इस विधेयक के प्रभावों का वास्तविक मूल्यांकन इसके कार्यान्वयन के बाद ही किया जा सकेगा, जब करदाता और व्यवसाय इसे व्यावहारिक रूप से अपनाएँगे। लेकिन यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि यह विधेयक भारत में कर सुधार की दिशा में एक साहसिक और सकारात्मक प्रयास है।

सोना फिर 88,000 रुपये के पार, चांदी भी 800 चमकी; चेक करें लेटेस्ट प्राइस

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुवार को सोने की कीमत 140 बढ़कर 88100 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। चांदी 800 उछलकर 98000 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत रुझानों और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के नए टैरिफ फैसलों के कारण सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बढ़ी। एमसीएक्स पर सोने और चांदी दोनों में तेजी देखी गई। निवेशक अब प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (PPI) डेटा का इंतजार कर रहे हैं।

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुझानों के चलते गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 140 रुपये बढ़कर 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार, इससे पहले बुधवार को 99.9% शुद्धता वाला सोना 87,960 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं, 99.5% शुद्धता वाले सोने की कीमत 140 रुपये बढ़कर 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जो पिछले बंद भाव 87,560 रुपये प्रति 10 ग्राम थी।

चांदी की कीमत में भी जोरदार उछाल देखने को मिला। गुरुवार को चांदी 800 रुपये चढ़कर 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 97,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

ट्रंप के टैरिफ वॉर ने बढ़ाई सोने की मांग

HDFC सिक्योरिटीज के सीनियर एनालिस्ट (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, 'गुरुवार को सोना हालिया गिरावट से उबरते हुए मजबूती के साथ कारोबार कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के घोषित नए टैरिफ जल्द लागू होने वाले हैं, जिससे सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बनी हुई है।'

गांधी ने आगे कहा कि निवेशक इस बात को लेकर चिंतित हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ फैसले से वैश्विक व्यापार युद्ध छिड़ सकता है, जिससे सोने जैसे सुरक्षित निवेश को मजबूती मिल रही है।

MCX पर सोने और चांदी में तेजी

MCX (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज) पर अप्रैल डिलीवरी के लिए सोने का वायदा भाव 364 रुपये बढ़कर 85,845 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। MCX पर चांदी वायदा भी 191 रुपये बढ़कर 95,693 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया।

LKP सिक्योरिटीज के वीपी (रिसर्च एनालिस्ट - कमोडिटी और करेंसी) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ₹अमेरिकी मुद्रास्फीति (CPI) डेटा में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं होने और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं दिखाने के बावजूद सोने की कीमतें फिर से चढ़ गई हैं।₹ उन्होंने कहा कि सोने की सुरक्षित निवेश की अपील बनी हुई है, जिससे कीमतों में मजबूती बरकरार है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना मजबूत

वैश्विक बाजारों में, कॉमेक्स (COMEX) पर अप्रैल डिलीवरी के लिए सोना 15.90 डॉलर प्रति औंस चढ़कर 2,944.60 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं, हाजिर सोना (स्पॉट गोल्ड) 12.72 डॉलर प्रति औंस यानी 0.44% की बढ़त के साथ 2,916.76 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। हालांकि, कॉमेक्स पर चांदी वायदा एशियाई बाजारों में 32.77 डॉलर प्रति औंस पर सपाट कारोबार कर रहा था।

आगे की दिशा PPI डेटा से तय होगी

कोटक सिक्योरिटीज की एवीपी (कमोडिटी रिसर्च) कायनात चैनवाला के मुताबिक, 'निवेशक अब प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (PPI) डेटा का इंतजार कर रहे हैं, जो गुरुवार को जारी किया जाएगा। यह डेटा भविष्य की मौद्रिक नीति और बुलियन (सोना-चांदी) की कीमतों पर प्रभाव डालेगा।'

पर्यावरण पाठशाला: एसडीजी मॉडल के तहत, क्या करना चाहिए ? : अंकुर शरण

आज जब पूरी दुनिया सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को अपनाकर एक स्थायी भविष्य की ओर बढ़ रही है, तब हमें भी अपने स्तर पर इन लक्ष्यों को समझने और अमल में लाने की जरूरत है। पर्यावरण पाठशाला (Paryavaran Paathshala) इसी दिशा में एक प्रभावी कदम है, जहां प्रकृति से सीखकर जीवन को संतुलित और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की पहल की जाती है।

एसडीजी मॉडल और पर्यावरण संरक्षण

संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 17 सतत विकास लक्ष्य (Sustainable Development Goals - SDGs) जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, सतत उपभोग और उत्पादन जैसे पहलुओं को शामिल करते हैं। पर्यावरण पाठशाला का उद्देश्य इन लक्ष्यों को ज़मीनी स्तर पर लागू करना और लोगों को इसके प्रति जागरूक बनाना है।

क्या करना चाहिए ?

1. जैव विविधता संरक्षण

केवल पेड़-पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और देखभाल भी जरूरी है।

स्थानीय वनस्पतियों और पक्षियों को बचाने के लिए 'मेरा घोंसला' जैसी पहल को अपनाना चाहिए, जिससे पक्षियों को सुरक्षित आवास मिले।

2. जल संरक्षण और प्रबंधन

वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना और जल अपव्यय को रोकने के लिए सामुदायिक प्रयास करने चाहिए।

स्कूलों और कॉलेजों में जल संरक्षण के व्यावहारिक कार्यक्रम चलाए जाएं, जिससे युवा पीढ़ी जल बचत के महत्व को समझे।

3. प्लास्टिक मुक्त समाज

व्यक्तिगत स्तर पर सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का उपयोग बंद करें।

सामूहिक प्रयासों से बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर प्लास्टिक प्रतिबंध को सख्ती से लागू करें।

4. सतत उपभोग और उत्पादन

लोकल और ऑर्गेनिक उत्पादों को प्राथमिकता दें, जिससे कार्बन फुटप्रिंट कम हो।

कृषि में जैविक तरीकों को अपनाकर पर्यावरण-अनुकूल खेती को बढ़ावा दें।

5. पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा

बच्चों को प्रकृति के साथ जोड़ने के लिए नियमित 'पर्यावरण पाठशाला' का आयोजन करें।

कार्यशालाओं और प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता बढ़ाएं।

परिणाम और भविष्य की दिशा

पर्यावरण पाठशाला का लक्ष्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि लोगों को पर्यावरण-संवेदनशील जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। यदि हम एसडीजी मॉडल के अनुसार छोटे-छोटे प्रयास करें, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए हम एक स्वच्छ, हरा-भरा और टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।

आइए, इस पहल से जुड़ें और एक सकारात्मक बदलाव की नींव रखें!

प्रिय युवा साथियों,

आज के दौर में भारत का युवा वर्ग एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। तकनीक, शिक्षा और रोज़गार के बढ़ते अवसरों के साथ-साथ नई चुनौतियाँ भी सामने आ रही हैं। ऐसे में हमें अपने मौलिक अधिकारों (Fundamental Rights) की समझ होनी चाहिए, क्योंकि ये अधिकार न केवल हमें स्वतंत्रता प्रदान करते हैं, बल्कि हमारी उन्नति और सुरक्षा के लिए भी आवश्यक हैं।

संविधान द्वारा दिए गए मौलिक अधिकार हमें समानता, स्वतंत्रता, शिक्षा, अभिव्यक्ति और जीवन के बुनियादी अधिकारों की गारंटी देते हैं। ये अधिकार हमें जाति, धर्म, लिंग, भाषा और क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर उठकर एक विकसित समाज की ओर बढ़ने का अवसर देते हैं। लेकिन इसके साथ ही हमें यह भी समझना होगा कि अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्य भी आते हैं।

आज जब डिजिटल क्रांति ने हमें वैश्विक मंच दिया है, तब हमें अपने विचारों की स्वतंत्रता का सही उपयोग करना चाहिए। सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की आज़ादी एक शक्ति है, लेकिन इसका दुरुपयोग अफवाहें फैलाने या समाज में विद्वेष बढ़ाने के लिए नहीं होना चाहिए। इसी तरह, शिक्षा का अधिकार हमें केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रखता, बल्कि हमें ज्ञान का सही उपयोग कर अपने समाज और देश के विकास में योगदान देना चाहिए।

युवा साथियों, आपका कर्तव्य केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी है। अपने अधिकारों की रक्षा करें, लेकिन दूसरों के अधिकारों का भी सम्मान करें। न्याय, समानता और गरिमा की रक्षा करने में अपनी भूमिका निभाएँ।

आज का युवा जागरूक है, सक्षम है और भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। लेकिन इसके लिए आवश्यक है कि हम अपने मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों को समझें और उनका सही उपयोग करें।

"स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, जिम्मेदारी भी है।"

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे भारत का निर्माण करें जहाँ हर युवा अपने अधिकारों के प्रति सजग हो और अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करे।

आपका साथी
- अंकुर शरण

ये स्टेण्ड अप कॉमेडी नहीं क्राइम हैं, अश्लीलता फैलाने वाले बेहया यूट्यूबर्स पर कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए

आगरा, संजय साग़र सिंह।

समय रैना के कॉमेडी शो 'इंडिया गॉट लेटेंट' को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। शो में गेस्ट के तौर पर पहुंचे रणवीर इलाहाबादिया, आशीष चंचलानी और अपूर्वा गेस्ट बनकर पहुंचे थे। ये शो अश्लील कॉमेडी और डबल मीनिंग जोक्स के लिए जाना जाता है मगर इस बार कुछ ऐसा हुआ जिसकी लोगों ने कल्पना भी नहीं की थी। दरअसल रणवीर इलाहाबादिया ने शो के दौरान एक कंटेस्टेंट से भद्दा सवाल पूछ लिया था जो माता-पिता को लेकर था, सवाल इतना भद्दा था कि उसे हम यहां पर लिख भी नहीं सकते हैं। अब इस मामले पर विवाद शुरू हो गया हैं, इन सभी यूट्यूबरस पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के मामले में शिकायत दर्ज हो गई है। वहीं इस शो के खार स्थित स्टूडियो पर कार्यवाही के लिए पुलिस भी पहुंची थी, साथ ही राष्ट्रीय महिला आयोग भी कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। दूसरी तरह सामाजिक चिंतक एवं समाजसेवीयों ने भी मामले पर अपनी नाराजगी जाहिर की है।

डॉ उमेश शर्मा ने इस मामले पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ₹मजाक भी लिमिट में होना चाहिए। कॉमेडी और अश्लीलता में अंतर होता है। ये बेहया और बाहियात लोग कंटेंट क्रिएटर नहीं डिस्ट्रॉयर हैं - भारतीय संस्कृति के भारतीय संस्कार के भारतीय परंपराओं के भारतीय सभ्यता के भारतीय परिवार व्यवस्था के भारत की भावी पीढ़ी के भविष्य के भारतीय सामाजिक व्यवस्थाओं के भारतीय पारंपरिक मूल्यो के पवित्र संबंधो की मर्यादाओं के महिला सम्मान एवं सुरक्षा के माता-पुत्र भाई-बहन संबंधो के भारतीय विचारधारा के और देश के विनाशक है। ये लोग देश और सभ्य समाज के लिए भी बड़ा खतरा है। इन जैसे तथाकथित कॉमेडियन एवं युटुबर्स कैंसर से भी खतरनाक है। ज़ब तक हमारा भारत विश्व गुरु नहीं बन सकता तब तक ऐसे लोगो को यूथ आइकॉन मानकर सम्मानित किया जाता रहेगा, ऐसे बेहया लोग सम्मान के लायक नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा, सोशल मीडिया पर आजकल अश्लील फिल्म, अश्लील सीरियल, अश्लील वेब सीरीज, अश्लील कॉमेडी और अश्लील डायलॉग भारतीय समाज, भारतीय सभ्यता, भारतीय परंपरा, भारतीय संस्कृति, भारतीय संस्कार और युवाओं को बर्बाद करने के लिए ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर अश्लीलता परोसी जा रही है, यह सब रोकने के लिए अश्लीलता नियंत्रण कानून बेहद जरूरी है।₹

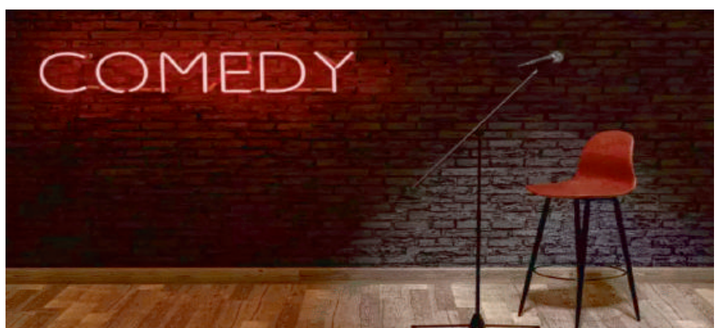

भारतीय समाज के लिए इन जैसे तथाकथित स्टेण्ड अप कॉमेडियन कैंसर से भी ज्यादा खतरनाक : एडवोकेट अरविन्द पुष्कर

यूट्यूबर के विवादित कमेंट पर उठे विवाद पर एडवोकेट अरविन्द पुष्कर ने कहा,₹ऐसे कई यूट्यूबर हैं जो समाज को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। ये स्टेण्ड अप कॉमेडी नहीं क्राइम हैं, समाज में अश्लीलता फैलाने वाले ऐसे बेहया यूट्यूबर्स पर कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए। चाहे कोई महिला हो या फिर पुरुष ऐसे जोक सोसायटी में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। किसी भी महिला के शरीर के अंग पर जोक करना अच्छा नहीं है। इस कॉमेडी शो में भद्दे तरीकों से चीजों को चलाया गया है। जो बहुत गलत है। फ्रीडम ऑफ स्पीच सबके लिए है लेकिन हमारी आजादी तब खत्म हो जाती है जब हम किसी और फ्रीडम में दखल देते हैं। ये सही नहीं है। हर चीज की मर्यादाएं हैं और हमारे संबिधान के क़ानून में नियम तय किए हैं। जो उसे तोड़ेगा उसके खिलाफ कर्रवाई की जाएगी। इस शो में की गई टिप्पणियां महिलाओं का अपमान करने के समान हैं और इस तरह के सभी चैनलों को तुरंत बंद कर देना चाहिए। साथ ही, इस तरह की टिप्पणियों पर तालियां बजना हमें चिंतित करता है। यह रचनात्मक नहीं है, यह बहुत ही विकृत है समझ से परे हैं और हम ऐसे विकृत व्यवहार को सामान्य नहीं मान सकते। इस बीमार टिप्पणी पर ज़ोरदार तालियां बजीं, हम सभी को चिंतित करता है। इन सभी कलाकारों में देश व समाज के प्रति ज़िम्मेदारी की कोई भावना नहीं है। इन पर भी उचित कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए क्युकी ये हमारी भारतीय संस्कृति नहीं है।

अश्लीलता फैलाने वाले ऐसे बेहया और बाहियात

यूट्यूबर्स को तुरंत अनसबस्क्राइब कर देना चाहिए : समाजसेवी पंकज जैन

यूट्यूबर स्टेण्ड अप कॉमेडियन समय रैना और रणवीर इलाहाबादिया के वीडियो को लेकर जब उनसे से सवाल किया गया तो समाजसेवी पंकज जैन ने कहा कि ये वीडियो बहुत हैरान करने वाला है। कुछ कॉमेडियन अपने शो में अश्लीलता और गाली-गलौज का इस्तेमाल करके भारतीय संस्कृति और मूल्यों के खिलाफ जा रहे हैं। इस तरह की सामग्री केवल समाज में नकारात्मक प्रभाव डालती है और आने वाली पीढ़ी को गलत दिशा में ले जाती है। यह भारतीय संस्कृति और स्टैंड-अप कॉमेडी का सही रूप नहीं है, बल्कि इसे एक अपराध की तरह देखा जाना चाहिए। ऐसे सभी शो पर बैन लगना चाहिए और लोगों को ऐसे बाहियात युटुबर्स को अनसबस्क्राइब कर देना चाहिए। ऐसे लोग इसे डिजर्व नहीं करते हैं। अगर, इस तरह की मानसिकता को तुरंत नहीं रोका गया, तो इसका परिणाम आने वाली पीढ़ी के लिए बेहद नकारात्मक हो सकता है। हम सभी का उद्देश्य भारतीय संस्कृति को बचाना और समाज के लिए सकारात्मक, प्रेरणादायक कंटेंट बनाने की अपील करना है।

राष्ट्रहित में तत्काल अश्लील और फूहड़ कंटेंट को सोशल मीडिया पर बंद किया जाना चाहिए : विजय पाल नरवार

समाजसेवी विजय पाल नरवार ने गुस्सा जाहिर करते हुए कहा, यह वाक्या एक अत्यंत सख्त और चिंताजनक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, इस तरह के तथाकथित स्टैंड-अप कॉमेडियन भारतीय समाज के लिए हानिकारक हैं, और उनके द्वारा फैलाए गए अश्लीलता और गाली-गलौज के प्रभाव को एक गंभीर खतरे के रूप में देखा जा रहा है। इन कॉमेडियन्स के कंटेंट से समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, खासकर युवाओं और आने वाली पीढ़ी पर। इसलिए इन के द्वारा फैलाई जा रही अश्लीलता और कंटेंट को तत्काल रोका जाना चाहिए, क्योंकि इनसे भारतीय समाज की संस्कृति और मूल्य प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे कॉमेडियन्स से मुकाबला करने के लिए कड़ी कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता है, ताकि समाज में स्वस्थ और सकारात्मक सोच को बढ़ावा दिया जा सके। इस तरह के अश्लील और फूहड़ कंटेंट को रोकना केवल एक मनोरंजन का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज की सांस्कृतिक धरोहर और आने वाली पीढ़ी के भविष्य से जुड़ा हुआ है। राष्ट्रहित में इसे तत्काल बंद किया जाना चाहिए।

सेवानिवृत्त प्राचार्य विजय गर्ग की पुस्तक, "इंटेलिजेंस क्वोटिएंट" लोकार्पण की

विजय गर्ग

नई दिल्ली। पुस्तक संख्यात्मक तर्क, मौखिक तर्क, स्थानिक तर्क में सुधार पर केंद्रित है, चाहे प्रतियोगी परीक्षा तैयार करने वाले छात्र, पेशेवर योग्यता परीक्षण, या बस अपनी मानसिक क्षमता को तेज करने के लिए देख रहे हैं, लेखक तर्क कौशल में सुधार के लिए अपनी गहरी अंतर्दृष्टि और सिद्ध तरीकों को साझा करता है । उनका दृष्टिकोण वास्तविक दुनिया प्रयोज्यता के साथ अकादमिक कठोरता को जोड़ती है, यह सुनिश्चित करना कि पाठक दोनों बुद्धि परीक्षण पर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं और इन कौशलों को अपने रोजमर्रा के जीवन में लागू कर सकते हैं।

प्रिंसिपल डॉक्टर आरके उप्पल गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी गिद्दड़बाहा ने आज बुक लोकार्पण की, ₹इंटेलिजेंस क्वोटिएंट में सफलत₹ प्रसिद्ध लेखक और सेवानिवृत्त प्रिंसिपल विजय गर्ग द्वारा लिखित। इस मौक़े पर वरिष्ठ प्रोफ़ेसर भी मौजूद थे. पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान प्रिंसिपल डॉक्टर आरके उप्पल ने शिक्षा क्षेत्र में किए गए विजय गर्ग के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक बहुत उपयोगी छात्र है कि आईक्यू टेस्ट को कैसे मापा जाए, जो आगे छात्र के स्थानिक तर्क के रूप में संख्यात्मक तर्क मौखिक तर्क में सुधार करने में मदद करता है डॉ ने आगे कहा कि विजय गर्ग द्वारा लिखी गई यह पुस्तक हमेशा छात्रों और शिक्षकों, समाज के लिए मार्गदर्शन के लिए काम करेगी और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी बहुत उपयोगी होगी। पुस्तक लोकार्पण करने के समय पर बोलते हुए, विजय गर्ग ने कहा कि पुस्तक सभी उम्र के शिक्षार्थियों को सशक्त बनाने और व्यक्तियों को उनकी बौद्धिक क्षमता को अनलॉक करने में मदद करने के लिए मिशन द्वारा संचालित है।

जीवन में दुख हमें सिखाने के लिए आते हैं, ताकि हम संघर्षों और कठिनाइयों से कुछ महत्वपूर्ण सीखें : राजेश खुराना

आगरा, संजय साग़र सिंह। सामाजिक चिंतक राजेश खुराना के विचारों ने जीवन के सुख और दुख को समझने का एक गहरा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। उनका यह कथन कि "दुख हमें सिखाने के लिए आते हैं, ताकि हम संघर्षों और कठिनाइयों से कुछ महत्वपूर्ण सीखें," जीवन के अदृश्य उद्देश्य को उजागर करता है। हर परिस्थिति, चाहे वह सुखद हो या दुःखद, हमारी यात्रा का हिस्सा होती है और हमें एक नई दिशा देने के लिए आती है। उनके इस वाक्य ने जीवन के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा देता है।

सामाजिक चिंतक राजेश खुराना के विचार हमारे मानसिक दृष्टिकोण को विस्तार देते हुए हमें जीवन की प्रत्येक दुःखद घटना को सकारात्मक रूप से समझने और स्वीकार करने का सही तरीका बताते हुए कहा, "सुख और दुख दोनों जीवन के अहम हिस्से हैं। जैसे दुख हमें सिखाने का कार्य करता है, वैसे ही सुख हमें संतुलन और आभार का अनुभव कराता है। जीवन में दुख हमें सिखाने के लिए आते हैं, ताकि हम संघर्षों और कठिनाइयों से कुछ महत्वपूर्ण सीखें। वहीं, सुख का अनुभव हमें मानवता के स्तर की परीक्षा कराता है, जिससे हमें यह समझने का अवसर मिलता है कि हम अपनी समृद्धि और खुशियों के साथ दूसरों के प्रति कैसे व्यवहार करते हैं।" यह सत्य है कि जीवन में सुख और दुख दोनों आते हैं और किसी भी परिस्थिति को हम जिस रूप में देखते हैं, वही उसे हिस्सा बनने का मौका देते हैं। यदि हम इसे स्वीकार करें और समझें कि ये दोनों ही हमारे जीवन का हिस्सा हैं, तो हम जीवन की राह में अधिक संतुष्ट और शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ सकते हैं। हमें जीवन की दुःखद घटनाओं को विधाता की एक योजना का हिस्सा मानकर स्वीकार करना चाहिए।

श्री खुराना जी की यह बात शतप्रतिशत सही है कि हमारा ज्ञान सीमित है, और कई बार हम नहीं समझ पाते कि जो कुछ भी हो रहा है, वह क्यों हो रहा है। हमारी अल्पज्ञता यह दर्शाती है कि जीवन के कुछ पहलू हमारे नियंत्रण से बाहर होते हैं, और हमें उन्हें समझने या बदलने से पहले स्वीकार करना चाहिए लेकिन, जब हम अतीत को देखते हैं, तो हमें पता चलता है कि हमारी समझ और ज्ञान सीमित होते हैं, इसलिए हम अक्सर उन कारणों को नहीं समझ पाते, जो हमें जीवन में मिलते हैं। हो सकता है कि दुख हमें आत्मविकास और समझ का अवसर दे, और सुख हमें संतुलन और आभार का पाठ सिखाए।

श्री खुराना का दृष्टिकोण बहुत सशक्त और सकारात्मक है। वो कहते हैं कि अगर हम यह मान लें कि जो कुछ भी होता है, वह हमारे भले के लिए ही होता है, तो हमें हर परिस्थिति को एक अवसर के रूप में देखना आसान हो जाता है। सुख और दुख दोनों ही जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से हैं, और जब हम इस सोच के साथ उन्हें स्वीकार करते हैं, तो हम अपनी यात्रा को अधिक शांतिपूर्ण और संतुलित बना सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि विधि या नियति का यह परिप्रेक्ष्य हमें यह समझने में मदद करता है कि हर घटना, चाहे वह सुखद हो या दुःखद, किसी गहरे उद्देश्य के तहत होती है। जीवन की यात्रा में हमें कभी-कभी ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है, जो समझ से परे होती हैं, लेकिन जब हम उन घटनाओं को पीछे मुड़कर देखते हैं, तो हमें पता चलता है कि घटनाएँ एक विशेष क्रम में हुई थीं, और उनका अंत एक परिणाम की ओर इशारा करता है। इस प्रकार, अतीत को समझ कर हम वर्तमान और भविष्य के प्रति अधिक धैर्य और विश्वास रख सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, "दुख हमें सिखाने का कार्य करता है, जबकि सुख हमें आभार और संतोष की भावना से जोड़ता है। अगर हम दोनों को जीवन के हिस्से के रूप में बिना घबराए स्वीकार करें, तो हम अपनी यात्रा को सरल और संतुलित बना सकते हैं।" इस दृष्टिकोण से जीवन की हर चुनौतीपूर्ण परिस्थिति अवसर बन जाती है, और हम उसे आत्मविकास की दिशा में एक कदम और बढ़ने के रूप में देख पाते हैं। इसलिए हमें सुख और दुख दोनों को स्वीकार करना चाहिए, यह हमें आभार और संतोष की भावना से जोड़ता है। जब हम इस दृष्टिकोण से जीवन को देखते हैं, तो हम हर चुनौती का सामना करने में सक्षम होते हैं, और जीवन की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ने का माध्यम है।

प्रेम दिवस पर विशेष कविता

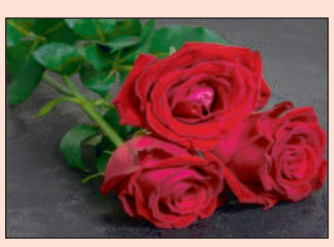

गुलाब नहीं मुझे याद करना...!

आज वैलेंटाइन खूब याद करना,
तुम गुलाब नहीं मुझे याद करना।
हाँ, याद रखना हर वो एक बात,
जिस पर तुम फिदा हो मेरे साथ।
वो सौन्दर्यबोध व होठों की लाली,
लट बिखेर रहीं जुल्फें वो काली।

आज वैलेंटाइन खूब याद करना,
तुम गुलाब नहीं मुझे याद करना।
उन्माद भरी रातें,मीठी-मीठी बातें,
इंतजार में कटते दिन वे सौगातें।
पहली बार मांगी थी तुमसे लिफ्ट,
मिले मुझे तुमसे प्यार भरे गिफ्ट।

आज वैलेंटाइन खूब याद करना,
तुम गुलाब नहीं मुझे याद करना।
लगी जब मुझे चोट, देखी तड़प,
मैंने देखा आँसू गिरे पड़ी फफक।
जब मेरी पीठ पे रखा तुमने हाथ,
ये सोचा जिंदगी में चाहिए साथ।

आज वैलेंटाइन खूब याद करना,
तुम गुलाब नहीं मुझे याद करना।
सच, तुम्हारे प्यार की करू बात,
मेरे लिए 'खटती' रही दिन-रात।
तुम खूब लड़ी अपने परिवार से,
मिले हम तो खातीर तेरे प्यार से।

सिर्फ लूटते हैं फर्जी ट्रैवल एजेंट, एजेंसी और वेबसाइट

अवैध आव्रजन तब होता है जब कोई व्यक्ति अपने मूल देश को छोड़कर आव्रजन कानूनों का उल्लंघन करते हुए दूसरे देश में रहने के लिए चला जाता है। यह एक महत्त्वपूर्ण और नाज़ुक मामला है। अक्सर, बिना नौकरी वाले युवा लोग जो निर्दोष हैं, विदेश में रोजगार पाने की कोशिश में अवैध आव्रजन के जाल में फंस जाते हैं। विदेश यात्रा करने के इच्छुक व्यक्ति को उसकी पसंद के देश में भेजने के बजाय, अनधिकृत एजेंट और एजेंसियाँ उसे दूसरे देश में भेज देती हैं। सरकार ने लोगों, खासकर युवाओं को चेतावनी दी है कि वे बेईमान अनधिकृत ट्रैवल एजेंसियों और एजेंटों से सावधान रहें जो उन्हें काम, शिक्षा या अन्य कारणों से विदेश भेजने के लिए झांसा देते हैं। इनमें से कई स्थितियों में, विदेश यात्रा करने वाले व्यक्ति की जान भी जोखिम में होती है। भुगतान करने से पहले, लोगों को उन ट्रैवल एजेंसियों और कंपनियों से संपर्क करना चाहिए जिन्हें सरकार ने विदेश यात्रा करने की अनुमति दी है और उनसे अपने सभी सवाल पूछने चाहिए।

राज्य सरकार द्वारा लोगों को लगातार याद दिलाया जाता है कि वे केवल अधिकृत ट्रैवल एजेंसियों और एजेंटों के माध्यम से ही विदेश यात्रा करें। कई एजेंट जो विदेश में पैसे भेजने का दिखावा करके लोगों को ठगते हैं, अक्सर अपंजीकृत पाए जाते हैं। ये धोखेबाज़ या बिना मंज़ूरी वाले एजेंट विभिन्न मीडिया में अपने विज्ञापन पोस्ट और प्रसारित करते हैं, जिससे जनता को धोखा मिलता है और उन्हें अपनी मेहनत की कमाई, संपत्ति, गहने और अन्य संपत्ति से हाथ धोना पड़ता है। पंजाब और हरियाणा में ऐसे मामलों की संख्या तुलनात्मक रूप से अधिक है। यह चिंताजनक है कि पिछले छह वर्षों में, हरियाणा में अवैध अप्रवास के मामलों की संख्या में वार्षिक वृद्धि देखी गई है। इन मामलों में तुलनात्मक रूप से कई ग्रामीण निवासी शामिल हैं। ट्रैवल एजेंसियाँ बेरोज़गार लोगों को काम और शिक्षा वीज़ा पर विदेश यात्रा करने के लिए लुभाने के लिए रोज़गार के वादे करती हैं। भुगतान करने और वीज़ा के लिए आवेदन करने के बाद, व्यक्ति को अक्सर पता चलता है कि उसका आवेदन अस्वीकार कर दिया गया है।

इसके बाद, ट्रैवल एजेंट ₹डंकी रूट ₹ की सलाह देता है। इस प्रक्रिया में शामिल अधिकांश लोगों को सीमा पर रोक लिया जाता है, हिरासत में लिया जाता है और वापस भारत भेज दिया जाता है। ऐसे उदाहरण हैं जहाँ पीड़ितों को उनके रिश्तेदारों द्वारा अवैध रूप से हिरासत में लिया जाता है और उनसे ज़्यादा भुगतान करने के लिए मजबूर किया जाता है। इसके अतिरिक्त, ट्रैवल एजेंट द्वारा फ़र्जी टिकट और वीज़ा प्रदान किए जा सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति को हवाई यात्रा से मना किया जा सकता है। लोग कभी-कभी ईमेल आदि के ज़रिए भेजे गए फ़र्ज़ी नौकरी के ऑफ़र और आधिकारिक दिखने वाले दस्तावेज़ों के ज़रिए ठगे जाते हैं। इसके अलावा, एजेंट दूसरे देश का वीज़ा पाने के झूठे बहाने से लोगों को रूस और यूक्रेन जैसे देशों में भेज सकते हैं। लोकप्रिय पर्यटन स्थलों की आकर्षक छवियों वाली और टूर पैकेज प्रदान करने का दावा करने वाली वेबसाइट कोई भी बना सकता है। वे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म की बदौलत ज़्यादा से ज़्यादा लोगों से जुड़ सकते हैं। वास्तव में, जब मैंने विभिन्न ट्रैवल एजेंसियों की वेबसाइट देखी तो मुझे यह स्पष्ट हो गया कि उनमें से अधिकांश वेबसाइटें धोखाधड़ी वाली थीं।

उदाहरण के लिए, उनमें से एक के अनुसार, इसकी स्थापना 2020 में हुई थी और यह ₹दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे अनुभवी ट्रैवल कंपनी₹ थी। मैंने बहुत खोजबीन की, लेकिन कंपनी के मालिकों या भागीदारों के नाम नहीं मिल पाए। इसका कोई लैंडलाइन नंबर भी नहीं था। चूंकि इन दिनों इस तरह की धोखाधड़ी आम होती जा रही है, इसलिए ये कुछ चेतावनी संकेत हैं, जिन पर एजेंसी चुनते समय विचार करना चाहिए। यही कारण है कि केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय का ट्रैवल ट्रेड डिवीजन देश में ट्रैवल एजेंसियों को मंजूरी देता है। मेरी राय में, ग्राहकों को मंत्रालय द्वारा अनुमोदित एजेंसियों से संपर्क करना चाहिए। हालाँकि मान्यता कार्यक्रम वैकल्पिक है और केवल कुछ ही व्यवसायों ने भाग लेने का विकल्प चुना है, लेकिन ग्राहकों की पसंद अधिक व्यवसायों को ऐसा करने के लिए प्रेरित कर सकती है। जनता को इन बेईमान ट्रैवल एजेंटों से सावधान रहना चाहिए और बिना उचित जांच-पड़ताल किए किसी भी ट्रैवल एजेंसी पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

हर राज्य ने आम जनता की सुविधा के लिए अपनी पुलिस वेबसाइट पर अधिकृत और अनधिकृत ट्रैवल एजेंटों की सूची पोस्ट की है। इसके अलावा, जो कोई भी अभी भी इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार होता है, उसे तुरंत स्थानीय पुलिस स्टेशन या हेल्पलाइन को सूचित करना चाहिए। न केवल एक व्यक्ति अपनी सारी जमा पूंजी खो सकता है, बल्कि लापरवाही का एक छोटा-सा कार्य भी उसके परिवार के जीवन को खतरे में डाल सकता है। नतीजतन, लोगों को उचित सुरक्षा उपाय करने चाहिए। नागरिकों को इस तरह की धोखाधड़ी वाली आव्रजन गतिविधियों के बारे में पता होना चाहिए, विदेशों में, विशेष रूप से दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में आकर्षक नौकरी के अवसर प्रदान करने वाली ट्रैवल एजेंसियों के झूठे वादों में न फंसना चाहिए, संभावित नियोक्ता की पृष्ठभूमि की पूरी तरह से जांच करनी चाहिए, खासकर जब झूठे बहाने से काम की पेशकश की जाती है, किसी भी अवैध साइबर गतिविधि में शामिल होने से बचना चाहिए और भारतीय दूतावास से संपर्क करना चाहिए।

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित वन-स्टॉप सुविधा केंद्र, ओवरसीज वर्कर्स रिसोर्स सेंटर, काम के लिए विदेश यात्रा करने के इच्छुक व्यक्तियों को आवश्यक सहायता सेवाएँ प्रदान करता है। अपनी मान्यता और निरसन योजना में, मंत्रालय को अनुमोदित सेवा प्रदाताओं के खिलाफ अनुचित व्यापार प्रथाओं और घटिया और लापरवाह सेवाओं की उपभोक्ता शिकायतों को प्राथमिकता देनी चाहिए। अपने पोर्टल पर, इसे ग्राहक शिकायतों के लिए एक अनुभाग भी शामिल करना चाहिए।

- डॉ० सत्यवान सौरभ,

झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा की काफिला दुर्घटनाग्रस्त, वीडियो एवं अन्य को चोट

कार्तिक परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

रांची, झारखंड की कृषि ,सहकारिता पशुपालन (मत्स्य समेत)विभाग की की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की की काफिले में शामिल तीन गाड़ियां आपस में टकरा गईं. इस दुर्घटना में प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत पांच लोग घायल हो गए हैं. गुरूवार को यह हादसा गुमला के बसिया प्रखंड में हुआ ।

मंत्री के काफिले में चल रही तीन गाड़ियां जोलो गांव की ओर जा रही थीं. काफिले में गाड़ियों की लंबी कतार थी. इसी दौरान तुकई गांव के पास स्थित एक स्कूल के समीप, आगे चल रही एक कार के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया. इसके बाद स्विफ्ट डिजायर के चालक को भी ब्रेक लगाना पड़ा. तेज रफ्तार में चल रही बसिया की बीडीओ की कार ने सामने वाली कार को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए. वीडियो समेत अन्य को हल्की चोट आई है ।

इस दुर्घटना में बसिया की प्रखंड विकास पदाधिकारी सुप्रिया भगत, उनके वाहन चालक जगपाल कुमार, जेएसएलपीएस के बनमाली साहू, रामजड़ी निवासी जितेंद्र कुमार भगग तथा ज्योति लकड़ा घायल हो गए हैं.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023